CMYK

छत्तीसगढ़ का पहला राष्ट्रीय दैनिक

SUNDAY

बिलासपुर, रविवार, 14 दिसंबर 2025

वर्ष - 35 | अंक -224 | पृष्ठ - 12 |

मूल्य - 4.00 रु.

www.deshbandhu.co.in ख़बरें लगातार ...

संपर्क करें :-
bilaspurdeshbandhu@gmail.com

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

आतंक के विरोध में हमेशा दृढ़ता से खड़ा रहा भारत : ओम बिरला पृष्ठ 3

मड़ई
छत्तीसगढ़ी में पहली धर्मउपदेशक : गुरु घासी दास बाबा! पृष्ठ 4

तीसरे टी-20 में 2-1 से बढ़त बनाने के इरादे से उतरेंगे भारत और दक्षिण अफ्रीका
भारत ने एशियाई युवा पैरा गेम्स में जीते 18 पदक पृष्ठ 10

देश विदेश
भारत पर टैरिफ लगाने के खिलाफ अमेरिका में कांग्रेस प्रतिनिधि सभा के तीन सदस्यों ने पेश किया प्रस्ताव, कह-अमेरिकी श्रमिकों व उपभोक्ताओं को नुकसान
छापेमारी के नाम पर कई बलूचों को हिरासत में रखा, आठ लापता
पृष्ठ 9

अगले 5 साल में बस्तर संभाग देश का सबसे विकसित आदिवासी संभाग बनेगा : शाह

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने जगदलपुर में बस्तर ओलिंपिक के समापन समारोह को किया संबोधित

जगदलपुर, 13 दिसंबर (देशबन्धु)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में बस्तर ओलिंपिक के समापन समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

इस अवसर पर केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि हमने तय किया था कि 31 मार्च, 2026 से पहले पूरे देश से लाल आतंक को खत्म कर देंगे और आज बस्तर ओलंपिक- 2025 में हम इस कगार पर खड़े हैं। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष नवंबर-दिसंबर तक बस्तर ओलंपिक-2026 के समय तक पूरे भारत और छत्तीसगढ़ से लाल आतंक समाप्त हो चुका होगा और नक्सलमुक्त बस्तर आगे बढ़ रहा होगा।

अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमने यह संकल्प लिया है कि पूरे बस्तर और भारत को

- बस्तर सहित पूरे भारत से नक्सलवाद 31 मार्च 226 तक खत्म हो जायेगा
- 226 का बस्तर ओलंपिक नक्सलवाद से मुक्त बस्तर में होगा
- नक्सलवाद छोड़कर 7 से अधिक युवाओं का बस्तर ओलंपिक से जुड़ना हम सभी के लिए गर्व की बात

नक्सलमुक्त कराना है। उन्होंने कहा कि हमें यहीं नहीं रुकना बल्कि कांकेर, कोंडागांव, बस्तर, सुकमा, बीजापुर, नारायणपुर और दंतेवाड़ा के 7 ज़िलों का संभाग बस्तर, दिसंबर 2030 दिसंबर तक देश के सबसे अधिक विकसित आदिवासी संभाग बनेगा। उन्होंने कहा कि बस्तर के हर व्यक्ति को रहने के लिए घर, बिजली, शौचालय, नल से पीने का पानी, गैस सिलिंडर, 5 किलो अनाज और 5 लाख तक का मुफ्त इलाज, बस्तर के घर घर में पहुचाने का संकल्प हमारी सरकार का संकल्प है। शाह ने कहा कि हमने अगले पांच साल में बस्तर को देश का सबसे विकसित आदिवासी संभाग बनाने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि इसमें प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार और विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार कंधे से कंधा मिलाकर बस्तर को विकसित बस्तर बनाने के लिए मिलकर आगे बढ़ेंगे।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि बस्तर का हर गांव सड़क से जुड़ेगा, वहां बिजली होगी, 5 किलोमीटर के क्षेत्र में बैंकिंग सुविधाएं होंगी और सबसे घने पीएचसी/सीएचसी का नेटवर्क बनाने का काम भी हमारी सरकार करेगी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में वन उपज की प्रोसेसिंग के लिए कोऑपरेटिव आधार पर यूनिट्स लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि बस्तर के सातों ज़िले सभी आदिवासी ज़िलों में सबसे अधिक दूध उत्पादन कर डेयरी के माध्यम से अपनी आय बढ़ाने वाले ज़िले बनेंगे। उन्होंने कहा कि बस्तर में नए उद्योग, उच्च शिक्षा की व्यवस्था, भारत में सबसे अच्छा स्पोर्ट्स संकुल और अत्याधुनिक अस्पताल की व्यवस्था भी हम करेंगे। शाह ने कहा कि कुपोषण के लिए भी यहां विशेष स्कीम चलाई जाएगी। उन्होंने कहा कि जिन्होंने आत्मसमर्पण किया है ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

केरल निकाय चुनाव में कांग्रेस का जलवा

कांग्रेस के नेतृत्व वाला संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा बड़ी ताकत बनकर उभरा

तिरुवनंतपुरम, 13 दिसम्बर (एजेंसियां)। केरल स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस के नेतृत्व वाला संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा, (यूडीएफ) नगर पालिकाओं और ग्राम पंचायतों में निर्णायक जीत हासिल करते हुए सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरा है। सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) को कई जिला पंचायतों में सफलता मिली लेकिन उसका प्रदर्शन उम्मीदों से कम रहा।

- एलडीएफ को लगा बड़ा झटका
- भाजपा ने भी उपस्थिति दर्ज कराई

इस बीच, भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने तिरुवनंतपुरम नगर निगम पर नियंत्रण हासिल करके इतिहास रच दिया। हालांकि, उसे पत्तनमतिट्टा जिले की महत्वपूर्ण पंदलम नगर पालिका में बड़ा झटका लगा। सबरीमाला मंदिर के निकट होने के कारण राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इस निकाय पर राजग ने 2020 में कब्ज़ा किया था, लेकिन इस बार वह 34 वार्डों में से केवल 9 सीटें ही जीत सका। इसने राज्य में नए राजनीतिक समीकरणों का संकेत दे दिया है।

तिरुवनंतपुरम में एनडीए ने दिखाई ताकत

इस चुनाव का केंद्र बिंदु तिरुवनंतपुरम रहा। यहां एनडीए ने 101 वार्डों में से 50 सीटें जीतकर, दशकों से चले आ रहे एलडीएफ-यूडीएफ के प्रभुत्व को समाप्त कर दिया। यह जीत राष्ट्रीय स्तर पर ध्यान आकर्षित करने वाला एक महत्वपूर्ण राजनीतिक बदलाव है। हालांकि, राजग की पंदलम नगर पालिका में जीत को इसलिए सुनिश्चित माना जा रहा था क्योंकि यह क्षेत्र सबरीमाला मंदिर के निकट है और यहां वह पिछली बार काबिज भी थी लेकिन इस बार यहां एलडीएफ 14 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। इसके विपरीत, पलक्कड़ नगर पालिका में एनडीए 53 में से 25 सीटें जीतकर सबसे आगे रहा, हालांकि उसे स्पष्ट बहुमत नहीं मिला। यूडीएफ नेताओं ने परिणामों को व्यापक शहरी-ग्रामीण समर्थन का प्रमाण बताते हुए इसे 'एलडीएफ के कुशासन के खिलाफ जनादेश' करार दिया। वहीं, राजग नेताओं ने तिरुवनंतपुरम की जीत को 'ऐतिहासिक क्षण' बताया और केरल की राजनीति में 'मोदी लहर' के रूप में देखा। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने स्वीकार किया कि एलडीएफ के परिणाम उनकी अपेक्षाओं से कम रहे।

उन्होंने कहा कि एलडीएफ हार के कारणों की सावधानीपूर्वक जांच करेगा और आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाएगा।

छह नगर निगमों में कांग्रेस का कब्जा

राज्य के छह नगर निगमों में, कांग्रेस नीत यूडीएफ ने चार पर कब्ज़ा किया, जबकि वाम दलों और भाजपा नीत राजग ने एक-एक निगम जीता। जिला पंचायत स्तर पर, 14 निकाय कांग्रेस और वाम दलों के बीच समान रूप से विभाजित रहे, और भाजपा गठबंधन यहां खाता तक नहीं खोल सका। नगर पालिकाओं में यूडीएफ का प्रदर्शन शानदार रहा, जिसने 86 में से 54 सीटें जीतीं, जबकि एलडीएफ 28 और एनडीए को मात्र दो सीटें मिलीं। कुल 941 ग्राम पंचायतों में, यूडीएफ ने 504 पर, एलडीएफ ने 341 पर और एनडीए ने 26 पर अपना प्रभुत्व जमा लिया।

सार संक्षेप

कांग्रेस की 'वोट चोर-गद्दी छोड़' रैली आज

नई दिल्ली। कांग्रेस ने 'वोट चोरी' के खिलाफ चलाए गये अपने अभियान के तहत रविवार 14 अप्रैल को यहां रामलीला मैदान में होने वाली 'वोट चोर - गद्दी छोड़' महा रैली की तैयारी पूरी कर ली है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने शनिवार को रैली स्थल रामलीला मैदान से जारी संदेश में लोगों से बड़ी संख्या में इस रैली में शामिल होने का आग्रह किया है।

खरगे-राहुल ने केरल के मतदाताओं का जताया आभार

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा वायनाड से पार्टी सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने केरल स्थानीय निकाय चुनाव में यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) को मिली सफलता पर खुशी व्यक्त करते हुए केरल के मतदाताओं का अभार जताया है। राहुल गांधी ने कहा, 'स्थानीय निकाय चुनावों में यूडीएफ पर भरोसा जताने के लिए केरल की जनता को सलाम। यह एक निर्णायक और उत्साहवर्धक जनादेश है।

संसद पर हुए हमले में शहीद हुए सुरक्षाकर्मियों को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई अन्य सांसदों ने शनिवार को संसद पर 21 के आतंकी हमले में शहीद हुए सुरक्षाकर्मियों को श्रद्धांजलि दी। 13 दिसंबर, 21 को, जैश-ए-मोहम्मद के पांच आतंकवादियों ने संसद परिसर को निशाना बनाया था, जिसमें दिल्ली पुलिस के छह जवान, संसद सुरक्षा सेवा के दो सदस्य और एक माली की मौत हो गई थी। हमले के दौरान सुरक्षाबलों ने सभी पांचों आतंकवादियों को मार गिराया था।

ईडी ने इंडियन बैंक को 40 करोड़ की प्रॉपर्टी वापस सौंपी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सरवाना स्टोर्स (गोल्ड पैलेस) और उसके पार्टनर्स के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में इंडियन बैंक को 4 करोड़ रुपए की प्रॉपर्टी वापस कर दी है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। इससे पहले, जांच एजेंसी ईडी ने 17 फरवरी, 225 को बैंक को 235 करोड़ रुपए की तीन प्रॉपर्टी वापस कर दी थीं।

मोदी नाम बदलने के 'मास्टर' : जयराम रमेश

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर (देशबन्धु)। कांग्रेस ने मनरेगा कानून का नाम बदलने संबंधी विधेयक को मंत्रिमंडल से मंजूरी दिए जाने पर केंद्र सरकार को आड़े हाथ लेते हुए शनिवार को कहा कि मोदी सरकार योजनाओं का नाम बदलने में 'मास्टर' है। मुख्य विपक्षी पार्टी ने सवाल किया, ' महात्मा गांधी नाम में क्या गलत है' कि सरकार को यह कदम उठाना पड़ा। कांग्रेस के संचार प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मोदी सरकार योजनाओं और कानूनों का

कांग्रेस ने मनरेगा का नाम बदलने पर सरकार को घेरा

नाम बदलने में 'मास्टर' है। रमेश ने कहा, 'उन्होंने निर्मल भारत अभियान का नाम बदलकर स्वच्छ भारत अभियान कर दिया और ग्रामीण एलपीजी वितरण कार्यक्रम का नाम उज्ज्वला रख दिया। वे 'री-पैकेजिंग' और 'ब्रांडिंग' में माहिर हैं।' जयराम रमेश ने कहा कि वे पंडित नेहरू से नफरत करते हैं, लेकिन लगता है कि वे महात्मा गांधी से भी नफरत करते हैं। महात्मा गांधी नाम में क्या गलत है, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम का नाम बदलकर पूज्य बापू रोजगार गारंटी योजना क्यों रखा जा रहा है?'' केसी वेणुगोपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने कभी मनरेगा को 'विफलता का स्मारक' कहा था, लेकिन अब इस क्रांतिकारी योजना का श्रेय लेने के लिए इसका नाम बदल रहे हैं।

कश्मीर में ओजीडब्ल्यू नेटवर्क के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई

जम्मू, 13 दिसम्बर (देशबन्धु)। कश्मीर में खतरा बन चुके ओजीडब्ल्यू अर्थात अंडर ग्राउंड वर्करों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्राई की जा रही है। जम्मू कश्मीर पुलिस ने दूसरी सिक्योरिटी एजेंसियों के साथ मिलकर कश्मीर घाटी के कई हिस्सों में आतंकवादियों के ओवर ग्राउंड वर्कर्स के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू की, जिसमें सिर्फ श्रीनगर में 150 से ज्यादा संदिग्धों को हिरासत में लिया गया। जबकि पूरे कश्मीर में एक सप्ताह के भीतर एक हजार से अधिक ओजीडब्ल्यू धरे गए हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सिर्फ श्रीनगर में अब तक 150 से ज्यादा संदिग्ध लोगों को हिरासत में लिया गया है, जबकि घाटी के कई हिस्सों में ओजीडब्ल्यू के खिलाफ कार्रवाई चल रही है। उन्होंने बताया कि घाटी में बैन किए गए संगठन जैश-ए-मोहम्मद और दूसरे आतंकी संगठनों के आतंकी नेटवर्क को खत्म करने के लिए ओजीडब्ल्यू के खिलाफ यह कार्रवाई शुरू की गई है।

- श्रीनगर में 15 से ज्यादा हिरासत में लिए

अधिकारियों ने बताया कि ओजीडब्ल्यू नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई के तहत कश्मीर घाटी के कई हिस्सों में कई जगहों पर रेड चल रही है। यह कार्रवाई लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा के जम्मू-कश्मीर में आतंकी इकोसिस्टम को खत्म करने के सरकार के वादे को दोहराने के बाद हुई है। शनिवार सुबह उपराज्यपाल ने जम्मू-कश्मीर में टेरर इकोसिस्टम को खत्म करने का वादा किया और चेतावनी दी कि टेररिज्म के सपोर्टर्स और समर्थकों को कड़ी से कड़ी सजा मिलेगी।

गरियाबंद में नक्सलवाद को बड़ा झटका

10 लाख के इनामी दो हार्डकोर नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

गरियाबंद, 13 दिसंबर (देशबन्धु)। नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत गरियाबंद पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। शासन की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर प्रतिबंधित संगठन सीपीआई (माओवादी) के डीजीएन डिवीजन में सक्रिय दो हार्डकोर नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़ते हुए आत्मसमर्पण किया है। आत्मसमर्पण करने वाले दोनों नक्सली 5-5 लाख रुपये के इनामी थे, जिन पर कुल 10 लाख रुपये का इनाम घोषित था।

आत्मसमर्पण करने वालों में एसडीके एरिया कमेटी सदस्य संतोष उर्फ लालपवन तथा सीनापाली एरिया

कमेटी सदस्य मंजू उर्फ नंदे शामिल हैं। दोनों नक्सली लंबे समय से गरियाबंद एवं ओडिशा सीमा क्षेत्र में सक्रिय थे और कई नक्सली घटनाओं में उनकी संलिप्तता रही है।

संतोष उर्फ लालपवन बीजापुर जिले के आवापल्ली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बण्डरपाली का निवासी है। वह वर्ष 2005 में माओवादी संगठन से जुड़ा और प्लाटून कमांडर से लेकर एरिया कमेटी सदस्य तक विभिन्न जिम्मेदारियां निभाता रहा। गरियाबंद क्षेत्र में सक्रिय रहते हुए वह आईईडी ब्लास्ट, पुलिस मुठभेड़ों और विकास कार्यों में आगजनी जैसी गंभीर घटनाओं में शामिल रहा। वर्ष 2018 से 2025 के बीच हुई कई बड़ी नक्सली घटनाओं में उसकी भूमिका रही है।

मंजू उर्फ नंदे सुकमा जिले की रहने वाली है, जो वर्ष 2002 से नक्सली संगठन से जुड़ी थी। उसने बाल संगठन से लेकर एलओएस, ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

एसबीआई ने ब्याज दरें घटाईं

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर (एजेंसियां)। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने लोन से लेकर फिक्स्ड डिपॉजिट्स (एफडी) पर ब्याज दरों को घटा दिया है। नई दरें सोमवार से लागू होंगी। एसबीआई की ओर से यह फैसला ऐसे समय पर लिया गया है जब इस महीने की शुरुआत में भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो रेट को 25 आधार अंक 5.50 प्रतिशत से घटाकर 5.25 प्रतिशत कर दिया है। एसबीआई की ओर से मर्जिन कास्ट ऑफ फंड्स बेस्ड लेंडिंग रेट्स को 5 आधार अंक या 0.05 प्रतिशत कम किया गया है। यह वह दर होती है, जिस आधार पर बैंक लोन की ब्याज दर तय करते हैं। इसके कम होने का असर सभी प्रकार के लोन की ब्याज दरों पर पड़ता है। एसबीआई ने ओवरनाइट और एक महीने की एमसीएलआर दर को 7.90 प्रतिशत से घटाकर 7.85 प्रतिशत कर दिया है। तीन महीने के एमसीएलआर को 8.30 प्रतिशत से घटाकर 8.25 प्रतिशत कर दिया है। छह महीने के एमसीएलआर को 8.65 प्रतिशत से घटाकर 8.60 प्रतिशत कर दिया है। वहीं, बैंक ने एक और दो वर्षों के एमसीएलआर की दर को 8.75 प्रतिशत से घटाकर 8.70 प्रतिशत कर दिया गया है। वहीं, तीन वर्षों के लिए एमसीएलआर की दरों को 8.85 प्रतिशत से घटाकर 8.80 प्रतिशत कर दिया गया है। बैंक ने एफडी पर भी ब्याज दरों को भी कम किया है। एसबीआई की नई दरों के मुताबिक, 3 करोड़ रुपए से कम की दो से तीन साल की एफडी पर सामान व्यक्ति के लिए ब्याज दर अब 6.40 प्रतिशत होगी, जो कि पहले 6.45 प्रतिशत थी।

- लोन से लेकर फिक्स्ड डिपॉजिट्स शामिल

सीआरपीएफ जवान ने सर्विस राइफल से खुद को मारी गोली

गरियाबंद, 13 दिसंबर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ और ओडिशा की सीमा पर स्थित सीआरपीएफ कैंप से एक दुखद घटना सामने आई है। जहां सीआरपीएफ कैंप में एक जवान ने अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली। जिससे उसकी मौत हो गयी। इस घटना से सीआरपीएफ कैंप में सुरक्षाकर्मियों में हड़कंप मच गया है।

मामला जिले से सटे ओडिशा सीमा के अंतर्गत सोनाबेड़ा के आश्रित गांव ढेकूनपानी स्थित सीआरपीएफ कैंप का है। जहां सीआरपीएफ जवान ने सर्विस राइफल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। मृतक सीआरपीएफ जवान की पहचान गोपीनाथ सबर के रूप में हुई है। जवान गोपीनाथ सबर ओडिशा के खरियार क्षेत्र के खरधरा गांव का रहने वाला था। गोपीनाथ सब ड्यूटी पर तैनात थे तभी अपने सर्विस राइफलएके-47 से खुद को गोली मार ली। गोली की आवाज आते ही कैंप में मौजूद अन्य जवान पहुंचे तो देखा उसकी मौत हो चुकी थी। इस घटना के बाद सुरक्षाकर्मियों में हड़कंप मच गया। इसकी सूचना पुलिस को दी गयी। सूचना मिलते ही ओडिशा के कोमना पुलिस थाने की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। जवान ने किस वजह से आत्महत्या की है। अभी इसका पता नहीं चल सका है। फ़िलहाल मामले की जांच की जा रही है।

कैंप में मचा हड़कंप

भारतीय सेना को मिले 491 जांबाज सैन्य अफसर

देहरादून, 13 दिसम्बर (देशबन्धु)। भारतीय सैन्य अकादमी के ऐतिहासिक ड्रिल स्क्वायर में आज 157वीं पासिंग आउट परेड का भव्य आयोजन किया गया। गौरव, परंपरा और सैन्य गरिमा से परिपूर्ण इस अवसर पर अधिकारी कैडेट्स को भारतीय सेना में कमीशन प्रदान किया गया। यह समारोह अकादमी के आदर्श वाक्य 'वीरता और विवेक' तथा कैडेट्स के कठोर प्रशिक्षण, अनुशासन और अदम्य साहस का सशक्त प्रतीक रहा। 157वें रेगुलर कोर्स, 46वें टेक्निकल एंट्री स्कीम, 140वें टेक्निकल ग्रेजुएट कोर्स, 55वें स्पेशल कमीशंड ऑफिसर्स कोर्स और टेरिटोरियल आर्मी ऑनलाइन एंट्रेंस एग्ज़ाम 2023 कोर्स के कुल 525 अधिकारी कैडेट्स के साथ-साथ 14 मित्र राष्ट्रों के 34 विदेशी अधिकारी कैडेट्स को कमीशन प्रदान किया गया।

मेसी के कार्यक्रम में मचा बवाल

कोलकाता, 13 दिसम्बर (एजेंसियां)। अर्जेंटीना के फुटबॉल आइकन लियोनेल मेसी को 14 साल बाद फुटबॉल के दीवानों के शहर कोलकाता में लौटने पर भव्य स्वागत किया गया। शहर में हजारों प्रशंसक, अपने पसंदीदा वैश्विक सुपरस्टार की एक झलक पाने के लिए, मध्यरात्रि के बाद कड़ाके की ठंड में भी डटे रहे। हालांकि, बाद में साल्ट लेक स्टेडियम (युवा भारती क्रीड़ांगन) में यह उत्साह उस समय अराजकता और निराशा में बदल गया, जब उनके प्रशंसक मेसी की एक झलग ठीक से नहीं पा सके। मेसी का विमान नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कल देर रात उतरा। उनके आगमन पर वहां मौजूद लोगों में जोश भर गया। उनके समर्थक बार्सिलोना की नंबर 10 जर्सी पहने उनका नाम लेकर चिल्ला रहे थे और अर्जेंटीना के झंडे लहरा रहे थे। भारी सुरक्षा तैनाती ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

झलक न दिखने से गुस्साए दर्शक

विकास — उमर अब्दुल्ला ने कई परियोजनाओं का किया उद्घाटन

अब गुलमर्ग में दुनिया का सबसे ऊंचा रिवालविंग रेस्तरां भी

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 13 दिसम्बर (देशबन्धु)। क्या आपको पता है दुनिया का सबसे ऊंचा गंडोला और स्की प्वाइंट कहां है? क्या आपको पता है दुनिया का सबसे ऊंचा रेस्तरां कहां है? क्या आपको पता है दुनिया का सबसे बड़ा इग्लू कैफे कहां है?

क्या आपको पता है दुनिया का सबसे ऊंचाई पर स्थित रिवालविंग रेस्तरां कहां है? गंडोला और स्की प्वाइंट तो गुलमर्ग के अफारवत पर्वत पर स्थित हैं और यहीं पर समुद्रतल से 14000 फुट की ऊंचाई पर रेस्तरां भी है जबकि विश्व का सबसे बड़ा इग्लू कैफे भी यहीं पर है। जबकि आज अफरावत पर्वत पर दुनिया का सबसे ऊंचाई पर स्थित रिवालविंग रेस्तरां का उदघाटन भी किया गया है। गुलमर्ग का गंडोला विश्व का सबसे ऊंचा और एशिया का सबसे लम्बा रोप वे है। इसके अंतिम स्थान अफारवत पर्वत पर विश्व का सबसे ऊंचा स्की प्वाइंट भी है जहां सारा साल स्कीइंग होती है। ऐसे में रेस्तरां की जो कमी थी वह भी पूरी हो चुकी है जबकि अब यहां पर बनाया गया दुनिया का सबसे बड़ा इग्लू कैफे भी नया रिकार्ड बना चुका है। यही कारण है कि कश्मीर आने वाले टूरिस्टों का टारगेट डेस्टिनेशन गुलमर्ग ही होता है।

जबकि जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को गुलमर्ग में कई डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया। इनका मकसद मशहूर हिल रिसार्ट में टूरिज्म इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना और टूरिस्ट सुविधाओं को बेहतर बनाना है। उद्घाटन किए गए मुख्य आकर्षणों में दुनिया का सबसे ऊंचा घूमने वाला रेस्टोरेंट शामिल है, साथ ही एक मल्टी-पर्पस हाल भी है, जिसे टूरिस्ट और सरकारी कार्यक्रमों के लिए पैनोरमिक नजारे दिखाने के लिए डिजाइन किया गया है। अधिकारियों के अनुसार, मुख्यमंत्री ने गुलमर्ग गोंडाला रूट पर एक खास जगह, अफरवात में एक घूमने वाले कांफ्रेंस हाल का भी उद्घाटन किया, जिसका मकसद ऊंचाई पर कांफ्रेंस, मीटिंग और टूरिज्म से जुड़ी गतिविधियों का आयोजन करना है।

इन प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन जम्मू और कश्मीर केबल कार कार्पोरेशन और टूरिज्म डिपार्टमेंट की देखरेख में किया गया, जिन्होंने मौके पर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। अधिकारियों ने बताया कि ये पहल गुलमर्ग के टूरिज्म सेक्टर में, खासकर ऊंचाई वाले इलाकों में, एक महत्वपूर्ण बढ़ोतरी है।

कलेक्टर लीना मांडवी की गेंद पर एसपी एस.आर. भगत क्लीन बोल्ड

डीपीएल क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन-2 का भव्य शुभारंभ, फिजिकल कॉलेज मैदान पेंड्रा में खेल भावना का उत्सव

गौरेला पेंड्रा मरवाही 13 दिसम्बर (देशबन्धु)। शिक्षक मैत्री समूह, जिला गौरेला-पेंड्रा-मरवाही द्वारा आईपीएल की तर्ज पर आयोजित डीपीएल (डिपार्टमेंटल प्रीमियर लीग) क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन-2 का शनिवार को फिजिकल कॉलेज खेल मैदान, पेंड्रा में भव्य उद्घाटन हुआ। टूर्नामेंट में जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी अपनी-अपनी टीमों के माध्यम से मैदान में उतर रहे हैं।

तनाव प्रबंधन का सशक्त माध्यम है खेल-कलेक्टर लीना कमलेश मांडवी

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मांडवी ने कहा कि सरकारी अधिकारी-कर्मचारी अपने दायित्वों के निर्वहन के दौरान मानसिक तनाव महसूस करते हैं। खेल इस तनाव से मुक्ति और सकारात्मक ऊर्जा का सशक्त माध्यम है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि टूर्नामेंट अंतिम ओवर की अंतिम गेंद तक रोमांचक रहेगा। कलेक्टर ने बताया कि इस आयोजन के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, सुशासन तिहार, प्रशासन गांव की ओर, हर बच्चे को शिक्षा से जोड़ने का अभियान, लखपति दीदी योजना एवं जिले के पर्यटन स्थलों का भी प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। डीपीएल में जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों के नाम पर टीमों का गठन कर पर्यटन को बढ़ावा देने की अभिनव पहल की गई है।

एकता और समन्वय से जिले का विकास संभव- एसपी एस.आर. भगत

पुलिस अधीक्षक एस.आर. भगत ने कहा कि जिले के सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों में आपसी एकता और समन्वय स्थापित करने के लिए इस तरह के आयोजन होते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी विभागों का समन्वय जिले के विकास की दिशा में नया अध्याय लिखेगा।

डीपीएल उद्घाटन में कलेक्टर-एसपी आमने-सामने

डीपीएल सीजन-2 के उद्घाटन मैच में कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मांडवी और पुलिस अधीक्षक सुरजन राम भगत के बीच रोमांचक बल्लेबाजी-गेंदबाजी देखने को मिली। पहले एसपी ने गेंदबाजी करते हुए कलेक्टर को गेंद डाली, जिस पर कलेक्टर ने आत्मविश्वास से शॉट लगाए। बाद में कलेक्टर की गेंदबाजी में एसपी ने शुरुआती दो गेंदों पर शानदार शॉट्स खेले, लेकिन तीसरी गेंद पर वे क्लीन बोल्ड हो गए, जिससे मैदान तालियों से गूंज उठा। जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजा उपेन्द्र बहादुर सिंह ने आयोजन की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन जनप्रतिनिधियों के बीच भी होने चाहिए। शिक्षक मैत्री समूह के संयोजक नागेन्द्र सिंह ने स्वागत भाषण दिया। मैच की हिंदी एवं अंग्रेजी में कमेंट्री अजय चौधरी द्वारा की जा रही है।

कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजा उपेन्द्र बहादुर सिंह, नगर पालिका पेंड्रा अध्यक्ष राकेश जालान, नगर पालिका गौरेला अध्यक्ष मुकेश दुबे, कलेक्टर लीना कमलेश मांडवी, एसपी एस.आर. भगत, जिला पंचायत सीईओ मुकेश रावटे, एएसपी ओम चंदेल, अपर कलेक्टर अमित बेक, एसडीएम विक्रांत अंचल, एसडीएम देवेंद्र सिरमौर सहित जिले के अनेक अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

डीपीएल आयोजन समिति- शिक्षक मैत्री समूह की आयोजन समिति में— नागेन्द्र सिंह, रितेश सिंह, अंबुज मिश्रा, जितेन्द्र जायसवाल, विनोद तिग्गा, संजय कैवर्त, संजय टांडिया शामिल हैं।

जवाहर नवोदय विद्यालय के प्रवेश परीक्षा में 35 फीसदी गैरहाजिर

तखतपुर 13 दिसम्बर (देशबन्धु)। जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई जिसमें लगभग 35 प्रतिशत छात्र छात्राएं अनुपस्थित रहे। कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए नवोदय विद्यालय की ओर से प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया इस परीक्षा में कक्षा 5वीं में अध्ययनरत छात्र छात्राएं शामिल हुए परीक्षा के लिए तखतपुर विकासखण्ड में दो परीक्षा केंद्र बनाए गए थे जिसमें कन्या उच्चतर माध्यिमक शाला तखतपुर एवं सेजेस तखतपुर दोनों जगह विकासखण्ड तखतपुर के प्राथमिक शालाओंमें कक्षा 5वीं में अध्ययनरत परीक्षार्थी शामिल हुए इस परीक्षा में मेरिट आधार पर उत्तीर्ण छात्रों जवाहर नवोदय विद्यालय मल्हार में कक्षा 6वीं में प्रवेश होगा जहां छात्रों को शिक्षा एवं आवास निःशुल्क रहता है। प्रतिवर्ष इस परीक्षा का आयोजन कर भर्ती की जाती है इस परीक्षा में कन्या माध्यमिक शाला में 157 परीक्षार्थी को शामिल होना था जिसमें 97 उपस्थित हुए और 60 अनुपस्थित रहे वहीं बालक उच्चतर माध्यमिक शाला में सेजेस 273 उपस्थित रहे और 111 अनुपस्थित रहे। परीक्षा का संचालन दोनों केंद्र में शांति पूर्ण ढंग से हुआ उसे संचालित करने में एनएस राजपूत, जितेंद्र शुक्ला, बीएस मरकाम, आर आर दुबे, श्रीकांत मिश्रा, कामिनी गुप्ता लगे रहे।

सेमरसल के न्योता भोज में शामिल हुए कलेक्टर, एसपी

कलेक्टर ने बच्चों को दी सफलता का मंत्र

सिद्ध मुनिबाबा सेमरसल स्कूल में हुआ पारंपरिक न्योता भोज

मुंगेली 12 दिसम्बर (देशबन्धु)। विकासखंड लोरमी की अंतिम ग्राम पंचायत सेमरसल स्थित शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला सेमरसल में गुरुवार को ऐतिहासिक न्योता भोज का आयोजन उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में मुंगेली कलेक्टर कुंदन कुमार और एसपी भोजराम पटेल विशेष रूप से शामिल हुए।

थाना प्रभारी नंदलाल पैकरा और प्रधान आरक्षक महेश राज के सौजन्य से बच्चों को स्वादिष्ट व्यंजन परोसे गए तथा उत्कृष्ट विद्यार्थियों को कलेक्टर और एसपी के हाथों कॉपी-कलम का पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता और छत्तीसगढ़ महतारी के चित्र पर पूजन-अर्चन के साथ हुई। इसके पश्चात बाल कैबिनेट टीम को कॉपी-कलम और शिक्षकों को डायरी, पेन व भारत माता का छायाचित्र भेंट कर सम्मानित किया गया। शाला प्रबंधन समिति के महेत्तर कश्यप, गिरधर दीक्षित, दुर्गेश कश्यप, प्रधानपाठक आत्माराम कश्यप सहित अन्य सदस्यों ने अतिथियों का स्वागत किया।

अपने संबोधन में कलेक्टर कुंदन कुमार ने बच्चों से मोबाइल से दूरी बनाकर पुस्तकों से मित्रता करने, संस्कृति-संस्कारों का सम्मान करने और निरंतर अध्ययन में लगे रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि सेमरसल जैसे सुदूर क्षेत्र से भी बच्चे प्रेरित होकर कलेक्टर, एसपी, मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री सहित बड़े पदों पर पहुंच सकते हैं। एसपी भोजराम पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि बचपन ही वह उम्र है जब शिक्षा और संस्कार बच्चों के जीवन की दिशा तय करते हैं। सेमरसल में शिक्षा का सकारात्मक वातावरण देखकर उन्होंने संतोष जताया और कहा कि यहां के बच्चे निश्चित ही भविष्य में बड़ी उपलब्धियां हासिल करेंगे।

न्योता भोज में कलेक्टर और एसपी सहित सभी अधिकारी, शिक्षक एवं ग्रामीण जन पारंपरिक तरीके से जमीन पर बैठकर भोजन ग्रहण करते नजर आए। बच्चों को परोसे गए व्यंजनों की कलेक्टर ने सराहना की और ऐसे आयोजनों को समय-समय पर करने का सुझाव दिया। उन्होंने थाना प्रभारी नंदलाल पैकरा और महेश राज की इस सराहनीय पहल के लिए प्रशंसा की।

कार्यक्रम में लोरमी बीईओ मनीषा पाटले, एबीईओ सुनील शर्मा, प्रधानपाठक आत्माराम कश्यप, आरती गुप्ता, पुष्पा चतुर्वेदी, ललिता शर्मा, राजकुमार कश्यप, उमाशंकर सिंह, कमलकांत पांडेय, मेखला मसीह, अनूप कुजूर, रामनिवास फौजी, अशोक सिंह, सरपंच नरेंद्र मरावी, अरुण साहू, राकेश जायसवाल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। बाल कैबिनेट की प्रधानमंत्री परमेश्वरी साहू, सोमेश्वर पटेल, शिक्षा मंत्री नंदनी निषाद सहित अन्य बच्चों और प्राथमिक शाला सेमरसल के विद्यार्थियों ने भी न्योता भोज के व्यंजनों का आनंद लिया। पालकों ने इस अनोखी पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों में संस्कार, अनुशासन और आपसी सहयोग की भावना को और मजबूत करते हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष

अगले 5 साल में बस्तर संभाग...

और जो नक्सलवाद के कारण घायल हुए हैं, उनके लिए एक बहुत आकर्षक पुनर्वसन योजना भी हम लाएंगे। गृह मंत्री ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि नक्सलवाद समाप्त हो क्योंकि नक्सलवादी इस क्षेत्र के विकास पर नाग बनकर फन फैलाए बैठे हैं। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद समाप्त होने के साथ ही इस क्षेत्र में विकास की एक नई शुरूआत होगी और प्रधानमंत्री मोदी जी और विष्णुदेव जी के नेतृत्व में यह सबसे विकसित क्षेत्र बनेगा। अमित शाह ने कहा कि बस्तर ओलंपिक-2025 में सात ज़िलों की सात टीमें और एक टीम आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों की थी। उन्होंने कहा कि जब 700 से अधिक सरेंडर्ड नक्सलियों ने इन खेलों में भाग लिया तो यह देखकर बहुत अच्छा लगा। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद से किसी का भला नहीं होता, न हथियार उठाने वाले लोगों का, न आदिवासियों और न सुरक्षाबलों का भला होता है। अमित शाह ने कहा कि हाल ही में छत्तीसगढ़ सरकार ने आधुनिक रिकॉर्डिंग स्टूडियो बनाकर यहां के पारंपरिक गीतों को सहेजने का काम किया है। उन्होंने कहा कि ऐसे कई परंपरागत उत्सव और त्योहार जो नक्सलवाद के लाल आतंक के साए में समाप्त होने की कगार पर थे, उन्हें भी आगे बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि आज जिन खिलाड़ियों ने बस्तर ओलंपिक में भाग लिया है, उनकी प्रतिभा को पहचानने के लिए स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अधिकारियों की एक टीम यहां आई है। शाह ने कहा कि इन खिलाड़ियों की प्रतिभा को पहचानकर आने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स और ओलंपिक खेलों में बस्तर के खिलाड़ी खेलें, वहां तक ले जाने की व्यवस्था हमारी सरकार ने की है। शाह ने कहा कि पिछले वर्ष बस्तर ओलंपिक में 1 लाख 65 हज़ार खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था, जबकि इस वर्ष 3 लाख 91 हज़ार खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया है, जो लगभग ढाई गुना की वृद्धि है और बहनों की प्रतिभागिता में लगभग तीन गुना वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि यह उत्साह देखकर आने वाले दिनों में प्रधानमंत्री मोदी जी ने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के लिए छत्तीसगढ़ को चुना है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि बस्तर अब बदल रहा है और बस्तर अब भय नहीं भविष्य का पर्याय बन चुका है, जहां गोलियों की गूंज सुनाई देती थी, वहां आज स्कूल की घंटियां बज रही हैं। जहां सड़क बनाना एक सपना था, वहां आज रेलवे ट्रैक और राजमार्ग बिछाए जा रहे हैं, जहां लाल सलाम के नारे लगते थे, वहां आज भारत माता की जय के नारे लगते हैं। उन्होंने कहा कि हम सब विकसित बस्तर के लिए कृत संकल्पित हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार और छत्तीसगढ़ सरकार ने मुठभेड़ों में नक्सलियों को मारने का लक्ष्य नही रखा था, क्योंकि 2000 से अधिक नक्सली युवाओं ने सरेंडर भी किया है। उन्होंने कहा कि हमारे आदिवासी समाज के प्रमुखों ने इसमें बहुत बड़ा योगदान दिया है, उनके मार्गदर्शन ने नक्सली युवाओं को ढांढस भी बंधाया है और हिम्मत भी दी है। गृह मंत्री ने समाज के प्रमुखों और समाजसेवकों से अपील करते हुए कहा कि जो लोग आज भी हथियार लेकर घूम रहे हैं, वे उन्हें समझाकर समाज की मुख्यधारा वापिस में लाने का काम करें।

10 लाख के इनामी ...

सीएनएम और सिविल ड्रेस संगठन में कार्य किया। वर्ष 2021 से वह सीनापाली एरिया कमेटी सदस्य के रूप में गरियाबंद-नुआपाड़ा सीमावर्ती क्षेत्र में सक्रिय थी और कई चर्चित मुठभेड़ों में शामिल रही। दोनों नक्सलियों ने बताया कि शासन की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के तहत मिलने वाली आर्थिक सहायता, आवास, स्वास्थ्य सुविधा और रोजगार योजनाओं से वे प्रभावित हुए। पहले आत्मसमर्पण कर चुके साथियों के सुरक्षित और सामान्य जीवन को देखकर उन्होंने भी समाज की मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया।

इस आत्मसमर्पण में गरियाबंद पुलिस के साथ ई-30, सीएएफ 19वीं बटालियन (इको कंपनी), 207 कोबरा तथा 65/211 बटालियन सीआरपीएफ की अहम भूमिका रही। गरियाबंद पुलिस ने जिले में सक्रिय अन्य नक्सलियों से भी अपील की है कि वे हिंसा का मार्ग छोड़कर किसी भी थाना, चौकी या सुरक्षा कैंप में आत्मसमर्पण करें और शासन की पुनर्वास योजनाओं का लाभ उठाकर सम्मानजनक जीवन जिएं। आत्मसमर्पण हेतु संपर्क-नक्सल सेल गरियाबंद = 94792-27805।

मेसी के कार्यक्रम में ...

के बावजूद, भीड़ हवाई अड्डे के परिधि और हयात रीजेंसी होटल के पास जमा हो गई। मेसी को इस होटल में ठहराया गया था।

70 फीट की प्रतिमा का अनावरण किया

2022 फीफा विश्व कप विजेता अर्जेंटीना की टीम का हिस्सा रहे लियोनेल मेसी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के प्रवेश द्वार पर दुनिया की सबसे ऊंची 70 फीट की लोहे की अपनी फुटबॉलर प्रतिमा का अनावरण किया। यह प्रतिमा, 2022 फीफा विश्व कप पकड़े हुए मेसी की एक तस्वीर की प्रतिकृति है, जिसे कारीगर मिंटू पाल ने 40 दिनों में पूरा किया था। पश्चिम बंगाल के अग्निशमन विभाग के मंत्री सुजीत बोस ने दावा किया कि यह खड़ी प्रतिमा दुनिया में किसी भी फुटबॉलर की सबसे ऊंची प्रतिमा है।

जमीन विवाद में भड़का खूनी संघर्ष, बुजुर्ग की मौत

कई गंभीर घायल

मुंगेली 13 दिसम्बर (देशबन्धु)। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नेवासपुर में गुरुवार को जमीन संबंधी पुराने विवाद ने ऐसा उग्र रूप ले लिया कि मामला देखते ही देखते खूनी संघर्ष में बदल गया। वर्षों से धान की फसल को लेकर चल रहा विवाद अचानक भड़क उठा और दोनों पक्ष आपस में भिड़ गए। लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से हुए हमले में कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि एक बुजुर्ग जनक सोनकर ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है और गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है।

फसल कटाई को लेकर बढ़ा विवाद

कोतवाली पुलिस में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार, परमहंस वार्ड निवासी एक युवक ने शिकायत में कहा कि गुरुवार दोपहर लगभग 3.30 बजे गेंदलाल सोनकर ने सूचना दी कि नेवासपुर स्थित खेत में उनकी धान की फसल को झम्मन सप्रे और उसके परिजन अवैध रूप से कटवा रहे हैं। यह सुनते ही वह अपने भाई अजीत सोनकर, रिश्तेदार निखिल सोनकर, अपनी मां पूर्णिमा सोनकर और दादा जनक सोनकर के साथ तत्काल खेत पहुंचा। पीड़ित पक्ष के अनुसार, लगभग 3.45 बजे जब उन्होंने फसल कटाई रोकने को कहा तो वहां मौजूद सभी आरोपियों ने मिलकर गाली-गलौज शुरू कर दी और विवाद को आगे बढ़ाते हुए हमला कर दिया।

लाठी-डंडे और टांगी से किया गया हमला

प्रार्थी की रिपोर्ट में वर्णन है कि- विमल सप्रे ने डंडे से अजीत सोनकर पर वार किया।, बीच बचाव करने पर झम्मन सप्रे ने अपने पास रखी लोहे की टांगी से, पूर्णिमा सोनकर तथा जनक सोनकर पर वार कर गंभीर चोट पहुंचाई। दूजराम ने रोहित सोनकर को डंडे और हाथ-मुक्कों से पीटा। द्वारिका ने प्रार्थी पर डंडे और मुक्कों से हमला कर जान से मारने की धमकी दी।

हमले में पीड़ित युवक के दोनों पैरों और दाहिने हाथ में चोटें आईं। उसकी मां पूर्णिमा सोनकर को सिर और पैर में गंभीर घाव हुए, जबकि पिता रोहित सोनकर के सिर से खून बहने लगा। सबसे ज्यादा गंभीर चोट बुजुर्ग जनक सोनकर को आई, जिनके दोनों पैरों में गहरे घाव बने और अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। सभी घायलों को तत्काल जिला अस्पताल लाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। कुछ घायलों की हालत चिंताजनक बताई जा रही है, जिनका उपचार चिकित्सकों की विशेष निगरानी में किया जा रहा है।

मामले पर जानकारी देते हुए एसडीओपी मयंक तिवारी ने बताया कि घटना बेहद गंभीर और संवेदनशील है। दोनों पक्षों की शिकायतों के आधार पर कोतवाली पुलिस ने बीएनएस 2023 की धारा 296, 115(2), 351(3), 3/5 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है। मृतक जनक सोनकर के मामले में मर्ग भी कायम कर लिया गया है।

एसडीओपी ने कहा कि, पुलिस ने विवेचना शुरू कर दी है। दोषियों पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। कानून हाथ में लेने वालों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा।

एक ही परिवार के कई सदस्यों पर हमले और बुजुर्ग की मौत से नेवासपुर गांव में शोक और तनाव का माहौल है। मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए जाएं।

न्यायालय तहसीलदार भिंभौरी, जिला-बेमेतरा (छ.ग.)
वर्ष - 2025-26

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण ग्राम सिंगारडीह को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ राज्य में स्थापनाधीन फूडपार्कों हेतु उद्योग विभाग को हस्तांतरित शासकीय भूमि खसरा नं. 97/2, रकबा 16.00 हे. ग्राम सिंगारडीह प.ह.नं. 14, तहसील भिंभौरी, जिला बेमेतरा को महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र जिला बेमेतरा द्वारा छ.ग. शासन, वाणिज्य एवं उद्योग विभाग, मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर का पत्र कमांक एफ 20-101/2018/11/(6) दिनांक 31.07.2024 में दिये गये निर्देशानुसार हस्तांतरित भूमि में वर्णित प्रयोजन 'फूडपार्क की स्थापना' के स्थान पर 'फूडपार्क एवं अन्य औद्योगिक प्रयोजन' संशोधित करने कार्यालय कलेक्टर जिला बेमेतरा का पत्र कं./4088/ प्र. कले/2025/बेमेतरा, दिनांक 21/11/2025 एवं कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) बेरला का पत्र कं. / 3196/अ.वि.अ./2025/ बेरला, दिनांक 11.12.2025 द्वारा स्पष्ट अभिमत सहित प्रतिवेदन प्रस्तुत किये जाने हेतु पत्र प्राप्त हुआ है।

इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा प्रस्तुत करना हो वह दिनांक 26/12/2025 को / पूर्व स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से अधोहस्ताक्षरकर्ता न्यायालय में उपस्थित होकर दावा पेश कर सकते है, नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 11/12/25 को जारी किया जाता है।

दिनांक 11/12/2025 — तहसीलदार भिंभौरी, जिला-बेमेतरा

कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छत्तीसगढ़)

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

क्र. / निर्माण/ 2025 — दिनांक 03.12.2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु (Online) आनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू.लाख में)	निविदा डालने की अंतिम तिथि
1	वार्ड क्र.50 दर्री एच.टी.पी.एस. कॉलोनी स्थित जनता युनियन कार्यालय के पास अतिरिक्त कक्ष शौचालय सहित निर्माण (जि.ख.न्या.मद) (तृतीय निविदा	10.00	22.12.2025 (T.No. 181139)

उपरोक्त कार्यों की निविदा की जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है, साथ ही निगम के वेब साईट www.korbamunicipal.in पर भी देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम
कोरबा (छत्तीसगढ़)

॥ स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें ॥

निधन

अब्दूल रब अंसारी

तखतपुर। वार्ड 06 निवासी अब्दुल रब अंसारी 70 वर्ष का 13 दिसम्बर को निधन हो गया। वे अब्दुल कलाम अंसारी, पार्षद इस्लाम अंसारी, एजाज अंसारी, नियाज़ अंसारी के पिता थे। इनका अंतिम संस्कार स्थानीय कब्रिस्तान में किया गया।

निधन

श्रीमती गुलाब देवी गुप्ता

तखतपुर। वार्ड 6 निवासी श्रीमती गुलाबा देवी गुप्ता 82 वर्ष का 13 दिसंबर को निधन हो गया। वे चन्द्रभान गुप्ता, प्रकाश गुप्ता, राकेश गुप्ता, कैलाश गुप्ता की माता एवं आकाश गुप्ता, संकेत गुप्ता, भोलू गुप्ता की दादी थी। इनका अंतिम संस्थानीय मुक्तिधाम में किया गया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

शुद्धिपत्र

संदर्भः 1. ई-टेंडर नोटिन नं.: एन.आई.टी./14/25/53, तिथिः 25/11/2025, 2. सीपीआर/10/501

उपरोक्त विषयान्तर्गत कथन है कि **निविदा संख्याः 05255381**, जो कि निविदा बंद होने के दिनांक 11.12.2025 है, जो कि विभिन्न समाचार पत्रों में प्रेस अधिसूचना प्रकाशित की गयी थी, जिसमें निविदा बंद दिनांक 11.12.2025 है, जिसे सुधार कर अब दिनांक 23.12.2025 पढ़ा जाए।

सहायक सामग्री प्रबंधक-///
सीपीआर/10/548 द.पू.मध्य रेलवे, बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

सुरेन्द्र सिंह गुर्जर सदस्य मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण बैहर, जिला-बालाघाट (म.प्र.)

आदेश 5 नियम 20 व्यवहार संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु

MACC/0000026/2022

जयशंकर जायसवाल .... वादी
अनिमेश बाकेर .... प्रतिवादी

Process ID- 2025
पेशी दिनांक 10.01.2025

प्रेषिती:-
(1) विरेन कुमार चतुर्वेदी पिता संतराम चतुर्वेदी पता-निवासी अलखनंदा विहार सी एस ई बी दर्जी कोरबा जिला कोरबा छ.ग. (2) अनिमेश बाकरे पिता विनय बाकरे पता-निवासी ब्रहस्पति बाजार, अरेरा बेकरी के पास, तिलक नगर, वार्ड नं. 21, थाना सिविल लाईन, जिला बिलासपुर छ.ग.

यह कि प्रार्थी जयशंकर जायसवाल पिता दयाशंकर जायसवाल, निवासी वार्ड नंबर 08 बैहर, तहसील बैहर, जिला बालाघाट ने आप विरेन कुमार चतुर्वेदी पिता संतराम चतुर्वेदी, निवासी अलखनन्दा विहार, सी.एस.ई.बी. दर्जी कोरबा, जिला कोरबा छ.ग. एवं अनिमेश बाकरे पिता विनय बाकरे, निवासी ब्रहस्पति बाजार, अरेरा बेकरी के पास, तिलक नगर, वार्ड नं. 21, थाना सिविल लाईन, जिला बिलासपुर छ.ग. के विरूद्ध आवेदक को अनावेदकगण से 800000/- आठ लाख रुपये क्षतिपूर्ति राशि दिलाये जाने एवं क्षतिपूर्ति राशि पर आवेदन प्रस्तुति दिनांक से अदायगी दिनांक तक 12 प्रतिशत वार्षिक दर से ब्याज दिलाये जाने हेतु आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 166 मोटर यान अधिनियम 1988 के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात / हाजिर होने के लये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीख 29 नवंबर 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

मुहर

(सुरेन्द्र सिंह गर्जर)
सदस्य, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण
बैहर, जिला-बालाघाट (म.प्र.)

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

इंजीनियरिंग कार्य हेतु ई-निविदा सूचना

क्र.संख्या (1) ई-निविदा संख्याः डीआरएम-इंजी.-बीएसपी-टी-164-25-26, दिनांकः 09.12.2025.
कार्यः बिलासपुर संभाग के सहायक मंडल अभियंता/मनेंद्रगढ़ के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत अंबिकापुर स्टेशन पर 6 मीटर चौड़े फुट ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य। **निविदा मूल्यः** ₹6,55,14,230/-. **अमानत राशिः** ₹4,77,600/-. **कार्य पूर्णता की अवधिः** 09 माह।

क्र.संख्या (2) ई-निविदा संख्याः डीआरएम-इंजी.-बीएसपी-टी-165-25-26, दिनांकः 09.12.2025.
कार्यः बिलासपुर संभाग के वरिष्ठ मंडल अभियंता/उत्तर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत RDSO द्वारा अनुमोदित एल्युमिनो थर्मिक वेल्डिंग द्वारा वेल्डिंग पोर्शन का सप्लाई और रेल जॉइंट्स की वेल्डिंग का कार्य। **निविदा मूल्यः** ₹91,03,872/-. **अमानत राशिः** ₹1,82,100/-. **कार्य पूर्णता की अवधिः** 12 माह।

निविदा जमा करने की आरंभ तिथिः 17.12.2025 से। **निविदा जमा करने की अंतिम तिथिः 31.12.2025 के 11.00** बजे तक।

उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-टेन्डर के अलावा अन्य निविदा स्वीकार नही की जाएगी।

मंडल रेलवे प्रबंधक(अभियंता)/
सीपीआर/10/543 द.पू.म.रे.,बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, DEELIP KESHWANI S/O KANHAIYA LAL KESHWANI resident of H.NO.-51, WARD NO.-47, JABDA PARA SARKANDA, BILASPUR (C.G.) have changed my old name DEELIP KESHWANI S/O KANHAIYA LAL KESHWANI so in future I should be recognized by my new name that is DILIP KESHWANI S/O KANHAIYA LAL KESHWANI in all Government and other documents.

DILIP KESHWANI
H.NO.-51, WARD NO.-47,
JABDA PARA SARKANDA,
BILASPUR (C.G)

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, SURESH AGRAWAL S/O SAGAR MAL AGRAWAL resident of MAKAN NO. 35, WARD NO. 4, RAIGARH ROAD, SARANGARH, RAIGARH (C.G.) 496445 have changed my old name SURESH AGRAWAL S/O SAGAR MAL AGRAWAL so in future I should be recognized by my new name that is SURESH KUMAR KEJRIWAL S/O SAGAR MAL AGRAWAL in all Government and other documents.

SURESH KUMAR KEJRIWAL
MAKAN NO. 35, WARD NO. 4,
RAIGARH ROAD,
SARANGARH, RAIGARH
(C.G.) 496445

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, DILIP KUMAR AGRAWAL S/O SURESH KUMAR KEJRIWAL resident of HOUSE NO. 4/85, RAIGARH ROAD, SARANGARH BILAIGARH, WARD NO. 04, SARANGARH, PO. SARANGARH DIST RAIGARH (C.G.) 496445 have changed my old name DILIP KUMAR AGRAWAL S/O SURESH KUMAR KEJRIWAL so in future I should be recognized by my new name that is DILIP KUMAR KEJRIWAL S/O SURESH KUMAR KEJRIWAL in all Government and other documents.

DILIP KUMAR KEJRIWAL
HOUSE NO. 4/85, RAIGARH
ROAD, SARANGARH BILAIGARH,
WARD NO. 04, SARANGARH, PO.
SARANGARH DIST RAIGARH
(C.G.) 496445

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, NEELAM AGRAWAL W/O DILIP KUMAR KEJRIWAL resident of HOUSE NO. 4/85, RAIGARH ROAD, SARANGARH BILAIGARH, WARD NO. 04, SARANGARH, PO. SARANGARH DIST RAIGARH (C.G.) 496445 have changed my old name NEELAM AGRAWAL W/O DILIP KUMAR KEJRIWAL so in future I should be recognized by my new name that is NEELAM KEJRIWAL W/O DILIP KUMAR KEJRIWAL in all Government and other documents.

NEELAM KEJRIWAL
HOUSE NO. 4/85, RAIGARH
ROAD, SARANGARH BILAIGARH,
WARD NO. 04, SARANGARH, PO.
SARANGARH DIST RAIGARH
(C.G.) 496445

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं पुराना नाम चमरू (CHAMRU) पिता तिलकराम (TILAKRAM) अपना पुराना नाम को बदलकर नया नाम कलाराम चमरू (KALARAM CHAMRU) पिता तिलकराम (TILAKRAM) निवासी पौसरा बिलासपुर (छ.ग.) 495009 रख लिया हूं। अतः अब मुझे भविष्य में समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में नया नाम कलाराम चमरू (KALARAM CHAMRU) पिता तिलकराम (TILAKRAM) से जाना एवं पहचाना जाय।

कलाराम चमरू
(KALARAM CHAMRU)
पौसरा, बिलासपुर (छ.ग.)
495009

न्यायालय नायब तहसीलदार सकरी जिला-बिलासपुर (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.प्र.क्र.../ अ-6-अ/ 2025-26
ग्राम अमेरी तहसील-सकरी,
जिला-बिलासपुर (छ.ग.)

एतद् द्वारा सर्व साधारण जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक अजय सिंह ठाकुर पिता स्व. डी.एस.ठाकुर निवासी बिलासपुर के द्वारा ग्राम अमेरी, प.ह.नं. 43, तहसील सकरी, जिला बिलासपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 22/2 रकबा 0.0090 हेक्टेयर भूमि आवेदक के स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि है, परंतु वर्तमान ऑनलाईन अभिलेख में नाम.... पिता ....प्रदर्शित हो रहा है जो कि त्रुटिपूर्ण है, जिसे सुधार किये जाने हेतु आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा. संहिता 1959 की धारा 115 के अधीन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/ आपत्ति हो तो वह अपना दावा/ आपत्ति स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय में नियत पेशी दिनांक 15/12/2025 तक प्रस्तुत कर सकते हैं।

आज दिनांक 21/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर की सील व मुहर से जारी किया गया।

सील

नायब तहसीलदार
सकरी

देश

उवाच “ पंडित नेहरू ने देश की जम्हूरियत को मजबूत किया। उनके कारण ही एक चाय वाला भी देश का प्रधानमंत्री बन सका। नेहरू और कांग्रेस को कोसकर भाजपा अपना डर और भय छिपाना चाहती है। समय आने पर जनता इसका पूरा जवाब देगी।

–राजेश ठाकुर, कांग्रेस नेता

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	25.0	12.0
मुंबई	33.0	21.0
कोलकाता	22.0	15.0
चेन्नई	27.0	22.0

आतंक के विरोध में हमेशा दृढ़ता से खड़ा रहा भारत : ओम बिरला

संसद पर हुए आतंकवादी हमले की बरसी पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर (देशबन्धु)। शनिवार को भारत ने 2001 में संसद पर हुए आतंकवादी हमले की बरसी पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि वर्ष 2001 में भारत की संसद पर हुए कायराना आतंकी हमले में वीरगति को प्राप्त होने वाले हमारे साहसी सुरक्षाकर्मियों और कर्मठ कर्मचारियों के सर्वोच्च बलिदान को कोटि-कोटि नमन। लोकतंत्र की इस सर्वोच्च संस्था की रक्षा करते हुए जिन्होंने अपने प्राण न्योछावर कर दिए, उनके प्रति हम कृतज्ञ हैं। देश के प्रति उनकी अद्वितीय निष्ठा हमें निरंतर प्रेरणा देती है। उन अमर वीरों ने जिस वीरता से आतंकवादियों का सामना किया, वह कर्तव्यपालन के साथ ही लोकतांत्रिक मूल्यों व राष्ट्र रक्षा के प्रति भारत की अदम्य इच्छा शक्ति का प्रतीक है। भारत आतंकवाद के विरोध में हमेशा दृढ़ता से खड़ा रहा है। राष्ट्र की एकता, अखंडता, सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा के लिए हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता केवल औपचारिक घोषणा नहीं, बल्कि एक सशक्त संदेश है कि भारत किसी भी प्रकार की आतंकवादी मंशा के सामने कभी झुकेगा नहीं। यह अतुलनीय बलिदान हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए साहस, त्याग और कर्तव्यनिष्ठा का प्रेरणास्रोत बना रहेगा।

2001 में भारत की संसद पर हुए आतंकी हमले को बताया कायराना

लोकतंत्र की इस सर्वोच्च संस्था की रक्षा करते हुए जिन्होंने अपने प्राण न्योछावर कर दिए उनके प्रति हम कृतज्ञ हैं : ओम बिरला

शनिवार को भारत ने 2001 में संसद पर हुए आतंकवादी हमले की बरसी पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। देश की सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्था की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले बहादुर सुरक्षाकर्मियों और कर्मचारियों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई।

लोकसभा के महासचिव उत्पल कुमार सिंह, राज्यसभा के महासचिव, पी.सी.मोदी और शहीदों के परिजनों ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की। 13 दिसम्बर 2001 को, राज्यसभा सचिवालय के सुरक्षा सहायक जगदीश प्रसाद यादव और मातबर सिंह नेगी, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की कांस्टेबल, कमलेश कुमारी, दिल्ली पुलिस के सहायक उप-निरीक्षक, नानक चंद और रामपाल, दिल्ली पुलिस के हेड कांस्टेबल, ओम प्रकाश, बिजेंदर सिंह और घनश्याम तथा केंद्रीय लोक निर्माण विभाग के माली, देशराज, संसद पर हुए आतंकवादी हमले को विफल करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए थे। कृतज्ञ राष्ट्र ने उनकी अनुकरणीय बहादुरी के लिए, जगदीश प्रसाद यादव, मतबर सिंह नेगी और कमलेश कुमारी को मरणोपरांत अशोक चक्र से सम्मानित किया गया था।

आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता का लिया संकल्प

नई दिल्ली। संसद पर वर्ष 2001 में किए गए आतंकवादी हमले की 24 वीं बरसी पर शनिवार को देश के शीर्ष नेतृत्व ने इस हमले का मुकाबला करते हुए प्राण न्योच्छावर करने वाले सुरक्षाकर्मियों को श्रद्धापूर्वक नमन किया और आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता का संकल्प लिया। उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन ने संसद भवन परिसर में शहीदों को नमन किया। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने अपने संदेश में कहा कि मैं देश के साथ मिलकर उन बहादुर सुरक्षाकर्मियों को श्रद्धापूर्वक नमन करता हूं, जिन्होंने हमारी संसद की पवित्रता की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। उनका अटूट साहस और सर्वोच्च बलिदान आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर खड़े रहने के हमारे राष्ट्र के संकल्प की एक स्थायी याद दिलाता है।

दो हजार किमी लंबी नौसेना प्रोत्साहन यात्रा समाप्त

चेन्नई, 13 दिसम्बर (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना की नौ दिनों की प्रोत्साहन यात्रा 2,000 किमी से अधिक की दूरी तय करके चेन्नई में आईएनएस अड्यार लौट आई। छह महिंद्रा थार गाड़ियों में सवार होकर बहादुर अधिकारी, नाविक और उनके परिवार के सदस्यों ने तमिलनाडु और पुदेचेरी की यात्रा की और देशभक्ति, अवसर और जिम्मेदारी का एक ऐसा संदेश फैलाया जो हर भारतीय के दिल को छूता है। गत 4 दिसम्बर को निकला यह काफिला चेन्नई, वेल्लोर, कृष्णागिरी, कोयंबटूर, कोडाइकनाल, तिरुनेलवेली, कन्याकुमारी, रामेश्वरम, तिरुचिरापल्ली और पुदुचेरी की सड़कों पर चला और फिर शान से बेस पर लौटा। रक्षा मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि हर मील के साथ वे भारतीय नौसेना का गौरव और देश के युवाओं के लिए एक संदेश लेकर चल रहे थे। मिशन इंस्पायर, कनेक्ट, एम्पावर के साथ यह रैली सिर्फ एक ड्राइव नहीं थी एक आंदोलन था। भारत की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा में नौसेना की महत्वपूर्ण भूमिका को इस यात्रा ने उजागर किया और टीम ने ऑपरेशन सिंदूर जैसी जीतों को याद करते हुए सीधे दिल से जुड़ने पर ध्यान केंद्रित किया। टीम ने शैक्षिक आउटरीच के हिस्से के रूप में आठ संस्थानों का दौरा किया, जिससे 5,000-6,000 छात्रों और राष्ट्रीय कैडेट कोर के जीवन को छुआ। उन्होंने एक मजबूत भारत के लिए मुख्य संदेश भी साझा किया अपने लक्ष्यों पर टिके रहें और नशीली दवाओं के दुरुपयोग को रोकें। अपनी संस्कृति को संजोएं और सोशल मीडिया का समझदारी से इस्तेमाल करें तथा नशामुक्त भारत के लिए एकजुट हों एवं ऑनलाइन सट्टेबाजी को अस्वीकार करें।

आतंकी पीड़ितों के परिवारों को सम्मान देने को प्रशासन प्रतिबद्ध : मनोज सिन्हा

उपराज्यपाल ने आतंकी हमलों के शिकार परिवारों को दिए नियुक्ति पत्र

श्रीनगर, 13 दिसम्बर (एजेंसियां)। जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को श्रीनगर के लोक भवन में आतंकी हमलों के पीड़ितों के परिवारजनों को नियुक्ति पत्र दिए। उपराज्यपाल ने कहा कि प्रशासन आतंकी पीड़ितों के परिवारों को नौकरी, न्याय और सम्मान देने के लिए प्रतिबद्ध है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर लिखा, ‘आज कश्मीर डिवीजन के आतंकी पीड़ितों के परिजनों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए। इन परिवारों के लिए आज न्याय का लंबा इंतजार खत्म हो गया है।

पुनर्वास के लिए ठोस कदम उठाकर, हमने उनकी गरिमा और सिस्टम में उनके विश्वास को बहाल किया है। उन्होंने आगे लिखा कि लंबे समय तक सिस्टम ने इन परिवारों के दर्द और सदमे को नजरअंदाज किया। आतंकवाद के असली पीड़ितों और सच्चे शहीदों को आतंकी इकोसिस्टम के तत्वों द्वारा परेशान किया गया। आतंकी पीड़ितों के परिजनों को अपने हाल पर छोड़ दिया गया। कई पीढ़ियों से, सिस्टम इन पीड़ितों को उनके मामलों को वह प्राथमिकता न देकर नाकाम रहा था, जिसके वे हकदार थे। हम पीड़ितों की आवाज को मजबूत कर रहे हैं और यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि उन्हें उनके हक और अधिकार मिलें। हम अपराधियों को जल्द और निष्पक्ष न्याय दिलाने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि आज

कश्मीर डिवीजन के 39 परिवारों को नियुक्ति पत्र मिले, जबकि जम्मू में पहले ऐसे 41 परिवारों को पत्र दिए गए थे। हाल ही में नौगाम विस्फोट से प्रभावित नौ परिवारों को भी शुक्रवार शाम को नौकरी के पत्र दिए गए। उन्होंने कहा कि इस साल अब तक 200 से ज्यादा परिवार वालों को सरकारी नौकरी दी गई है। मैं कई ऐसे परिवारों से मिला हूं जिन्होंने आतंकवाद में अपने प्रियजनों को खो दिया और सालों तक चुपचाप संघर्ष करते रहे। उनमें से एक ने मुझे बताया कि उनका घर नष्ट होने के बाद उनकी मां को उन्हें पालने के लिए भीख मांगनी पड़ी।

कई बच्चे बिना माता-पिता के बड़े हुए, फिर भी कोई उनकी मदद के लिए आगे नहीं आया। अपनी सरकार के संकल्प को दोहराते हुए सिन्हा ने कहा कि प्रशासन जम्मू और कश्मीर को आतंकवाद और उसके इकोसिस्टम से पूरी तरह आजाद कराने के लिए दृढ़ है।

सार संक्षेप

कश्मीर में जमीन धोखाधड़ी मामले में आरोप पत्र दर्ज

श्रीनगर। कश्मीर पुलिस ने जमीन बिक्री के धोखाधड़ी मामले में श्रीनगर के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में आरोपपत्र दायर किया है, जिसमें श्रीनगर के चार निवासियों को धोखाधड़ी और आपराधिक साज़िश में कथित भूमिका के लिए नामज़द आरोपी बनाया है। पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई के अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि आरोपपत्र इसी साल दर्ज प्राथमिकी के आधार पर तारिक अहमद हाजम, गुलाम हसन मीर, मोहम्मद सुल्तान मीर उर्फ सुल्ला और अब्दुल रजाक मीर के खिलाफ दायर किया गया।

उन्नाव में डंपर-ऑटो की टक्कर में तीन की मौत

उन्नाव। उत्तर प्रदेश में उन्नाव जिले के अजगैन क्षेत्र में शनिवार को तेज रफ्तार डंपर की चपेट में आने से ऑटो-रिक्शा सवार तीन लोगों की मौत हो गई जबकि चार अन्य गंभीर रुप से घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि मकुर गांव में एक पेट्रोल पंप के पास तेज रफ्तार डंपर अचानक बेकाबू होकर सामने से आ रहे ऑटो से टकरा गया। इस हादसे में ऑटो रिक्शा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार सभी सात लोग अंदर फंस गए। क्षेत्रीय लोगों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी।

मणिपुर में हथियारों का जखीरा बरामद

इम्फाल। मणिपुर पुलिस ने शुक्रवार को चुराचांदपुर ज़िले के खुगा डैम क्षेत्र में एक तलाशी अभियान के दौरान हथियार, विस्फोटक और अन्य सामग्रियों का जखीरा बरामद किया। इनमें एक स्थानीय रूप से निर्मित .33 राइफल, तीन पिस्तौल मैगज़ीन, एक 51 मिमी मोर्टार स्मोक बम, एक स्टन ग्रेनेड और एक तात्कालिक मोर्टार (पम्पी) शामिल है। पुलिस ने चार विस्फोटक उपकरण (आईईडी), विभिन्न कैलिबर के 12 राउंड गोला-बारूद, दो गोला-बारूद क्लिप और एक 12-बोर के लिए एक कारतूस बेल्ट भी जब्त किया।

झारखंड में बैलेट पेपर से होंगे नगर निकाय चुनाव

रांची। झारखंड में नगर निकाय चुनाव पहली बार बैलेट पेपर के जरिए कराए जाएंगे। राज्य निर्वाचन आयोग ने आगामी नगर निकाय चुनाव को लेकर यह अहम निर्णय लिया है। अब तक राज्य में जब भी नगर निकाय चुनाव हुए हैं, उनमें ईवीएम का ही इस्तेमाल किया जाता रहा है। बैलेट पेपर से मतदान होने के कारण चुनाव प्रक्रिया अपेक्षाकृत अधिक जटिल होगी व मतदान से लेकर मतगणना तक निर्वाचनकर्मियों को अतिरिक्त सावधानी और मेहनत करनी पड़ेगी। राज्य निर्वाचन आयोग ने फैसला ईवीएम की अनुपलब्धता के कारण लिया है। आयोग के पास उपलब्ध ईवीएम की आयु पूरी हो चुकी है।

कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस की महत्वपूर्ण भूमिका : नीतीश कुमार

प्रशिक्षु पुलिस अवर निरीक्षक के दीक्षांत परेड समारोह में की शिरकत

राजगीर, 13 दिसम्बर (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शनिवार को नालंदा जिला स्थित बिहार पुलिस अकादमी, राजगीर में प्रशिक्षु पुलिस अवर निरीक्षक के दीक्षांत परेड समारोह में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने खुली जीप में सवार होकर दीक्षांत परेड का निरीक्षण किया और सलामी ली। साथ ही प्रशिक्षु पुलिस अवर निरीक्षकों का उत्साहवर्धन किया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि समाज में कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि आप सभी अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी, संवेदनशीलता और अनुशासन के साथ करेंगे। मुख्यमंत्री ने प्रशिक्षण के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षु पुलिस अवर निरीक्षकों को पुरस्कृत किया। दीक्षांत परेड कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षु पुलिस अवर निरीक्षकों को शपथ दिलाई गई। ध्वजरोही वाहकों ने राष्ट्रीय ध्वज और अकादमी ध्वज को लेकर परेड में प्रदर्शन किया। प्रशिक्षु पुलिस अवर निरीक्षकों ने बेहतर परेड का प्रदर्शन कर लोगों का मन जीत लिया। दीक्षांत परेड कार्यक्रम के पूर्व मुख्यमंत्री ने बिहार पुलिस अकादमी का जायजा लिया। बताया गया कि राज्य सरकार द्वारा अकादमी के विस्तार के लिए अकादमी परिसर से सटे 22 एकड़ अतिरिक्त भूमि अधिग्रहण की स्वीकृति दी गई है।

महाराष्ट्र में बच्चों के लापता व अपहरण के मामले चिंताजनक : अंबादास दानवे

विपक्ष ने अपराधों के आंकड़ों की बढ़ोतरी पर जताई चिंता

मुंबई, 13 दिसम्बर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में बच्चों के लापता और अपहरण के मामलों पर विपक्ष हमलावर है। इस बीच शिवसेना (यूबीटी) नेता अंबादास दानवे ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करके ऐसे अपराधों के आंकड़ों की बढ़ोतरी पर चिंता जताई है। शिवसेना (यूबीटी) नेता अंबादास दानवे ने कहा कि महाराष्ट्र में लापता होने वाले बच्चों की संख्या चिंताजनक रूप से बहुत ज्यादा है। बच्चों को अक्सर स्कूल या ट्यूशन क्लास जाते समय निशाना बनाया जाता है। उन्हें अलग-अलग तरीकों से बहला-फुसलाकर किडनैप कर लिया जाता है।

इसी तरह, महाराष्ट्र में बड़ी संख्या में महिलाएं, खासकर 15-25 साल की उम्र की, लापता हो रही हैं। इन लापता होने की घटनाओं का पैमाना बहुत बड़ा है, और सरकार को इस मुद्दे को गंभीरता से लेना चाहिए। घुसपैठ के मुद्दे पर शिवसेना (यूबीटी) नेता ने

बच्चों को अक्सर स्कूल या ट्यूशन क्लास जाते समय बनाया जाता है निशाना : अंबादास दानव

कहा कि देश की सीमाओं की रक्षा करने की जिम्मेदारी किसकी है। वे दावा करते हैं कि बांग्लादेश से लोग, मुसलमान और रोहिंग्या बंगाल में घुस रहे हैं, लेकिन सीमा सुरक्षा की ज़िम्मेदारी सरकार की है। मेरा मानना है कि यह जिम्मेदारी केंद्र सरकार की है। मेरा मानना है कि इस मुद्दे को जनता के सामने लाना चाहिए और सच्चाई सबके सामने आनी चाहिए। वहीं महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे ने प्रदेश की बढ़ रही अपहरण और लापता होने की घटनाओं पर चिंता जताई। उन्होंने शनिवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवसी को इस विषय पर ध्यान देने की बात कही। मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर पोस्ट कर लिखा, ‘मैं मुख्यमंत्री फडणवीस का ध्यान एक बहुत ही महत्वपूर्ण और गंभीर मुद्दे की ओर दिलाना चाहता हूं। महाराष्ट्र में बच्चों के अपहरण और लापता होने की घटनाएं बढ़ रही हैं।

देश को बांटने के लिए भाजपा जिम्मेदार

सरकार पर निशाना साधते हुए अंबादास दानवे ने कहा कि देश को बांटने के लिए भाजपा जिम्मेदार है। मेरा मानना है कि देश में देशभक्ति होनी चाहिए, लेकिन सिर्फ देशभक्ति ही नहीं, विकास भी होना चाहिए। हमारा यही मानना है। उन्होंने पश्चिम बंगाल में बाबरी मस्जिद विवाद को लेकर कहा कि अब बाबरी का नाम उठाने का क्या मतलब है। देश में अब बाबरी मस्जिद नहीं है, इसलिए अब इस मुद्दे को उठाना सिर्फ राजनीतिक मकसद के लिए है। बाबरी का बंगाल से क्या लेना-देना। बाबरी उत्तर प्रदेश में थी, और अब वह है भी नहीं। तो इस संदर्भ में ममता का नाम लाने का क्या मतलब है। उन्होंने कहा कि यह राजनीति के जरिए सांप्रदायिकता फैलाने की कोशिश के अलावा कुछ नहीं है, जो भारतीय जनता पार्टी बंगाल समेत हर जगह करती रहती है। क्योंकि भाजपा में ममता बनर्जी को राजनीतिक रूप से हराने की ताकत नहीं है, इसलिए वे बाबरी जैसे मुद्दे उठाते रहते हैं और एक

अपने ही नागरिकों पर आरोप लगाना गलत : तारिक अनवर

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद तारिक अनवर ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत के बयान को गलत ठहराया है। संघ प्रमुख ने शुक्रवार को एक कार्यक्रम में कहा कि हमारे देश में अपने राष्ट्र की ही भक्ति होनी चाहिए, ‘तेरे टुकड़े हों’ की भावना देश में होनी ही नहीं चाहिए। इस पर कांग्रेस सांसद ने कहा कि हमारे देश में ऐसी कोई भावना नहीं है। कांग्रेस सांसद तारिक अनवर ने कहा कि जो लोग ऐसे झूठे आरोप लगाते हैं, उन्हें पता होना चाहिए कि यहां ऐसा कुछ नहीं हुआ है। देश का हर नागरिक अपने देश से प्यार करता है। अगर कोई बाहर से आतंक फैलाने या शांति भंग करने के इरादे से आता है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। तारिक अनवर ने आगे कहा कि मेरे विचार से अपने ही नागरिकों पर ऐसे आरोप लगाना पूरी तरह गलत है। पिछले दिनों जेएनयू में जो घटना घटी, वह बना बनाया मंसूबा था। कई खाड़ी देशों में फिल्म ‘धुरंधर’ पर बैन के बारे में कांग्रेस सांसद ने कहा कि मैंने खुद यह फिल्म नहीं देखी है, लेकिन अगर कई देशों ने इस पर बैन लगाया है, तो यह देखना चाहिए कि क्या इसमें कोई आपत्तिजनक कंटेंट है जिसकी वजह से पाकिस्तान और दूसरे देशों ने इस पर संज्ञान लिया है।

मोहन भागवत की टिप्पणी पर बोले कांग्रेस सांसद

अगर कोई बाहर से शांति भंग करने के इरादे से आता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए : तारिक अनवर

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को अंडमान और निकोबार द्वीप के विजयपुरम में सावरकर की प्रतिमा के अनावरण के अवसर पर ‘तेरे टुकड़े हों’ की भावना के बारे में बयान दिया था।

चाईबासा में एसीबी की बड़ी कार्रवाई

रांची, 13 दिसम्बर (एजेंसियां)। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के चाईबासा में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए भवन प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता अरुण कुमार सिंह को 70 हजार रुपए रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई से पूरे विभाग में हड़कंप मच गया है। एसीबी से मिली जानकारी के अनुसार, कार्यपालक अभियंता पर किसी निर्माण कार्य से संबंधित भुगतान अथवा फाइल की प्रक्रिया आगे बढ़ाने के एवज में रिश्वत मांगने का आरोप था। इस संबंध में एक शिकायत एसीबी के पास दर्ज कराई गई थी। प्रारंभिक जांच में शिकायत सही पाए जाने के बाद एसीबी ने जाल बिछाकर आरोपी को पकड़ने की योजना बनाई। तय रणनीति के तहत शनिवार को शिकायतकर्ता को रिश्वत की राशि के साथ भेजा गया। जैसे ही अभियंता ने 70 हजार की रिश्वत स्वीकार की, एसीबी की टीम ने मौके पर ही उसे रंगेहाथ पकड़ लिया। गिरफ्तारी के तुरंत बाद आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ के लिए एसीबी कार्यालय ले जाया गया।

भवन प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार

एसआईआर की प्रक्रिया में जुटे अधिकारियों पर बनाया जा रहा दबाव : रामगोपाल यादव

भाजपा पर गड़बड़ी करने की योजना बनाने का लगाया आरोप

लखनऊ, 13 दिसम्बर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता रामगोपाल यादव ने शनिवार को मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की तिथि आगे बढ़ाए जाने पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने दावा किया कि एसआईआर की प्रक्रिया में जुटे अधिकारियों पर मंत्रियों की तरफ से दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है। ऐसा करके मंत्री अपने मन मुताबिक कुछ करवाने की कोशिश कर रहे हैं, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है। मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया में संलिप्त अधिकारियों पर इस तरह का दबाव बनाया जा रहा है कि वो अब इसे आगे बढ़ाने की स्थिति में नहीं हैं। सांसद यादव ने कहा कि यहां पर डिप्टी सीएम आते हैं और दूसरे मंत्री भी आते हैं। यह लोग मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण पर बाकायदा बैठकें करते हैं। ऐसा करके यह लोग पूरी स्थिति को अपने पक्ष में करने की कोशिश कर रहे हैं और जब इस संबंध में मीडिया की तरफ से सवाल किया जाता है, तो यह लोग मौन साध लेते हैं। कहते हैं कि हम लोग तो सिर्फ पार्टी के संबंध में फैसले ले रहे हैं। कार्यकर्ताओं को कुछ निर्देश दे रहे हैं, जबकि सच्चाई यह है कि यह लोग मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर चर्चा कर रहे हैं। यह लोग कुछ गड़बड़ करने का प्लान बना रह रहे हैं, लेकिन हमारी पार्टी के कार्यकर्ता सभी बूथों पर तैनात हैं, वो कुछ भी ऐसा नहीं होने देंगे, जिससे आगे चलकर स्थिति चुनौतीपूर्ण हो। उन्होंने कहा कि यह लोग मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की आड़ में पूरी राजनीतिक स्थिति को अपने पक्ष में करने की कोशिश कर रहे हैं। सपा हमेशा से ही मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का विरोध करती हुई आई है और आगे भी करती रहेगी। हम किसी भी प्रकार की अलोकतांत्रिक स्थिति स्वीकार नहीं कर सकते हैं।

आयोजन अखिल भारतीय महापौर परिषद की 116वीं कार्यकारी बैठक में बोले भूपेंद्र पटेल

शहरों का सतत विकास, आत्मनिर्भर भारत के संकल्प की मजबूत नींव

सूरत, 13 दिसम्बर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने स्पष्ट रूप से कहा कि शहरों का व्यापक आर्थिक और सामाजिक विकास तथा स्मार्ट एवं सतत शहरी विकास, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने की मजबूत नींव हैं। मुख्यमंत्री सूरत में आयोजित अखिल भारतीय महापौर परिषद की 116वीं कार्यकारी बैठक के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

इस कार्यकारी बैठक में शहरी विकास एवं वित्त मंत्री कनुभाई देसाई तथा देश भर के 16 राज्यों के महानगरों के महापौर और परिषद पदाधिकारी शामिल हुए। आधुनिक शहरी विकास मॉडल की शुरुआत गुजरात में 2005 में शहरी विकास वर्ष के रूप में हुई थी।

इससे सुनियोजित शहरी विकास के लिए बुनियादी ढांचे के निर्माण को गति मिली है और 2005 के शहरी विकास वर्ष की दो दशकों की सफलता के बाद, राज्य सरकार ने 2025 को भी शहरी विकास वर्ष के रूप में मनाया है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि 2025 के शहरी विकास वर्ष में शहरों की स्वच्छता और भविष्योन्मुखी विकास को गति मिली है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस महापौर सम्मेलन में लोगों के जीवन स्तर को सुगम बनाने के लिए गुजरात की पहलों और शहरी विकास योजनाओं की प्रभावशाली प्रस्तुति दी। इस संदर्भ में, मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात ने प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में सुदृढ़ वित्तीय प्रबंधन के साथ शहरों के समग्र विकास के लिए स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना शुरू की है। इस योजना में भौतिक सुविधाओं, सामाजिक बुनियादी ढांचे, शहरी हरित परिवहन और मुख्यमंत्री शहरी सड़क योजना को प्राथमिकता देकर जीवन स्तर को सुगम बनाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात ने शहरी क्षेत्रों में बीआरटीएस जनमार्ग और ई-सिटी बस सेवाओं का सफल मॉडल देश को दिया है। इतना ही नहीं, प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में शहरी विकास के तहत कई प्रतिष्ठित अवसंरचनाओं का निर्माण किया गया है, जिनमें सूरत डायमंड बार्स और रिवरफ्रंट गौरव के प्रतीक बन गए हैं।

■ शहरी विकास के तहत कई प्रतिष्ठित अवसंरचनाओं का किया जा रहा निर्माण

भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए समावेशी विकास के विचार को लागू करने के लिए छोटे शहरों के विकास में भी तेजी लाई गई है। राज्य में नौ नए नगर निगमों का गठन किया गया है और बड़े शहरों के नगर निगमों ने इन नए नगर निगमों को सहयोग देकर समग्र अवसंरचनात्मक सुविधाएं विकसित की हैं। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने में गुजरात को आगे रखने के लिए ‘अच्छी कमाई, अच्छा जीवन’ के मंत्र के साथ ‘2047 तक विकसित गुजरात’ का रोडमैप तैयार करने की भूमिका भी बताई।

इस अवसर पर शहरी विकास एवं वित्त मंत्री कनुभाई देसाई ने उपस्थित सभी महापौरों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि शहरीकरण की चुनौती को अवसर के रूप में समझते हुए और जल प्रबंधन, स्वच्छता, शिक्षा, आवास, स्वेज और हरित ऊर्जा सहित कार्यों को करके एक सुव्यवस्थित शहर की योजना बनाई जा सकती है।

हाना

दूबर ल दू आषाढ़
कमजोर परिस्थिति के मनखे बर जादा खर्चा बाढ़ जाथे। एक तो आषाढ़ म पानी जादा गिरथे ऊपर दू आषाढ़ पर जाथे तेकर बर ये हाना ल केहे जाथे।

शब्द अरथ

1. छंदझ्या-छानने वाला। फंसाने वाला, बांधने वाला
2. छदई - छानने, फंसाने या बांधने की क्रिया या भाव
3. छदउनी- छानने, फंसाने या बांधने का खर्च या पारिश्रमिक
4. छंदना- छानने के लिए प्रयुक्त वस्तु फंसना, बंधना
5. छदनी-छदना
6. छंदल- छना हुआ,फंसा हुआ
7. छंदवइया- छानने, फंसाने या बांधने के लिए दूसरे को प्रवृत्त करने वाला
8. छदवई- छानने, फंसाने या बांधने के लिए दूसरे को प्रवृत्त करने की क्रिया या भाव
9. छदवउनी- छानने, फंसाने या बांधने के लिए दूसरे को प्रवृत्त करने का खर्च या पारिश्रमिक
10. छदवा- छाना हुआ, शुद्ध किया हुआ, फंसा हुआ, बंधा हुआ।

आँगनबाड़ी अउ खिलौना

आंगनबाड़ी म लइकामन ल खेले बर भेजे जाथे। दू तीन बछर के लइका ल कतेक खेलन दिही। एक कुरिया म सब ल रखे जाते। महिला बाल विकास उंहा कुछ खिलौना घलो देथें। येखर ले लइका खेलही।

खेल खेल म कुछ सिखही। आँगनबाड़ी कार्यकर्ता लइकामन ल खिलौना मन देथे या फेर बांध के रख देथे? ये ह विचार करे के बात आये।

आंगनबाड़ी म खेल-खेल म सिखाये बर जेन खिलौना देय जाथे तेन मन स्थानीय होथे। डाइ मतलब स्वयं निर्मित खिलौना ल बढ़ावा देय जाथे जइसे डॉक्टर सेट, गेंद, रस्सी, रंगीन मोम, मोती, और पशु-पक्षी के मुखौटा।

ये खिलौना मन लइकामन म रचनात्मकता, सामाजिक कौशल अउ स्वास्थ्य संबंधी जानकारी सिखाये बर काम म लाये जाथे। जेखर ले लइकामन तनाव-मुक्त हो के सीख सकंय।

खिलौना कइ प्रकार के रहिथे

डॉक्टर सेट से इलाज के अभिनय करथें, रंग-बिरंगा कागज़ अउ क्रेयॉन ले कुछ बनाये बर सीखथें। चित्रकारी करथें। कहानी घलो सुनथे। लकड़ी, मिट्टी के हाथ के बने खिलौना देय जाथे। जइसे एक डंडा म बड़े से छोटे रिंग डालना। येखर ले आकार अउ रंग के जानकारी मिलथे। लइका निशाना लगाना सीखथे।

बौद्धिक विकास बर अलग अलग राज्य के पारंपरिक खिलौना जइसे टेराकोटा, लकड़ी, या फेर स्टील के अउ प्लास्टिक के खिलौना घलो देय जाथे।

शारिरिक विकास बर बड़े गेंद, रस्सी, स्कीपिंग रोप, रिंग आदि देय जाथे।

रचनात्मक विकास बर रंगोली, ड्राइंग बुक, क्ले (मोम) देय जाथे। छत्तीसगढ़ म गतिविधि बहुत कम देखे म आथे। काबर के आँगनबाड़ी ल महिला बाल विकास देखथे। ये गर्भवती बर अउ बाद म बच्चा अउ माँ बर खाये पीये के जिनिस बांटथे। ओखर मन के जांच करथे त इही म समय चल देथे। कार्यकर्ता बहुत कम समय लइकामन ल दे पाथे। सामाजिक कौशल विकास बर किचन सेट, तराजू सेट, पशु-पक्षी के मुखौटा देय जाथे। आधुनिकता बर कार गाड़ी घलो दे जाथे।

कइ आँगनबाड़ी ले शिकायत आये हावय के पुराना टूटे खिलौना अउ पुराना पुस्तक मिले हावय। ये जब टूट फूट गे हावय त लइका कइसे खेलही? सही बात आये।

कई सेंटर म पूछे गीस तब पता चलिस के पुस्तक अउ खिलौना मन ल लइकामन ल देबे त दू -तीन दिन म ही तोड़ देथें तब ओला पैक करके रख दे हावन। पुस्तक म शरीर के अंग, रंग ,आकार, जानवर के जानकारी वाला पुस्तक फटे हावय त ओखर ले कइसे पढ़ाये जाये?

कइ आँगनबाड़ी म कार्यकर्ता अपन दिमाग ले सब्जी, बीज, कंकड़ ले भी जोड़ घटाना सिखाथे। अधिकतर लइकामन अपन मन ले पढ़त रहिथें, खेलत रहिथें।

बीच म 2010म एस सी ई आर टी म आँगनबाड़ी बर कार्ड बनाये गे रहिस हे: कार्ड के डिब्बा अउ बहुत अकन लकड़ी के खिलौना सब जगह भेजे गे रहिस हे। ओ समय म नंद कुमार वर्मा जी शिक्षा सचिव रहिन हें तब इहाँ के मन महाराष्ट्र जा के आँगनबाड़ी के सर्वे घलो करे रहिन हे। आये के बाद बेहतरीन कार्ड बन के सब स्कूल म भेजे गीस। दू बछर के बाद फेर महिला बाल विकास ह आँगनबाड़ी के जिम्मेदारी ले लिस। पहिली सरिख मर्जी ले चलना शुरु हो गे।

सरकार करोड़ो रुपिया के राशन फोकट म बांटत हावय। महतारी बंदन के पइसा बांटत हावय। बी पी एल के चावल फोकट म बोहावत हावय। जब शिक्षा म सुधार ही नइ होही तब तो राज्य के लइका मजदूर बनके ही रहि जही। जेन उमर म लइका के चहुँ विकास होथै तेन उमर म टूटे फूटे सामान संग समय बितावत हावय तब ओखर मन म कोन कोन से विचार घर करही सोचना चाही।

खिलौना उच्च स्तर के देय जाये त ओ कइसे टूटही। अच्छा कम्पनी ले बात करके हजारो के संख्या म खिलौना लेय जाही त सस्ता परही। छत्तीसगढ़ म शिक्षा के स्तर म सुधार लाये के जरुरत हे। आंगनबाड़ी ले बारहवीं तक। शिक्षक ,पुस्तक कापी अउ स्कूल के भवन तरफ ध्यान देना बहुत जरुरी हे। माटी के लोंदा आये आँगनबाड़ी के लइकामन ओला अच्छा स्वरुप देना बहुत जरुरी हे।

सुधा वर्मा

छत्तीसगढ़ी में पहली धर्मउपदेशक : गुरु घासी दास बाबा !

मध्यप्रदेश ले अलगिया के 1 नवम्बर सन् 2001 म छत्तीसगढ़ राज बनिस। इही नवा राज छत्तीसगढ़ म नवा जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (रायपुर) तहसील कसडोल के ग्राम गिरौदपुरी म छत्तीसगढ़िन माता अमरौतिन के कोख ले 18 दिसंबर सन् 1756 म मांघी-पुन्नी के छिटिक अंजोरी पहाती रथिया म बालक घासीदास के अवतरण होइस। पिता के नाव महंगूदास रहीस। किसान परवार म जनमें बालक सतनाम पंथ के प्रवर्तक, युग-पुरूष अऊ छत्तीसगढ़ के महान विभूति म गिने जाही, अइसन कल्पना कोनो नई करे रहीन होही।

सतनामी जाति म जनमें, पले, बढ़े बालक घासीदास गरीबी ल देखिस, भोगिस, छत्तीसगढ़ी समाज म उच्च-नीच भेदभाव ल परखीस। भुखमरी, शोषण, ईरखा, छल-छद्म ले जूझीस। फेर कोनो ल कहे नई सकिस। कलेचुप राहय, अकेल्ला म गुनान करै, कुछु सुझै न रद्दा दिखै। उमर बाढ़त गिस, मन बियाकुल राहय, अशांत राहय, खेले खाय के उमर म समाज के दुर्दशा देख चिन्ता, म बुड़े दिखै। पिता मंहगू दास देख के संसो म परगे, भटकत मन ल बचाये बर अपन संग बुता-काम म लगा दै, तभो ले मन शांत नई होइस। पारा-परोस के सियान मन सुझाव दिन, घासी दास के बिहाव कर दे, गर म गेरूवा बंधा जही तहां अपने आप काम बुता धर लिही। बालक घासी दास के बिहाव सिरपुर निवासी अंजोरी दास के दुलौरिन बेटी सफूरा संग होगे। समे के धारा संग बोहात गृहस्थी के बसे ले चार संतान के पिता बनगे। तभो ले बियाकुल मन, शांति नई पाइस। पत्नी सफूरा के मोह-माया घलो रोके नई सकीस। दु:ख हे त दु:ख म मुक्ति के मारग घलो हे, सदी के पहली गौतम बुद्ध राजपाठ छोंड़ के निकलगे। इतिहासकार मन के बताती म गांव वाले के संग मन के शांति खातिर जगन्नाथ तीरथ यात्रा बर निकल गिस। सांरगढ़ पहुंचे पाये रहिस तइसने मन म कुछु सोचिस-बिचारिस, तुरते लहुट के सोनाखान जंगल के महराजी गांव तीर छाता पहाड़ (छातानुमा शीला) उपर बइठिस तेहर उठबे नई करीस। त कोनों इतिहासकार मन जगन्नाथपुरी से लहुट के तपस्या म लीन होना बताथे। (विद्वान मन के मत अलग - अलग हे) तपस्यारत अवस्था में, कौंआताल के चंदनिहा गौंटिया के सौधिया मन गिरौदपुरी के लोगन ल बताइन कि घासीदास छाता पहाड़ उपर बइठे हे। छ: महीना के बीते ले गांव गिरौद के मनखे मन घासी के आरो पाइन। छाता पहाड़ ले उठ के गिरौद ले दू धाप दुरिहा अंवरा-धंवरा के खाल्हे म तप म बइठगे। इही ओ ठउर ए, तपस्या करत बाबा घासीदास जी ल आदि पुरूष (सत के स्वरूप) के दर्शन से सतनाम रूपी अमरित मिलीस। आत्मज्ञान मिले से हिरदे म सत के अंजोर बगरगे सबो समस्या के हल निकलगे। पंथी गीत म गाथें-

अंवरा-धौंरा पेड़ म धुनी रमाये हो
सतनाम पुरूष के दर्शन पाये हो
...।

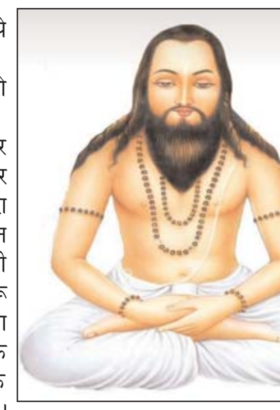

डॉ. ग्राण्ट सरकारी गजेटियर (1870) म लिखे हवय- 18 दिसंबर 1820 म विशाल ल जनसमूह श्रद्धा म हाथ जोड़ें दिव्य पुरूष के दर्शन के खातिर डोंगरी के डहर कोती टकटकी लगाए देखत रइथे। गुरू घासीदास छ: महीना के कठिन तपस्या के बाद गिरौद जंगल से निकल के आइस देखते-देखत बाबाजी के जयकार म आकाश गूंजे लगिस। सकलाये अपार जनसमूह ल दर्शन अउ असीस देत छत्तीसगढ़ी म दिव्य संदेश देथे। इही उपदेश सतनाम के सात सिद्धांत के रूप म माने जाथे। ये संदेश हावय-

1. सत ल मानो, सतनाम सार हे, जम्मो प्राणी के घट-घट म रमे हे।
2. ईश्वर निराकार हे, मूर्तिपूजा आडम्बर ए, सबो जीव ऊपर दया करव।
3. सत, अहिंसा के मारग म चलव, बलि देना मुरखपन ए येला बंद करव।
4. दारू, मांस, भक्षण त्यागव, सादा अन्न म पबरित विचार जनमथे।
5. मनखे-मनखे एक बरोबर ए, भेदभाव ल छोंड़व।
6. पर स्त्री ल माता मानो, नारी सृष्टि के जननी होथे।
7. गाय-भंइस ल नागर झन जोतबें।

गुरू घासीदास जी के बताये सात सिद्धांत सतनाम के मूल मंत्र आय। ये सिद्धांत के पालन करे ले दु:ख भरे जीवन से बचे जा सकथे। अंग्रेज लेखक चार्ल्स ग्रान्ट के गजेटियर (1870) पहली ऐतिहासिक लेखन ए। जेमा गुरू घासीदास जी के बारे म घात अकन लिखे हे। ग्रान्ट के लिखे घटना ल इतिहासकार मन प्रमाणित माने हे। बाबा गुरू घासीदास जी ल लेके ग्रान्ट ह लिखे हे कि - 'इस अंचल के असल आश्चर्य अभी तक धरती के नीचे दबे है। गुरू घासीदास उनमें से एक है जिन्होंने छत्तीसगढ़ के भूमि दासों-गुलामों को जगाया और जाति प्रथा को समाप्त कर समतावादी समाज की रचना की।'

राजा मोहन राय के सतीप्रथा आंदोलन के पहली छत्तीसगढ़ अंचल म सामाजिक क्रांति के ध्वजा गुरू घासी दास बाबा जी फहरा चुके रहिस। नारी जाति के सम्मान खातिर अपन उपदेश म कहिन -'पर नारी माता सनमान, नारी सृष्टि के जननी होथे, दाई - दाई होथे मनखे हो या पशु। जेन गाय के बछरू मर गेहे ओकर दूध झन पीयव, गाय-भैंस ल नागर मत जोंतव, अवइया ल रोकव झन, जवइया ल टोकव झन, एक धुवा मारे तेनो तोर बरोबर आय (गर्भ मं पलते शिशु भी तुम्हारे समान है) अइसने बलिप्रथा के विरोध करत अमृतवाणी म कहे हे-'जीव मारब, हिंसा करब महा पाप आय।' बाबाजी के बताये उपदेश अऊ सिद्धांत ल भक्तगण अपन हिरदे म बसा के सतपंथी कहाइन।

गोकुल प्रसाद (1921-24) के मुताबिक बालक बुधारू ल सांप डस दे रहिस। बालक घासीदास के भक्तिपूर्ण प्रार्थना अऊ इलाज ले बुधारू ल जीवन दान मिलगे। तउन समे ले चमत्कारी बालक के रूप म छत्तीसगढ़ अंचल म सोर उड़गे। कतको चमत्कारी कथा 'गुरू घासीदास चरितम्'' नामक संस्कृत महाकाव्य म पढ़े जा सकथे जइसे -'बिना आगी पानी के भोजन बनाना, गरियार बइला से संवाद अउ नागर चलाना, पांच काठा धान ल पांच एकड़ म बों के भारी फसल लेना, समाधिरत छ: महीना ले धरती म दफन पत्नी सफूरा ल जीवन दान देना, दंतेश्वरी देवी से संवाद' ये सब चमत्कार ले गुरू घासी दास अवतार के रूप म माने जाथे। एकर से ये बात के प्रमाण मिलथे कि दलित जाति म जनमें गुरू घासीदास के चमत्कार बिना नमस्कार कहां ले होतिस? जबकि मानव समाज म जातिवाद छुआछूत, रूढ़िवाद, पाखण्ड जइसन बीमारी जड़ जमाए रहिस।

भोपाल विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. हीरालाल शुक्ल अपन पुस्तक 'गुरू घासीदास संघर्ष समन्वय और सिद्धांत' म लिखे हवै-'गुरू घासीदास दलितों की विपन्न स्थिति से बहुत दु:खी थे। उच्च आध्यात्मिक विरासत के विद्यमान होने के बावजूद दलित शोषण के शिकार थे तथा उनका जीवन गुलामों से भी ज्यादा बदतर हो गया था। उन्होंने अपनी आत्मा को मार डाला था और माननीय सम्मान को पूरी तरह भूल गये थे। दलितों के राजनीतिक प्रशासनिक, सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक, नैतिक तथा आध्यात्मिक उत्थान के लिए गुरू घासीदास ने एक लम्बा संघर्ष (1820 से 1830) किया था और इस रूप में भारत के स्वाधीनता आंदोलन के वे पुरोधक थे। भारतीय समाज में उनके जैसा आज तक दलितों को कोई मसीहा पैदा नहीं हुआ। डॉ. शुक्ला जी आगू लिखथैं कि- उच्चकोटि के व्यवहारवादी तथा तथ्यान्वेशी ही नहीं थे अपितु महान दार्शनिक भी थे, जिन्होंने विश्व के लिये एक नया 'माडल' दिया जिन्होंने नैतिकता के तेज बहाव से जनता की रक्षा की, जिन्होंने भारत में नव जागरण की प्रथम रश्मि फैलाई। उनका नव जागरण निरक्षर, किसान, मजदूरों के परिश्रम से सींचा गया था।

सत म धरती खड़े, सत म खड़े अगास।
सत ले सृष्टि उपजे, कह गये घासी दास।

छत्तीसगढ़ी भाखा म प्रथम धर्म उपदेशक गुरू घासीदास बाबा जी हवैं। गुरूजी के महिमा पंथी गीत म गाये जाथे, पंथी गीत भक्ति-भाव ले तरबतर होथे। बाबाजी के बताये सात सिद्धांत अउ बियालिस अमृतवाणी म दु:ख के निदान हें। कोनो ल दु:ख-पीरा बियायै न डर-भय लागै, भइगे! जीवन दर्शन, उपदेश ल जाने, समझे अउ धरे बर लागही। मनखे के जिनगी संवर जाही।

-अनिल गौंतरिहा, ग्राम- कुकुरदी, बलौदा बाजार

बेलाही घाट

राजिम पावन धाम, इहां चंदन कस माटी।
नदी नहाथें लोग, हवय सुग्घर परिपाटी।।
ऋषि लोमश के वास, घाट बेलाही हावै।
त्रेतायुग के गोठ, आज भी मन ला भावै।।

काक भुसुंडी पाय, ज्ञान ला ऋषि लोमश ले।
होवै बंधन मुक्त, जगत के मायावश ले।।
अमर हवय ये संत, लोग सब परछो पाथें।
जम्मो ग्रंथ पुराण, कथा आश्रम के गाथें।।

सिया राम के संग, अनुज लक्ष्मण जी आइस।
काटिस हे वनवास, घाट के मान बढ़ाइस।।
बड़े-बड़े मुनि साधु, कुटि म धुनी रमाथें।
करथें जप-तप योग, शंभु के मंदिर जाथें।।

महानदी के पार, जिला धमतरी कहाथे।
लक्ष्मण झूला भव्य, देख के मन हरसाथे।।
कतका करंव बखान, धाम के महिमा भारी।
तर जाथें सब जीव, इहां आ के संगवारी।।

-प्रिया देवांगन 'प्रियू', राजिम

चेंदरू-31

गांव के मन दिन भर हकर-हकर कमावय। संझाती बेरा मनखे तिर बुता नी रहय। सांझ के काय करे? गांव के मनला बरगलइया मन के कमी नी रिहिस। ओमन गांव म नवा किसिम के मनोरंजन के दुकान खोलवा दिन। कुछ सियान मन आमा रुख तरी सकला के गांजा बिड़ी पियत हाँसी-ठिठोली करे लगिन। कुछ मनचलहा मन ला दूसर लत लग गिस। गांव म ताश के फड़ जमे लगिस। जुआं-चित्ती आम बात हो गिस।

इंकर द्वारा शुरू होय बिमारी ह गांव के अधिकांश घर म पसरगे। न केवल इही गांव म बल्कि तिर तखार के कतको गांव म घला मनोरंजन के साधन बन गिस इही चरित्तर हा। कतको झन सांझ होय के अगोरा करे लगिन। बाहिर के कुछ विघ्नसंतोषी मन गांव म गोड़ जमा डरिन अऊ पसर गिन। अब गांव के मेहनत के पइसा हा बाहिर के जुआरी गंजेड़ी, नशेड़ी मन के खींसा म जाय लगिस।

शांति म चलत माहौल म अशांति के जहर बगरे लगिस। चारों डहर लइका-सियान मन बीड़ी, माखुर के संगेसंग गांजा,भांग म अपन थकान मेटाय लगिन अऊ अपन परिवार के पेट ल काटत, अपन कमई के बहुत बड़े भाग ला जुआं-चित्ती म उड़ाय लगिन।

चेंदरू ल अपन बुता ले फुरसत नी रहय। दिन भर कमाय। रथिया भात खा के सुत जाय। बिहिनिया बासी धरय खेत चल देवय। गांव म का होवत हे तेहा बहुत दिन पाछू पता लगिस। एक दिन ओहा जान डरिस के, गांव के शांति ल भंग करत बाहिर के मन पैर पसार चुके हे। अब ओहा येकरे मन के खबर लेहे बर सोंचिस। उनला हड़का के भगा घला दिस फेर गांव म अइसन गतिविधि मन बंद नी होइस। बल्कि अऊ बाढ़गे सबला चस्का लग चुके रिहिस। कुछ दिन म बुता काम के बेर खेत म तको जुआं के फड़ बिछे लगिस।

चेंदरू ह गांव म बइसका सकेलिस। सबला समझइस। ओकर विरोध के साहस काकरो म नी रिहिस, फेर दबे जबान ले इही बात निकल के आय लगिस के, दिन भर कमाय-धमाय रहिथन सांझकुन मनोरंजन बर चौंरा म बइठ जुआं-चित्ती नी खेलबो अऊ थकान मेटाय बर भांग-गांजा बिड़ी माखुर के सेवन नी करबो त काय करबो? तैं उपाय बता हमन छोंड़े बर तैय्यार हन। चेंदरू तिर का उपाय रहि, फेर भी ओहा उपाय सोंच के बताय के बात किहिस।

रात भर सोंचिस। गांव ल सुधारना ओकर पहिली लक्ष्य रिहिस। ओकर नींद कहां परय। ओहा सोंचत-सोंचत निष्कर्ष म पहुंचिस। दूसर सांझ सबो ल फेर सकेलिस। चेंदरू ह केहे लगिस- हमर पुरखा मन मनोरंजन बर गीत-संगीत के सहारा लेवय। सांझ होय म जवान लइका मन गुड़ी म सकला के नाचय-गावय। सियान मन राम रमायन के पाठ गीत-संगीत म करय। नान्हे-नान्हे लइका बाला मन ल सकेल के कहानी कंथली कहय। लइका मन ल नाटक लीला सिखाय के उदिम करय। हमू मन कर सकत हन। मनोरंजन के मनोरंजन, ज्ञान के ज्ञान अऊ समय के सदुपयोग। साथे साथ एक दूसर ले लगाव अऊ जुड़ाव घला मजबूती पा जही।

चेंदरू के बात उछेने के हिम्मत काकरो म नी रिहिस। फेर भी कुछ मन सवाल उचइन के गीत-संगीत बर पेटी, ढोलक, मंजीरा लगही। कोन लिही? नाचे-गाये बर छांय वाला जगा चाही कोन खरचा करहि।

चेंदरू किहिस - येमा एके बेर खरचा करे ला लागही। जुआं चित्ती, बिड़ी-माखुर, भांग-गांजा म जतका उड़ावत रेहेंव तेकर दसवां भाग ल खरचा करहू ते गांव ल नवा दिशा मिल जही।

बिचार थोपागे। कुछ दिन म नशा मुक्त होगे गांव हा। अब मनोरंजन बर हरेक सांझ कभू गौरा चौंरा तिर, कभू आमा रुख चवड़ी म कभू येकर घर कभू ओकर घर राम रमायन के पाठ होय लगिस। कोन्हो गाए बर सीखे लगिस, कोन्हो बजाय बर। कोन्हो कनिहा मटकाना सीखगे त कोन्हो रंग-रंग के बोली बोल के हँसाना सीखगे। गांव ल चेंदरू हा नावा दिशा दे दिस।

- हरिशंकर गजानंद प्रसाद देवांगन, छुरा

लहू म काय बसे हे : संत गुरुघासीदास

मइनसे मन के हमर भारत देस कृषि प्रधान होय के संगे- संग ऋषि प्रधान तको रिहिस हे। भारत सदियों ले संत सुजान, महात्मा, आध्यात्मिक, चिंतनसील, बिबेकी मन के देस रेहे हे। देस के ओना-कोना ले कोनो न कोनो संत महापुरुस मन जनम लेवत रेहे हें।

गियान, बिग्यान, कला, संस्कृति ऊंचहा खोज - परख अउ बिदवान मनीषी मन के गियान परम्परा के कारन ही हमर देस ल बिस्व गुरु के पदवी ले पगड़ी बांधेगे रिहिस हे, तेन बेखत बिदेसी मन तको हमर देस म पढ़े बर आवयं। संत अउ साधु म अंतर हे: साधु समाज ले धुरिया रइथे अउ संत समाज के संगे-संग जीथे मरथे। साधु के मकसद ईश्वर तक, ता संत के मकसद मानुष समाज ल सही मारग देखाए के होथे।

छत्तीसगढ़ के संत गुरुघासीदास ल कोन नइ जानय, जेकर जनम 18 दिसम्बर सन् 1756 के बर्तमान जिला बलौदाबाजार-भाटापारा के गिरौदपुर गांव म एक मजदूर परिवार म होय रीहिस हे। जेहा पराचीन सोनाखान (गोंडवाना) रियासत के भीतर आवय। ओकर ददा के नाव ह्व महंगूदास अउ दाई के नाव अमरौतिन रिहिस।

गुरुघासीदास के बिहाव सफूरा बाई ले होय रिहिस अउ ओकर पाँच झन लइका रिहिस हे। गुरुघासीदास अन्न - धन के धरती छत्तीसगढ़ राज के वो एक महान बिदवान सतनामी संत रिहिस।

गुरुघासीदास हर ही छत्तीसगढ़ मा सतनामी पंथ के इस्थापना करे रिहिस। सबों ला पता हे कि भारत सदा बहिराहा मनके राज करे के देस रेहे हे। किसम - किसम के संकट ल झेलत अउ समे - समे मा भारतवासी मन एक सुनता होके राष्ट्र के कलियान बर समरपित होके तको काम - बुता करत रेहे हें । फेर इहाँ धरमवाद, जातिवाद हा सरलग मइनखेवाद नजरिया मा झपावत गेहे। ये बात ले इनकार नइ करे जा सकय कि एक बाजु अनेकता मा एकता, भारत के बिसेसता के गोठ बात होथे ता दुसर कोती जाति धरम के नाव म झगरा लड़ई मातथे , जतेक ओढ़ना ओतके जाड़ ञ्ज बड़े जाति मनइया मन अपन आप ल गोंदली - फटाका ले कम नइ समझें। इहाँ जाति धरम के गइरी मातत देर नइ लगे। थोरिक बड़े समझइया मन छोटे मनखे मनला खोटनी भाजी कस खोंट -खोंट के खाथे।

बाबा गुरुघासीदास ल तको ए दौर ले गुजरेल परिस। अपन ल ऊँचा, उज्जर, सभ्य समझइया जात के मन सतनामी समाज ल हिनमान भरे नजर ले देखे बर कोनो कसर नइ छोरीन। गुरुघासीदास के बिचार ह्व मनखे - मनखे एक समान ले इस्पष्ट झलकथे कि वोहर आदमी अउ आदमी म भेदभाव ल मुड़ी ले नकारय ।

आजो देस के आघु गजब बड़का समस्या हे कि एके धरम के मनइया मनखे ला जाति, धरम, वर्ण ले पहिचानथें। देस के ऊँचहा बिकास मा जाति धरम, संप्रदाय बाँधक हे। लोकतंत्र मा आदमी के पूजा करना सबले बड़े खतरा हे, येकर ले गुलामी जनमथे। येला दूर करना हे ता खाली काँद ल खने मा नइ बनय , चेचरा ला घलो खनेल परही। धरम बड़े होथे अउ जाति छोटे ता फेर एके धरम ल मानने वाला मन ल काबर पूछथें कि ह्व तुमन कोन जाति मा आथो...?

संत गुरुघासीदास मइनसे के संगे-संग जीव जन्तु पसु- पंछी मनला तको मया करय , वो इनकर हतिया करइया के खिलाफ रिहिस। वोहर समाज मा समरसता, भाईचारा अउ एकता के संदेस दिस ओकर मानना रीहिस ह्व मानुष के पहिचान जनम ले नहीं करम के अधार ले होना चाहि। वोहर समतामूलक समाज के बीज बोए के पक्षधर रिहिस हे। गुरुघासीदास के प्रमुख संदेस मा ह्व मुरती पूजा झन करव , चोरी -जुआ ले धुर रहो, नसा सेवन झन करव , जात - पात के परपंच मा उलझव झन, पर नारी ले धुरिया रहो।

गुरुघासीदास जी बिदवान होय के संगे - संग एक पवित्र तपस्वी, अगमजानी , चमत्कारिक, अध्यात्मिक पुरुस घलोक रिहिस। ओहर अपन दिव्य सकती ले अपन मरे पत्नी सफूरा ल जीवित कर देय रिहिस। वो अधर हवा मा भींगे कपड़ा ल सुखा सकत रिहिस हे।

अइसने मइनखेवादी संत अंधरा भगत मन के टार्च ह्व कबीरदास, रविदास, गुरु नानक, बाबा रामदेव, संत नामदेव, स्वामी विवेकानंद, छत्रपति शाहू जी महराज, सावित्री ज्योतिबा फुले, फातिमा शेख, नारायण गुरु, बाबा गाडगे, पेरियार ई. वी. रामासामी, ललई सिंह यादव, रामस्वरूप वर्मा, जगजीवन राम अउ सबला बरोबर नियाव देवईया बाबा साहेब आंबेडकर जी मन रिहिन ।

वो जमाना मा सबले जादा छुआ - छूत दलित समुदाय ल झेलेल परिस, संग मा पिछड़ा वर्ग समाज हा तको बड़ दुख - पीरा झेले हे। आदिकाल ले बसे आदिवासी भूमिजन समुदाय छूत- अछूत ऊँच -नीच मा नइ आवय, इनकर बर सबो जीव बरोबर होथे। दलित अउ पिछड़ा वर्ग मनला जाति भेदभाव ले मुकती ,समानता के अधिकार देवाय के काम डॉ.बाबा साहेब अंबेडकर हा संविधान बनाके करीस।

सत्य अहिंसा, सतनाम के संदेस देने वाला बाबा गुरुघासीदास जी हा अज्ञात सन 1836 म 80 बरस के उमर मा परलोक सिधार गे। येकर महिमा के गुनगान लोक परसिद्ध पंथी गीत- नृत्य के सुग्घर भाव ले परगट करे जाथे। एकर सुरता मा तीर्थ स्थल गिरौधपुरी (बलौदाबाजार) मा 77 मीटर जैतखांम के निरमान करे गेहे, कोरिया जिला मा गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान हे, बिलासपुर मा गुरुघासीदास बिस्वविद्यालय बने हे।

मइनसे मनला सच के रद्दा देखइया अइसन संत महात्मा ल कोटि कोटि नमन हे।

मदन मंडावी, डोंगरगढ़

रंग बदलू

नान्हे कहिनी

पाछु इतवार के बात आए। छुट्टी के दिन रहिस ते पाय के बनेच बेरा के पंगपगांत ले लात तान के सुते रेहेवं। मोर घरगोसाईंन हर चेचकारत मोला उठाइस। तभे मुंहू फारत आंखी रमजत उठेंव। तहां ले दतवन मंजन करके सादा होवत चूंदी अउ मेंछा ल करिया रंग डारेवं। रंगे के पाछु ओखर सुखावत के अगोरा म घर के पीछू कोति बारी म जागे बर पेंड़ के तरी राखे खटिया म जा के बइठ गेवं।

तभे मोर घरगोसाईंन हर मिरचा-पताल के चटनी संग अंगाकर रोटी ल कांसा के थारी म लान के दीस। जेखर मंजा लेवत खावत रहें। तभे ऊपर ले बर के एक ठिन पींयर पाना हर मोर कोरा म गिरीस। ओ पाना ल कोरा ले उठा के फेंके बर धरेवं त थोरिक पानी पानी कस लागिस।

ओ बेरा मोर मन म बिचार आइस के पाना हर पेंड़ ले अलग होय के पीरा म रोवत हे का? मैं हर ओ पाना ल सहलावत पूछेवं- रोवत हस का जी पाना? रोवत हस त का पाए के रोवत हस? अपन मन के पीरा ल मोला बता के मन ल हरू कर ले। हमर सियान मन के कहना हे कि मन म भराए दु:ख पीरा ल लुकाना नी चाही अइसन करे म पीरा हर अउ बाढ़ जाथे। कोनो अपन लगवार ल पीरा बता देहे म मन हर हरू हो जाथे। दु:ख सहे के ताकत बाढ़ जाथे।

मोर मया-दुलार ल पा के पाना हर सिसकत बोलिस- पेंड़ ले पाना मन हर तभे गिरथें जब ओमन हर अपन रंग ल बदल देथें। रंग बदलने वाला मन ह अइसनेहे मुंहू भोरहा गिरथें।

पाना के मन के पीरा ल सुन के अउ ओखर मरम ल समझ के मोर अंतस के आंखी खुलगे। टेटका असन रंग बदलू होवत मनखे के दुरगति ल सोंच-सोंच के मोर आत्मा कांपगे। मनेमन मैं हर सोचेंवं- सही बात आए। रंग बदलइया मन के कीमत दुनिया म गिर जाथे। रंग बदलइया मन के असल पहिचान गवां जाथे।

अतका सोंचत-सोंचत कलेचुप खटिया ले उतरेवं अउ ओ पाना ल करेजा म लगावत कहेवं- पाना भाई,जिनगी के असल अरथ ल मोला तें हर आज समझाए हस। मनखे ल अपन मूल ल भुलाए के भूल कभू नी करना चाही। अतका कहिके पाना ल धरती दाई के कोरा म छोंड़ देहें अउ चूंदी -मेंछा म लगाए रंग ल झटकुन धो डारेवं। अपन असल रूप म आगेवं।

विजय मिश्रा 'अमित',अग्रोहा कालोनी

आगी ताप ले

आ संगी ताप ले आगी
जुड़ जड़हा जाड़ जनावत हे
पहट बिहनिया धुंधरा बरसे
कोन्हों घलो नि चिनहावत हे
तरिया डबरी कुंआ बावली
पानी कन कनावत हे।

गोरसी आगी अंगेठा भुर्री
सबोच ल इही भावत हे
मुड़ी कान हाथ गोड़ सेंकले
भुर्री आगी लुभावत हे
आ संगी ताप ले आगी
जुड़ जड़हा जाड़ जनावत हे!!

-सोनु नेताम 'माया',रुद्री नवागांव धमतरी

उल्टा पुल्टा

रमेश ने शौक-शौक में व्रत रख लिया।
रमेश (पत्नी से)- देखो सूरज डूब चुका है, अब खाना खाते है।
पत्नी (रमेश से)- नहीं जी।
रमेश- देखो डूबा या नहीं।
पत्नी- नहीं जी।
रमेश- लगता है ये मुझे साथ लेकर ही डूबेगा।

महर्षि यूनिवर्सिटी में अनियमितताओं के खिलाफ एनएसयूआई की लड़ाई जारी

निरीक्षण समिति को सौंपा गया ज्ञापन

बिलासपुर, 13 दिसम्बर (देशबन्धु)। छात्रहित की आवाज़ बनकर वर्षों से संघर्ष कर रहे एनएसयूआई छात्र संगठन ने एक बार फिर महर्षि विश्वविद्यालय, बिलासपुर में व्याप्त गंभीर शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं वित्तीय अनियमितताओं को लेकर प्रभावी हस्तक्षेप किया है।

महर्षि विश्वविद्यालय परिसर में शनिवार को छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग की निरीक्षण समिति के आगमन के दौरान एनएसयूआई जिलाध्यक्ष रंजीत सिंह के नेतृत्व में विस्तृत ज्ञापन निरीक्षण समिति के अध्यक्ष डॉ. एम.एस.के. खोखर, सेवानिवृत्त प्राध्यापक गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, सदस्य प्रो. संतोष कुमार गुप्ता, सदस्य (प्रशासनिक), छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग एवं सदस्य डॉ. बी.एल. गोयल, सेवानिवृत्त अतिरिक्त संचालक को सौंपा गया, जिसमें विश्वविद्यालय प्रबंधन द्वारा वर्षों से की जा रही अनियमितताओं को प्रमुखता से रखा गया।

जिलाध्यक्ष रंजीत सिंह ने बताया कि ज्ञापन में विशेष रूप से यह उल्लेख किया गया है कि —विश्वविद्यालय में डीएलएड पाठ्यक्रमों के संचालन में नियमों की अनदेखी की जा रही है साथ ही एक ही व्यक्ति द्वारा महर्षि यूनिवर्सिटी तथा महर्षि शिक्षा संस्थान (शिक्षा विभाग) के डीएलएड के छात्रों के अंकसूची में प्राचार्य के सील मुहर के साथ हस्ताक्षर कर विद्यार्थियों को वितरित किया गया है। जो कि सीधे तौर पर छात्रों के भविष्य के साथ लगातार खिलवाड़ है।डीएलएड एवं अनेकों अन्य पाठ्यक्रम बिना विधिवत शुल्क निर्धारण एवं मानकों के संचालित किए जा रहे हैं। कुलसचिव की नियुक्तियों, शैक्षणिक योग्यता, अनुभव एवं प्रशासनिक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता का अभाव है।

छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग द्वारा छत्तीसगढ़ शासन को दिए गए अभिमत के अनुसार महर्षि विश्वविद्यालय / महर्षि शिक्षा संस्थान को निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) अधिनियम 2005 की धारा 41(1) में निहित प्रावधानुसार बंद करने की अनुशंसा लागू हो। महर्षि यूनिवर्सिटी तथा महर्षि शिक्षा संस्थान (शिक्षा विभाग) में भारी अनियमितता और जांच में सहयोग नहीं करने के कारण छात्रवृत्ति पर रोक लगे। यूनिवर्सिटी द्वारा सेंटर के माध्यम से किया जाने वाला वित्तीय अनियमितता को देखते हुए यूजीसी द्वारा महर्षि विश्वविद्यालय को डिफॉल्टर घोषित किया गया।

नकल प्रकरण आज भी निरंतर चालू है। पीएचडी पाठ्यक्रम में भारी फर्जीवाड़ा और अनियमितता,एक ही भूमि भवन में दो संस्थाएं संचालित 1. महर्षि यूनिवर्सिटी तथा 2. महर्षि शिक्षा संस्थान (शिक्षा विभाग),फर्जी प्राध्यापकों की सूची सीजीपीयूआरसी को देकर विश्वविद्यालय संचालित करना। इस प्रकार से एनएसयूआई ने कुल 14 बिंदुओं में 10 पृष्ठ का ज्ञापन निरीक्षण समिति को सौंपा है।

एनएसयूआई जिलाध्यक्ष ने यह भी स्पष्ट किया कि पिछले कई वर्षों से छात्रहित में लगातार शिकायतें, ज्ञापन और आवेदन प्रशासनिक एवं नियामक संस्थाओं को दिए जाते रहे हैं, किंतु अब तक ठोस एवं निर्णायक कार्यवाही नहीं हो पाई है। निरीक्षण के दौरान परिसर में पुलिस बल की तैनाती भी की गई थी, जिससे पूरे घटनाक्रम की संवेदनशीलता स्पष्ट होती है। निरीक्षण समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों ने एनएसयूआई प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि ज्ञापन में उठाए गए सभी बिंदुओं पर गंभीरता से संज्ञान लेते हुए नियमानुसार उचित एवं निष्पक्ष कार्यवाही की जाएगी।

इस दौरान एनएसयूआई के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं छात्र साथी भारी संख्या में उपस्थित रहे, जिन्होंने एकजुट होकर छात्रहित की आवाज़ बुलंद की। एनएसयूआई ने स्पष्ट किया है कि यदि शीघ्र ही ठोस निर्णयात्मक कार्यवाही नहीं की जाती, तो संगठन आगे और भी व्यापक आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से एनएसयूआई जिलाध्यक्ष रंजीत सिंह,प्रदेश सचिव लोकेश नायक,युवा कांग्रेस महासचिव बिट्टू साहू,महासचिव चंद्रप्रकाश साहू,उमेश पटेल,प्रवीण साहू,सुरेन्द्र साहू,जशवंत वर्मा,संजय पटेल,रमेश पटेल,किशन नायक,दिलीप,कमलेश,कामेश,कमलेश सिदार,प्रभात,जितेंद्र साहू,विप्लव यादव,रवि चंद्राकर,सूरज चंद्रवंशी, डेकेश चंद्रा,पुष्कर पाल आदि बड़ी संख्या में एनएसयूआई के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

धान खरीदी में तूहर टोकन ऐप अब 24 घंटे उपलब्ध

धान खरीदी को आसान बनाने की दिशा में राज्य सरकार का निर्णायक कदम, धान विक्रय प्रक्रिया हुई सरल, अब दिन-रात कभी भी मिलेगा तूहर टोकन

बिलासपुर, 13 दिसम्बर (देशबन्धु)। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू होने के एक माह बाद राज्य शासन ने प्रदेश के किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए तूहर टोकन ऐप को अब 24घंटे खोल दिया गया है। अब मोबाइल एप से टोकन काटने के लिए किसी निर्धारित समय की बाध्यता नहीं रहेगी। किसान दिन-रात किसी भी समय अपनी सुविधा के अनुसार टोकन बुक कर सकेंगे।

पिछले एक माह से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के दौरान किसानों को मुख्य समस्या टोकन को लेकर हो रही थी ।पूरे प्रदेश से यह शिकायत आ रही थी । इन शिकायतों को मद्देनजर रख राज्य शासन ने जो निर्णय लिया है उसके मुताबिक अब छत्तीसगढ़ के किसान 13 जनवरी तक अगले 20 दिनों तक के लिए टोकन ले सकते हैं।इससे किसानों को धान विक्रय की योजना बनाने और टोकन प्राप्त करने में पर्याप्त समय मिलेगा तथा भीड़ और तकनीकी दबाव की समस्या से राहत मिलेगी।

इसके साथ ही राज्य सरकार द्वारा 2 एकड़ एवं 2 एकड़ से कम रकबा वाले किसान अब 31 जनवरी तक तूहर टोकन ऐप से टोकन ले सकेंगे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर लघु किसनों के लिए यह सुविधा मुहैया कराई गई है।

उल्लेखनीय है कि टोकन प्रत्येक सहकारी समिति को आबंटित सीमा के भीतर ही जारी किए जाएंगे। किसानों से आग्रह है कि वे समय रहते तूहर टोकन ऐप के माध्यम से टोकन प्राप्त 1करें और किसी भी असुविधा से बचें।

किसानों की सुविधा और पारदर्शी व्यवस्था सर्वोच्च प्राथमिकता

किसानों की सुविधा और पारदर्शी व्यवस्था हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। तूहर टोकन ऐप को 24घंटे खोलने और समय की बाध्यता समाप्त करने का निर्णय इसी सोच का परिणाम है। अब किसान बिना किसी दबाव के, अपनी सुविधा अनुसार टोकन बुक कर सकेंगे। 2 एकड़ एवं 2 एकड़ से कम रकबा वाले किसानों के लिये टोकन की अतिरिक्त समय सीमा और अवधि का विस्तार किसानों को वास्तविक राहत देगा। राज्य सरकार किसान हित में हर संभव कदम उठाने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

– मुख्यमंत्री श्रविष्णुदेव साय

सार-संक्षेप

सुने मकान के अंदर घुसकर चोरी दो आरोपी गिरफ्तार,जेल भेजे गए

बिलासपुर, 13 दिसम्बर (देशबन्धु)। प्रार्थी आशुतोष सिंह निवासी वार्ड क्रमांक 01 तखतपुर ने थाना तखतपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि गुरुवार को वह सुबह 10 बजे घर मे ताला बंद कर बिलासपुर चला गया था उसी दौरान अज्ञात चोर द्वारा घर के दरवाजे का ताला तोड कर अंदर घुसकर कमरे मे रखे अलमारी से 01 जोडी सोने के टाप्स व नगदी 7000 रूपये को चोरी कर ले गया है ।

रिपोर्ट पर अपराध कायम कर विवेचना कार्यवाही मे लिया गया और टीम गठित कर सीसीटीवी पुटेज व मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने चोरी के संदेही राम खिलावन धुरी को अभिरक्षा में लेकर कड़ाई से पुछताछ करने पर अपने एक अन्य साथी संतोष यादव के साथ मिलकर चोरी करना स्वीकार किया जिसके कब्जे से चोरी के नगदी रकम 1000 रूपये को बरामद किया गया शेष रकम को खर्च करना तथा सोने के टाप्स नकली लगने से नदी मे फेकना बताया । आरोपियों के विरूद्ध पर्याप्त साक्ष्य सबूत पाये जाने से आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेजा गया है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी तखतपुर विवेक पाण्डेय ,प्रधान आरक्षक रामायण सिंह आशीष वस्त्रकार सुनील सूर्यवंशी, ओंकार सिंह की विषेष भूमिका रही।

जिला स्तरीय युवा महोत्सव 15 से

नृत्य, गीत, नाटक और कला की होगी शानदार प्रस्तुतियाँ

बिलासपुर, 13 दिसम्बर (देशबन्धु)। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा दो दिवसीय जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन 15 एवं 16 दिसम्बर को राज्य खेल प्रशिक्षण केंद्र बहतराई में किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रतिभागी 15 दिसम्बर को सवेरे 10 बजे से लोक नृत्य, पंथी, राउत नाचा, सुआ, करमा नृत्य जैसी विधाओं में अपनी प्रस्तुति देंगे।

इसके साथ ही 15 दिसम्बर को साईंस मेला, कहानी, कविता लेखन एवं 16 दिसम्बर को एकांकी नाटक, पारंपरिक वेशभूषा, लोकगीत, रॉकबैण्ड, वाद-विवाद, चित्रकला जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभागी शामिल हो सकते है। युवा उत्सव में 15 से 29 वर्ष तक के प्रतिभागी एवं 18 से 40 वर्ष तक संगतकार भाग ले सकते है। विजेता प्रतिभागी एवं दलों को राज्य स्तरीय युवा उत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। एक प्रतिभागी केवल एक ही विधा में भाग ले सकेगा। जिला स्तर पर विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। लोकनृत्य, लोककला, चित्रकला, वाद-विवाद एवं कविता लेखन में चयनित प्रतिभागी एवं दल 10 से 12 जनवरी 2026 को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय युवा उत्सव में शामिल होंगे। प्रतियोगिताओं के संबंध में अधिक जानकारी खेल विभाग की वेबसाईट से प्राप्त कर सकते है।

कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव के लगातार मांग एवं प्रयासो से संभागीय विद्युत कार्यालय की मिली स्वीकृति

बिलासपुर, 13 दिसम्बर (देशबन्धु)। कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव ने विधानसभा एवं मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर पेण्ड्रा डिवीजन से कोटा सब डिवीजन रतनपुर सब डिवीजन को अलग कर नया डिवीजन आफिस स्थापित करने की मांग की थी कोटा के 1 लाख विद्युत उपभोक्ताओ को लाभ मिलेगा ।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्टीब्यूशन कंपनी लिमिटेड द्वारा पत्र द्वारा विधायक अटल श्रीवास्तव को जानकारी प्रदान की गई है कि आपके मांग पर विचार करते हुए कोटा सब डिवीजन रतनपुर सब डिवीजन के 11 वितरण केन्द्रो को जोड़कर सकरी नया विद्युत डिवीजन कार्यालय बनाये जाने की स्वीकृति दी गई है। सकरी डिवीजन में रतनपुर कोटा के साथ सकरी और तखतपुर सब डिवीजन भी शामिल रहेगा।

कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया है कि कोटा के उपभोक्ताओं की मांग को आपने स्वीकृत किया गौरतलब है कि अटल श्रीवास्तव ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सचिव छत्तीसगढ़ शासन ऊर्जा विभाग एवं कार्यपालक निदेशक छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्टीब्यूशन कंपनी को लगातार पत्र व्यवहार करते रहे विधायक अटल श्रीवास्तव ने विधानसभा में भी कोट क्षेत्रवासियों के सुगमता एवं आवश्यकता को ध्यान रखते हुए कोटा के आस-पास संभागीय कार्यालय स्थापना करने कि मांग की थी।

अटल श्रीवास्तव ने पत्र में उल्लेख किया था कि कोटा अत्यंत वृहद वानांचल एवं आदिवासी क्षेत्र है कोटा बेलगहना रतनपुर चपोरा को पेण्ड्रा रोड डिवीजन कार्यालय से जोड़कर रखा गया है क्षेत्रवासियों को विद्युत संबंधी समस्याओ एवं कार्यो हेतु 100 कि.मी. दूर पेण्ड्रा जाना पड़ता है। पेण्ड्रा संभागीय कार्यालय जीपीएम जिले के अंतर्गत आता था दूरी की वजह एवं दूसरा जिला होने के कारण उपभोक्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों को विद्युत संबंधी समस्या हेतु संवाद स्थापित करने में परेशानी होती थी।

बिलासपुर। विधायक अटल श्रीवास्तव ने बताया कि सकरी में संभागीय विद्युत कार्यालय के स्थापना से कोटा रतनपुर बेलगहना चपोरा सहित तखतपुर बिलासपुर के लाखो उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा कोटा विधानसभा की बहुत पुरानी एवं आवश्यक मांग थी जिसे अब पूरा किया गया।

जुआ-सट्टा खेलते 4 अलग-अलग प्रकरणों में 10 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज

5,320 रूपए नकद जब्त

बिलासपुर, 13 दिसम्बर (देशबन्धु)। थाना प्रभारी कोटा तोप सिंह नवरंग को शनिवार को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई, जिस पर पुलिस टीम द्वारा अलग-अलग टीम गठित कर दर्रीकापा नहर किनारे एवं गंज स्कूल के पीछे डाकबंगला, कोटा क्षेत्र में दबिश दी गई।

दबिश के दौरान उक्त स्थानों पर कुछ व्यक्ति रुपये-पैसों का दांव लगाकर जुआ खेलते पाए गए, जिन्हें मौके पर घेराबंदी कर पकड़ा गया।

पकड़े गए आरोपियों के नाम इस प्रकार है-यात्रे कुमार खांडे पिता स्व. देवचरण खांडे, उम्र 48 वर्ष, साकिन टांडा, क्यू. विजय अनंत पिता शत्रु अनंत, उम्र 35 वर्ष, साकिन दर्रीकापा, शिवफल बंजारे पिता स्व. रामजी बंजाकारे, 47 वर्ष, साकिन कपसिया कला, राजू लाल बंजारे पिता इतवारी बंजारे, उम्र 45 वर्ष, साकिन कपसिया कला, कुबेर बंजारे पिता देव लाल बंजारे, उम्र 37 वर्ष, साकिन कपसिया कला, डिकेश साहू पिता स्व. नर्मदा साहू, उम्र 41 वर्ष, साकिन रेस्ट हाउस रोड, डाकबंगला कोटा. प्रेम सारथी पिता स्व. विजय सारथी, उम्र 18 वर्ष, साकिन डाकबंगला कोटा,आ. किशन छाडिया पिता स्व. करण छाडिया, उम्र 20 वर्ष, साकिन डाकबंगला कोटा,. साहिल गुप्ता पिता अजय गुप्ता, उम्र 28 वर्ष, साकिन रेस्ट हाउस रोड, डाकबंगला कोटा, राहुल करेलिया पिता शंकर करेलिया, उम्र 20 वर्ष, साकिन डाकबंगला कोटा, थाना कोटा को गिरफ्तार किया गया। मौके से कुल 5,320 रूपए नगद जब्त किया गया।

सभी आरोपियों का कृत्य धारा 3(2) छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम, 2022 के तहत दंडनीय पाए जाने पर आरोपियों को गिरफ्तार कर विधिवत वैधानिक कार्यवाही की गई।

पंचायतों में मनरेगा कार्यो की स्वीकृति अब युक्तधारा पोर्टल से

बिलासपुर, 13 दिसम्बर (देशबन्धु)। मनरेगा के तहत वर्ष 2026-27 के लिए पंचायतों में होने वाले सभी कार्य अब युक्तधारा पोर्टल के माध्यम से जीआईएस आधारित प्लानिंग के बाद ही स्वीकृत होंगे। शासन के निर्देशानुसार ग्राम सभाओं में पारित किए गए लेबर बजट के प्रस्तावों को क्रमवार प्राथमिकता में पोर्टल में दर्ज किया जा रहा है। इस योजना के तहत 65 प्रतिशत कार्य प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और कृषि संबंधित होंगे, साथ ही मजदूरी और सामग्री का अनुपात 60:40 निर्धारित किया गया है। विशेष बात यह है कि हर कार्य की लोकेशन अक्षांश और देशांतर भी पोर्टल में दर्ज की जाएगी, जिससे भविष्य में अभिसरण के माध्यम से अतिरिक्त विकास कार्य जोडना आसान होगा और पारदर्शिता बनी रहेगी। जिले के चारों जनपद पंचायतों में कार्यों की एंट्री प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। आगामी वर्षों में पंचायतों में कोई भी नया कार्य शुरू करने से पहले उसे ग्राम सभा से अनुमोदित कर युक्तधारा पोर्टल में दर्ज करना अनिवार्य होगा।

एसईसीएल मुख्यालय में 'नारी शक्ति खेल महोत्सव 2025' का भव्य शुभारंभ

श्रद्धा महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती शशि दुहन ने किया उद्घाटन, गृहणियों और वर्किंग दोनों महिलाएँ साथ एक मंच पर ले रही हैं हिस्सा

बिलासपुर, 13 दिसम्बर (देशबन्धु)। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड मुख्यालय, बिलासपुर में आज 'एसईसीएल नारी शक्ति खेल महोत्सव 2025' का भव्य शुभारंभ श्रद्धा महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती शशि दुहन द्वारा किया गया। यह दो दिवसीय आयोजन 13 एवं 14 दिसंबर 2025 को वसंत विहार खेल मैदान, एस ई सी एल बिलासपुर में आयोजित किया जा रहा है।

उद्घाटन अवसर पर श्रीमती शशि दुहन ने ध्वजारोहण कर खेल महोत्सव का औपचारिक उद्घाटन किया एवं खेलों को आरंभ करने की घोषणा की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि कोल इंडिया लिमिटेड की किसी भी सहायक कंपनी में संभवतः पहली बार इस प्रकार का 'नारी शक्ति खेल महोत्सव' आयोजित किया जा रहा है, जो एस ई सीएल की महिलाओं द्वारा स्थापित एक नई और प्रेरणादायी मिसाल है।

उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ नहीं है, बल्कि स्श्वष्टरु की नारी शक्ति के उत्साह, ऊर्जा और नेतृत्व का उत्सव है। कार्यरत एवं गैर-कार्यरत महिलाओं को एक साझा मंच पर खेलों के माध्यम से जोड़ने का यह प्रयास पूरे स्श्वष्टरुपरिवार को और अधिक निकट लाने, टीमवर्क एवं आत्मविश्वास को सशक्त करने वाला सिद्ध होगा।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रद्धा महिला मंडल की उपाध्यक्ष श्रीमती अनीता फ्रैंकलिन, श्रीमती हसीना कुमार तथा श्रीमती विनिता जैन उपस्थित रहीं। अतिथियों का पारंपरिक रूप से शॉल, श्रीफल, पुष्पगुच्छ एवं पौधे भेंट कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में श्रीमती सुजाता रानी, विभागाध्यक्ष (अधिकारी स्थापना), एसईसीएल मुख्यालय द्वारा स्वागत उद्बोधन दिया गया। खेल महोत्सव के शुरुआत में चार समूह — पर्पल, ब्लू, ग्रीन एवं रेड के प्रतिभागियों का अतिथियों से परिचय कराया गया। श्रीमती शशि दुहन ने स्वयं 'पिट्ठू' खेल में भाग लेकर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। इस महोत्सव में 50 मीटर, 100 मीटर दौड़, 4x50 मीटर रिले, बैडमिंटन, खो-खो, शतरंज एवं टेबल टेनिस जैसे औपचारिक खेलों के साथ-साथ मटका रेस, जलेबी रेस, तीन टांग दौड़ एवं नींबू दौड़ जैसे मनोरंजक खेल भी शामिल किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि एस ई सी एल में महिला सशक्तिकरण के कई प्रयास किए जा रहे हैं, इसी वर्ष, एसईसीएल में कोल इंडिया की पहली महिला डिस्पेंसरी की शुरुआत की गई थी ।

श्रद्धा महिला मंडल के तत्वावधान में आयोजित यह पहल सकारात्मकता, आपसी सहयोग एवं खेल भावना को प्रोत्साहित करने वाली है। इसी तरह के नारी शक्ति खेल महोत्सव एसईसीएल के विभिन्न क्षेत्रों में भी आयोजित किए जा रहे हैं, जबकि इन प्रतियोगिताओं का भव्य फाइनल आगामी दिनों में एसईसीएल हसदेव क्षेत्र में आयोजित किया जाएगा, जहाँ सभी क्षेत्रों की विजेता टीमें एक साथ भाग लेंगी। मुख्यालय के दो दिवसीय प्रतियोगिता का समापन समारोह कल दिनांक 14 दिसंबर को अपराह्न में आयोजित है जहाँ सीएमडी हरीश दुहन व निदेशक मंडल अपने हाथों से विजेताओं को पुरस्कृत करेंगे।

ट्रिपल मर्डर केस में बैगा सहित 6 आरोपी जेल दाखिल

5 लाख को ढाई करोड़ में बदलने हुआ तांत्रिक प्रयोग

कोरबा, 13 दिसंबर (देशबन्धु)। स्क्रैप कारोबारी अशरफ मेमन सहित उसके सहयोगी सुरेश साहू व नीतिश रात्रे की गला घोंटकर हत्या के आरोप में पुलिस ने बैगा आशीष दास सहित राजेंद्र जोगी, केशव सूर्यवंशी, अश्वनी कुर्रे, संजय दास और भगवत प्रसाद को गिरफ्तार किया है। उन्हें जेल भेज दिया गया। पुलिस ने कहा कि ज्यादा रुपए बनाने के लालच और अंधविश्वास इनकी हत्या का कारण बना। जरूरत पडने् पर आरोपियों को रिमांड पर लेकर आगे पूछताछ की जाएगी।

एडिशनल एसपी नीतिश ठाकुर और सीएसपी भूषण एक्का ने शनिवार को पत्रकार वार्ता में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 10 दिसंबर की रात उरगा पुलिस थाना क्षेत्र के कुदरी बरबसपुर स्थित यार्ड में यह घटना हुई थी। मौके पर 5 लाख रुपए को ढाई करोड़ में बदलने के लिए तांत्रिक प्रक्रिया की जा रही थी। इसके लिए बिलासपुर के बैग आशीष दास की सेवाएं ली गई। संबंधित 5 लाख की राशि जप्त कर ली गई

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि थोड़े धन से ज्यादा धन प्राप्त करने के मामले में मृतक नीतीश का संपर्क बैगा आशीष दास से हुआ था। बाद में संजय दास भी इसमें जुड़ा। घटना वाली रात यह सभी आरोपी मौके पर थे। तांत्रिक के कहने पर नीबू और नारियल दिए गए। बाद में सहयोगियों ने मृतकों के गले पर रस्सी डाली और उसे खींचा जिससे उनकी मौत हो गई। प्रकरण में कोई प्रार्थी नहीं है बल्कि मर्ग सूचना के आधार पर अपराध दर्ज किया गया है।

जांच के लिए लेंगे रिमांड पर

यह पूछने पर कि क्या आरोपियों से इस मामले में संपूर्ण पूछताछ हो चुकी है? पुलिस अधिकारी ने बताया कि अब तक की जांच में आरोपियों से जो कुछ हासिल हुआ, उस आधार पर उन्हें जेल भेज दिया गया है। आरोपियों ने अपराध करना स्वीकार किया है। निश्चित रूप से इस मामले में आगे और भी जांच करेंगे और जरूरी हुआ तो आरोपियों को रिमांड पर लिया जाएगा।

साजिश की आशंका जताई परिजनों ने

इस प्रकरण को लेकर पुलिस लगातार इसी बात को दोहरा रही है कि ज्यादा रुपए बनाने के लालच में तंत्र-मंत्र हुआ और तीन लोगों की जान चली गई। जबकि मृतक अशरफ मेमन और सुरेश साहू के परिजन लगातार आशंका जता रहे हैं कि उन्हें हत्या से ज्यादा इस मामले में गंभीर साजिश नजर आती है। घटनाक्रम में और कई लोग शामिल हो सकते हैं, इसलिए सूक्ष्मता से सभी बिन्दुओं पर जांच-पड़ताल करना चाहिए।

रडार गन से ट्रैफिक पुलिस पकड़ रही ओव्हरस्पीडिंग के मामले

कोरबा, 13 दिसंबर (देशबन्धु)। कोरबा जिले में यातायात पुलिस के द्वारा सडक हादसों की रोकथाम को लेकर अलग-अलग तरीके अपनाए जा रहे हैं। मैनुअल और तकनीकी तरीकों से ऐसे मामलों में सख्त कार्यवाही भी की जा रही है। पुलिस का उद्देश्य यह है कि हादसों का ग्राफ कम करने के साथ चालकों को उनकी जिम्मेदारी बताई जाए।

यातायात पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि राजमार्ग और अन्य मार्ग पर उच्चगति चलित वाहनों की गति मापन के साथ उनकी धरपकड़ करने लगातार कोशिश की जा रही है। जिले से पिछले दिनों भेजे गए प्रस्ताव पर पीएचक्यू ने इंटरसेप्टर वाहन मुहैया कराया है।

इसमें कई तरह की विशेषताएं हैं, जिसके जरिए यातायात पुलिस को नियम पालन के मामले में उपेक्षा करने वाली गाडियों को पकडने व कार्यवाही करने में सहूलियत हो रही है। बताया गया कि इसमें हाइटेक स्पीड रडारगन से मूव करती गाडियों की रफ्तार को आंका जा रहा है और ई-चालान करना भी आसान हुआ है। हाई फ्रीक्वेंसी वाहन कैमरे के साथ दूसरे सिस्टम इसे खास बनाते हैं।

सार-संक्षेप

पोड़ी मंडल में राम नाम लेखन पुस्तिका वितरित

कोरबा, 13 दिसंबर (देशबन्धु)। तीन अरब 33 करोड़ राम नाम लेखन वाली पुस्तिकाएं अयोध्या के राम मंदिर की अद्वितीय प्रतिष्ठा वर्षगांठ पर कोरबा जिले से भेजी जाएगी। 3 लाख लोगों को इस अभियान के साथ जोड़ा जा रहा है। पोड़ी उपरोड़ा मंडल के लेपरा, गुरसिया, लालपुर, एतमानगर सहित अनेक गांवों में स्वयंसेवको ने इन पुस्तिकाओं का वितरण किया। इस दौरान यहां पर उत्साह का वातावरण रहा। पोड़ी उपरोड़ा के अलावा करतला मंडल में कई जगह राम नाम लेखन पुस्तिका वितरण करने पर पुस्तिकाओं की आरती उतारी गई और स्वागत सत्कार भी किया गया।

राज्य सलाहकार मोनिका ने स्वच्छता पर की चर्चा

कोरबा-पाली, 13 दिसंबर (देशबन्धु)। स्वच्छ भारत मिशन की राज्य सलाहकार मोनिका सिंह ने शनिवार को पाली विकासखंड अंतर्गत ग्राम बुड़बुड़, कपोट, लिटियाखार, मानिकपुर एवं सेंद्रीपाली का भ्रमण कर कचरा संग्रहण कार्य में संलग्न स्वच्छाग्राही महिलाओं से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि गांव को साफ-सुथरा रखने से गांव का वातावरण स्वास्थ्य के लिए अनुकूल होता है लोग कम बीमार पड़ते हैं। उन्होंने कचरा संग्रहण कार्य मे संलग्न स्वच्छाग्रहियों को 15 वें वित्त से मिलने वाले प्रोत्साहन राशि पर भी चर्चा की। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी पाली भूपेंद्र कुमार सोनवानी, जिला समन्वयक विमल धिरहि, दीप सरकार, कार्यक्रम अधिकारी सुरेश यादव, सत्य प्रकाश जायसवाल, श्याम प्रकाश सिंह, आलोक गुप्ता, जीवन लाल यादव, प्रकाश यादव सहित विभिन्न ग्रामों के सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक एवं स्वच्छता अभियान में अपनी भूमिका निभा रहीं महिलाएं उपस्थित थीं।

श्रमवीर स्टेडियम में भागवत से पहले निकली कलश यात्रा

कोरबा-दीपका, 13 दिसंबर (देशबन्धु)। दीपका के प्रगति नगर स्थित श्रमवीर स्टेडियम में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव का शनिवार को भव्य शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर सुबह 11 बजे श्रमवीर स्टेडियम प्रगति नगर से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में कर्मा नाचा नृत्य दल, ढोल-नगाड़ों की गूंज और भक्तिमय माहौल के बीच श्रीधाम वृंदावन से पधारे अंतरराष्ट्रीय कथा व्यास डॉ. श्यामसुंदर पाराशर जी महाराज की उपस्थिति रही। शोभायात्रा के पश्चात श्रमवीर स्टेडियम में पहले दिवस की श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ हुआ। कथा व्यास डॉ. श्यामसुंदर पाराशर महाराज ने भागवत महात्म्य एवं प्रारंभिक प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया, जिसे सुनने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। दीपका क्षेत्र के महाप्रबंधक संजय मिश्रा समेत नगर अनेक गणमान्य जन उपस्थित हुए।

राठौर क्षत्रिय सभा का चुनाव कराने पर्यवेक्षक नियुक्त

कोरबा-भिलाईबाजार, 13 दिसंबर (देशबन्धु)। राठौर क्षत्रिय सभा के आगामी चुनाव 14 दिसंबर को जांजगीर ऑडिटोरियम में संपन्न होगा। इसके लिए केंद्रीय पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है। इस हेतु जितेन्द्र सिंह राठौड़, राष्ट्रीय अध्यक्ष (युवा प्रकोष्ठ), चुलेश्वर राठौर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, रामनिवास राठौर, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, अशोक राठौड़, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाए गए हैं। चुनाव की संपूर्ण प्रक्रिया प्रांतीय अध्यक्ष सनत कुमार राठौर, चुनाव अधिकारी गोवर्धन राठौर, प्रदेश संयोजक केदार सिंह राठौर एवं उनकी टीम के नेतृत्व में संपन्न की जाएगी। चुनाव संचालन के लिए विभिन्न समितियों का गठन कर जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं।

विशाखापट्टनम एक्सप्रेस से कटी गाय, यात्री दुखी

कोरबा, 13 दिसंबर (देशबन्धु)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के कोरबा-चंपा रेल सेक्शन में शनिवार को सरगबुंदिया स्टेशन के आगे एक दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें एक गाय और उसके बछड़े की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। इस घटना के कारण लिंक एक्सप्रेस को काफी देर तक मौके पर रोका गया, जिससे ट्रेन लगभग एक घंटे विलंब से बिलासपुर पहुंची। इस घटना को लेकर यात्री दुखी भी हुए और चिंतित भी।

कोरबा से होकर दक्षिण भारत के विशाखापट्टनम के लिए चलने वाली लिंक एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय 4ः10 बजे कोरबा स्टेशन से रवाना हुई थी। ट्रेन अभी लगभग 20 किलोमीटर की दूरी ही तय कर पाई थी कि सरगबुंदिया स्टेशन से आगे यह हादसा हो गया। ट्रेन में सफर कर रहे यात्रियों के अनुसार, रेलवे ट्रैक के पास मौजूद एक गाय और उसका बछड़ा अचानक ट्रेन की चपेट में आ गए, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही लोको पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को रोका और स्टेशन प्रबंधन व जीआरपी को सूचित किया। मौके पर पहुंची टीम द्वारा मृत गोवंश को ट्रैक से हटाए जाने के बाद ही ट्रेन को आगे के लिए रवाना किया गया। इस हादसे के चलते लिंक एक्सप्रेस लगभग एक घंटे की देरी से बिलासपुर पहुंची। विलंब के कारण कई यात्रियों की कनेक्टिंग ट्रेनें छूट गईं, वहीं अनेक यात्रियों के कामकाज भी प्रभावित हुए।

सह प्रभारी बने राजीव सिंह का हुआ स्वागत

कोरबा, 13 दिसंबर (देशबन्धु)। भाजपा नेतृत्व ने डॉ. राजीव सिंह को रायपुर संभाग का सह प्रभारी नियुक्त किया है। कोरबा में कार्यकर्ताओं ने स्वागत करते हुए उत्साह दिखाया।

पाली से लेकर कटघोरा, दर्री, सीएसईबी चौक होते हुए भाजपा जिला कार्यालय में कार्यकर्ताओं ने स्वागत कार्यक्रम किया।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी, महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे। भाजपा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. राजीव सिंह ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ है। रायपुर संभाग की जिम्मेदारी संगठन ने जिस विश्वास के साथ सौंपी है, उस पर वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ खरे उतरने का प्रयास करेंगे। जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी ने कहा कि प्रदेश संगठन द्वारा डॉ. राजीव सिंह को रायपुर संभाग का सह प्रभारी जैसे महत्वपूर्ण दायित्व सौंपना उनके अनुभव, संगठनात्मक कौशल और समर्पण का सम्मान है। उनके मार्गदर्शन से संगठन को नई ऊर्जा और नई दिशा मिलेगी। इस अवसर पर एम.आई.सी. सदस्य हितानंद अग्रवाल, जिला महामंत्री संजय शर्मा, अजय विश्वकर्मा, जिला उपाध्यक्ष योगेश जैन, लक्की नंदा, सह कोषाध्यक्ष नवीन अरोड़ा, अर्जुन गुप्ता, शैलेन्द्र यादव, जिला आईटी सेल संयोजक अजय चन्द्रा, अमीलाल चौहान, प्रदीप सिंह, उदय श्रीवास्तव, दीपक चावड़ा, सूरज पांडेय, उत्तम जायसवाल, प्रकाश अग्रवाल की उपस्थिति रही।

डेढ़ करोड़ से बन रहे डिवाइडर को बीच में छोड़ा ठेकेदार ने

कोरबा, 13 दिसंबर (देशबन्धु)। टीपी नगर स्टेडियम से सीएसईबी चौराहे तक डेढ़ करोड़ की लागत से डिवाइडर बनाने का काम नगर निगम ने शुरू किया है। ठेकेदार ने शुरुआती दौर में उत्साह दिखाया और अब काम को छोड़ दिया है। लगभग महीनेभर से बंद पड़ा है।

गुरुद्वारा के सामने से आगे बिजली जोन ऑफिस तुलसी नगर तक सडक़ की डिवाइडर क्षतिग्रस्त है। इसकी मरम्मत को लेकर ध्यान नहीं दिया। कई जगह से डिवाइडर क्षतिग्रस्त हो गई है। काम में बाधा क्यों है, इस पर नगर निगम न तो ध्यान दे रहा है और न ही काम को शुरू करा रहा है।

इसी कड़ी में बांकीमोंगरा-कुसमुंडा मुख्य सडक़ की पुल-पुलिया की रेलिंग भी टूटी हुई है। हल्के और भारी वाहनों की आवाजाही के दौरान पुलिया पर नियंत्रण खोने से रेलिंग क्षतिग्रस्त हुआ है।

इसके बाद रेलिंग की मरम्मत पर ध्यान नहीं देते। सुरक्षित आवाजाही के लिए समय पर रेलिंग की मरम्मत कराकर राहत देना चाहिए। बांकीमोंगरा की तरफ से आने पर कुचैना मोड़ से पहले पुलिया पर अनियंत्रित हुए भारी वाहन ने पुलिया की रेलिंग को तोड़ दिया है।

लोगों के लिए अलाव की व्यवस्था की

कोरबा-पाली, 13 दिसंबर (देशबन्धु)। जिले में शीतलहर के असर से जन-जीवन में दिक्कत हो रही है। तापमान का पारा लुढक़ने से लोगों ने अपने स्तर पर सतर्कता दिखाई है। कई सामाजिक संगठन यहां-वहां अभावग्रस्त लोगों को गर्म कपड़े व कंबल बांटने में लगे हैं। वहीं सद्भाव पत्रकार संघ ने पाली में कुछ स्थान पर अलाव जलाया। यह काम इसलिए किया गया ताकि इस मौसम में मजबूरीवश रात में काम करने वाले लोगों को कुछ राहत मिल सके। बताया गया कि बस स्टैण्ड, हाईवे तिराहा, साप्ताहिक बाजार, लाफा मार्ग सहित कुछ जगह अलाव का इंतजाम किया गया है। इस कोशिश से लोगों को राहत मिली है और उन्होंने इस प्रयास को सराहा।

सुरजन को याद किया सीपीआई ने

कोरबा, 13 दिसंबर (देशबन्धु)। हिंदी साहित्य सम्मेलन और कई संगठन से जुडने् के साथ पत्रकारिता में सक्रिय रहे ललित सुरजन को उनकी पुण्यतिथि पर कम्युनिष्ट पार्टी ने याद किया। उनकी पांचवी पुण्यतिथि पर पार्टी ने विज्ञप्ति जारी कर कहा कि सुरजन ने पत्रकारिता और साहित्य के साथ समाज की सेवा की। वंचित, पीड़ित, शोषित लोगों के लिए उन्होंने हमेशा काम किया। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव कामरेड पवन कुमार वर्मा, सहसचिव कामरेड अनुप कुमार सिंह, सहसचिव कामरेड धर्मा राव, कोषाध्यक्ष कामरेड धर्मेंद्र तिवारी ने कहा कि ललित सुरजन अपने कार्यों के लिए लंबे समय तक याद किए जाएंगे।

बस का ब्रेक फेल, दूसरी को टक्कर मारने से 2 घायल

कोरबा, 13 दिसंबर (देशबन्धु)। नया बस स्टैंड टी.पी. नगर में एक बड़ा हादसा तब टल गया जब एक यात्री बस का ब्रेक फेल होने से खड़ी बस को टक्कर मार दी। इसकी वजह से बस में बैठे यात्री बाल-बाल बच गए। दो यात्रियों को हल्की चोट आई है। बस के सामने का शीशा भी टूट गया।

बताया गया कि उक्त बस कोरबा से हरदीबाजार के बीच चलती है। जानकारी के अनुसार दोपहर में बस यात्री लेकर नया बस स्टैंड पहुंची। इस दौरान बस का ब्रेक फेल हो गया। इसकी वजह से कोरबा से महेंद्रगढ़ के बीच चलने वाली एक बस को सामने से टक्कर मार दी। इस दौरान बस में करीब 20 यात्री सवार थे। इनमें से दो यात्रियों को हल्की चोट आई है। कुछ देर के लिए बस स्टैंड पहुंचे यात्री डर गए थे। बाद में यात्री बस अपने गंतव्य के लिए रवाना हुई।

दंतैल सहित 53 हाथी सक्रिय, लोग रहें सावधान

कोरबा, 13 दिसंबर (देशबन्धु)। कोरबा जिलान्तर्गत वन मंडल कटघोरा में 53 हाथी घूम रहे हैं। इनमें 52 हाथी जटगा रेंज में एक साथ हैं। तीन हाथी पसान रेंज में हैं। इधर पाली से बिलासपुर जिले की ओर गए दंतैल के वापस पाली रेंज लौटने की संभावना है। इसे देखते हुए वन विभाग ने अलर्ट जारी कर दिया है।

वन मंडल कोरबा में अब 14 हाथी बच गए हैं। एक दंतैल वापस धरमजयगढ़ वन मंडल की ओर लौट गया है। करतला रेंज में 11 और कुदमुरा रेंज में 3 हाथी घूम रहे हैं। ग्राम गीतकुंवारी में घूम रहे दो हाथियों ने धान और सब्जी की फसल को नुकसान पहुंचाया है। एक दंतैल अकेला ही घूम रहा है। बिलासपुर जिले की ओर गए दंतैल के ग्रामीणों पर हमले की सूचना है। दंतैल सालभर पहले भी इसी रूट पर आगे बढ़ा था। इसके बाद पाली होकर कोरबा वन मंडल आया था।

2.75 हजार उपभोक्ताओं की बिजली काटी सीएसईबी ने

433 करोड़ बिल अदा नहीं करने से नाराजगी

कोरबा, 13 दिसंबर (देशबन्धु)। पावर हब कोरबा जिले में बिजली बिल का भुगतान करने के मामले में शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्र में उपभोक्ता बहुत ज्यादा ध्यान नहीं दे रहे हैं। इसलिए यह बकाया 433 करोड़ रुपए पहुंच गया है। बिजली विभाग ने अब बकायादारों के कनेक्शन काटने की कार्यवाही शुरू कर दी है। एक महीने में 2782 उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटे गए हैं। इन पर 12 लाख 30 लाख रुपए का बिजली बिल बकाया था।

सीएसईबी के कार्यपालन अभियंता ने बताया कि इनमें से करीब 1 हजार उपभोक्ताओं ने 2 करोड़ 67 लाख रुपए का भुगतान कर दिया है। वहीं अन्य उपभोक्ताओं के घरों में अमला कनेक्शन काटने की कार्यवाही में जुटा है। जिले में घरों, प्रतिष्ठानों व शासकीय कार्यालयों में पुराने मीटर को बदलकर स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। जिले में जीनस कंपनी को स्मार्ट मीटर का ठेका मिला है। रिचार्ज प्लान तय नहीं होने के कारण स्मार्ट मीटर लगाने के तुरंत बाद प्रीपेड सिस्टम शुरू नहीं किया गया है। इस सिस्टम से खपत के हिसाब से बिजली उपभोक्ता रिचार्ज कराने पर ही बिजली का उपयोग कर पाएंगे। फिलहाल उपभोक्ताओं को खपत के हिसाब से अगले महीने बिल जारी किए जाते हैं। लंबे समय से कई उपभोक्ता बिजली बिल जमा ही नहीं कर रहे हैं। इन पर बिजली वितरण कंपनी ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है।

बिजली वितरण कंपनी, कोरबा सर्किल के एसई बी.के. सरकार ने जानकारी देते हुए बताया की माहभर में बिल जमा नहीं करने वाले 2782 उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटे गए हैं। उन उपभोक्ताओं के यहां भी विजिलेंस टीम पहुंच रही है, जो बकाया राशि जमा नहीं कर रहे हैं। मैदानी अमले की कमी से मैन्युअल तरीके से डिस्कनेक्शन की कार्रवाई प्रभावित होती है। बकाया जमा नहीं कर रहे उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटे जा रहे हैं। कंट्रोल रूम से कनेक्शन काटने की टेस्टिंग हुई है। इसका उपयोग कब से होगा, इस पर कोई गाइडलाइन नहीं आई है।

पोर्टल में जुड़वाएं खसरा नंबर तभी बेच सकेंगे धान

कोरबा, 13 दिसंबर (देशबन्धु)। कोरबा जिले के खरीदी केन्द्रों में धान बेचने पंजीयन कराने वाले सभी किसानों को सूचना जारी की गई है कि जिनके खसरे किसान पोर्टल में दर्ज हैं और एग्रीस्टेक पोर्टल में अपडेट फार्मर रिक्वेस्ट लंबित है, वे सभी खसरों को एग्रीस्टेक पोर्टल में जुड़वा लें।

धान उपार्जन की प्रक्रिया में शामिल किसान एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीकृत हों और एग्रीस्टेक पोर्टल में 11 अंकों का फार्मर आईडी बनाकर सभी खसरों का अंकन पूरा करें।

5 दिसंबर तक की स्थिति में आवेदन लंबित है, वे किसान खसरों को एग्रीस्टेक पोर्टल में खुद जोड़ें या संबंधित समिति के एग्रीस्टेक लॉगिन या लोक सेवा केंद्र से इसे कराएं। खसरा जोडने् के लिए ऋण पुस्तिका या बी-1, आधार कार्ड और आधार से लिंक मोबाइल नंबर जरूरी है। किसानों तक जानकारी पहुंचाने कोटवारों से मुनादी, ग्राम पंचायत और समितियों में लंबित किसानों की सूची चस्पा करने और कृषक मित्रों को घर-घर सूचना देने कहा गया है।

किसानों की सुविधा के लिए 20 दिसंबर तक जिले में विशेष शिविर लगेंगे। इसमें समिति प्रबंधक, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी और लोक सेवा केंद्रों के वीएलई टीम खसरे एग्रीस्टेक पोर्टल में जोडने् की कार्रवाई करेगी। एग्रीस्टेक पोर्टल में फार्मर आईडी नहीं बनाने वाले किसानों को यह आईडी बनवाकर 15 दिसंबर तक एकीकृत किसान पोर्टल में कैरी फॉरवर्ड कराने कहा गया है।

सार-संक्षेप

वोट चोर गद्दी छोड़ रैली में भाग लेने कांग्रेसी हुए दिल्ली रवाना

रायगढ़ 13 दिसंबर (देशबन्धु)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा 14 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित वोट चोर गद्दी छोड़ कार्यक्रम की विशाल रैली में भाग लेने रायगढ़ जिले से भी काफी संख्या में कांग्रेस नेता, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता अपने जिलाध्यक्ष शाखा यादव के नेतृत्व में शामिल होंगे।

राजधानी दिल्ली के रैली में शामिल होने के लिए सभी नेता और कार्यकर्ता रेल एवं हवाई मार्ग से दिल्ली रवाना हो रहे हैं। रेल मार्ग से जाने वाले नेता एवं कार्यकर्ता विभिन्न ट्रेनों से 12 दिसंबर को ही दिल्ली के लिए प्रस्थान कर रहे हैं। इस बात की जानकारी देते हुए जिला कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष शाखा यादव ने कि कांग्रेस का मानना है कि केंद्र सरकार, चुनाव आयोग के सहयोग से वोट चोरी कर लोकतंत्र को कमजोर कर रही है तथा संविधान में दिए गए अधिकारों को संकट में डाल रही है। लोकतंत्र एवं संविधान की रक्षा के लिए यह रैली ऐतिहासिक और निर्णायक सिद्ध होगी। इस विशाल रैली को सफल बनाने के लिए छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के साथ-साथ रायगढ़ जिले के सभी ब्लाक तहसीलों एवं ग्रामीण अंचलों से काफी संख्या में गर्मजोशी से कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता दिल्ली पहुंचेंगे।

एनटीपीसी लारा परियोजना ने मनाया गया 13वें स्थापना दिवस

रायगढ़ 13 दिसंबर (देशबन्धु)। एनटीपीसी लारा का 13 वां स्थापना दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथचक्रधर भवन (प्रशासनिक भवन) परिसर में आज दिनांक 13 दिसम्बर 2025 को मनाया गया।

इस अवसर पर महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) केशब चन्द्र सिंहाँ राय द्वाराएनटीपीसी ध्वज फहराया गया एवं कर्मचारियों को संबोधित कर लारा स्टेशन कीउपलब्धियों पर प्रकास डाला गया। इस वित्त वर्ष में नवम्बर अंत तक 89.66ऽ पीएलएफ पर7785.14 मिलियन यूनिट बिजली बनाया गया है, जो की पीएलएफ की दृष्टिसे पूरे एनटीपीसी में दूसरे स्थान पर है। नई परियोजना, नई तकनीक और यह प्रदर्शन बेहद सराहनीय है। श्री सिंहा राय ने कहा कि वित्त वर्ष की अंत तक लारा स्टेशन एनटीपीसी का 1-नंबर का स्टेशन बनने वाला है। स्टेज-2 का निर्माण कार्य के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा निर्माण कार्य तीव्र गति से चल रहा है, और उन्होने यह विश्वास जताया है की यह कार्य भी समय पर पूरा होगा।

इस अवसर पर केशब सिंहा राय ने कहा बहुत जल्द एनटीपीसी लारा देश का सबसे बड़ा पावरप्लांट बनने जा रहा है। नैगम सामाजिक दायित्व और सामुदायिक विकास के लिए एनटीपीसीलारा पूरी तरह समर्पित है। अनेक विकास कार्य के साथ साथ विद्यार्थियों, युवाओं को स्वरोजगार के मध्यम से आत्मनिर्भर बनाने कीयोजना बनाया जा रहा है। बालिका सशक्तिकरण अभियान का सफल आयोजन किया जा रहा है।

इस अवसर को यादगार मनाने के लिए, अशोक कुमार मिश्रा, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं ईंधन प्रबंधन), हेमंत पवगी, महाप्रबंधक (परियोजना), सीआईएसएफ के उप कमांडेंट महावीर सिंह, विभागाध्यक्ष, यूनियन एवं एसोसिएशन के पदाधिकारियों की उपस्थिति में केक काटा गया और गुब्बारे विमोचन किया गया। इस अवसर पर कर्मचारियों की जानकारी के लिए शुरू से लेकर आजतक लारा परियोजना का विकास पर प्रदर्शनी लगाई गई।

स्थापना दिवस को स्मरणीय बनाने के लिए प्रातः पौधरोपण अभियान किया गया, केशब चन्द्र सिंहा राय, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) की तत्वाधान में वृहद पौधारोपण कार्य किया गया।

एनएसएस शिविर में पुलिस का जागरूकता सत्र

रायगढ़ 13 दिसंबर (देशबन्धु)। खरसिया क्षेत्र के ग्राम फरकानारा में 12 दिसंबर को महात्मा गांधी महाविद्यालय खरसिया में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम में पुलिस अनुविभागीय अधिकारी खरसिया प्रभात पटेल ने छात्र-छात्राओं को आधुनिक समय में बढ़ते अपराधों और उनसे बचाव के उपायों पर व्यापक जानकारी प्रदान की।

सत्र के दौरान उन्होंने बालकों के अधिकारों और पॉक्सो एक्ट के कानूनी प्रावधानों को सरल भाषा में समझाते हुए बताया कि बच्चों से जुड़े अपराधों में त्वरित रिपोर्टिंग और संवेदनशीलता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने साइबर ठगी के बदलते स्वरूप, सोशल मीडिया पर होने वाले दुरुपयोग, ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी, ओटीपी और लिंक आधारित ठगी जैसे मामलों की रोकथाम के लिए युवाओं को जागरूक और सतर्क रहने की सलाह दी।

एसडीओपी ने उदाहरणों के माध्यम से यह भी स्पष्ट किया कि डिजिटल प्लेटफार्म पर छोटी सी चूक भी गंभीर अपराधों का कारण बन सकती है, इसलिए हर छात्र को व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत पुलिस को सूचना देने की जिम्मेदारी निभानी चाहिए। कार्यक्रम में शिक्षकगण, चैकी प्रभारी जोबी सहायक उप निरीक्षक लक्ष्मी राठौर तथा जोबी पुलिस स्टाफ मौजूद रहे। छात्रों ने पुलिस अधिकारियों से सवाल पूछकर सक्रिय भागीदारी दर्ज की और जागरूकता को दैनिक जीवन में अपनाने का संकल्प व्यक्त किया।

लामीगोड़ा में मां की हत्या का आरोपी बेटा गिरफ्तार

पुलिस ने किया फरसी बरामद

एमसीबी चिरमिरी, 13 दिसंबर (देशबन्धु)। जिले के पोड़ी थाना क्षेत्र के ग्राम लामीगोड़ा में बुधवार सुबह हुई घटना में मां की हत्या करने वाले आरोपी बेटे को पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर लिया।

मिली जानकारी के अनुसार, प्रार्थी अर्जुन सिंह ने थाना पोड़ी में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 10 दिसंबर की सुबह लगभग 9 बजे आरोपी अर्जुन सिंह (34 वर्ष) ने पारिवारिक विवाद के चलते अपनी मां शांति बाई (65 वर्ष) की लोहे की फरसी से वार कर हत्या कर दी। बताया गया कि आरोपी सुबह सोकर उठा और अपनी मां से चाय बनाने को कहा, जिस पर मामूली कहासुनी हुई और गुस्से में आरोपी ने घर में रखी फरसी से मां के गर्दन और कान के पास कई वार कर उनकी जान ले ली।

थाना पोड़ी में अपराध क्रमांक 109/2025 धारा 103(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस अधीक्षक एमसीबी श्रीमती रत्ना सिंह (भा.पु.से.) के निर्देश तथा नगर पुलिस अधीक्षक चिरमिरी श्रीमती दीपिका मिंज के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी पोड़ी ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में लिया।

पूछताछ में आरोपी ने अपराध स्वीकार किया, जिसके आधार पर उसका मेमोरेण्डम कथन लिया गया तथा आरोपित द्वारा घटना में प्रयुक्त लोहे की फरसी बरामद कर ली गई। आरोपी अर्जुन सिंह को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेज दिया गया है। इस पूरे प्रकरण में थाना प्रभारी पोड़ी निरीक्षक जवाहर लाल गायकवाड़, सउनि शेष नारायण सिंह, कमलेश पाण्डेय, प्रधान आरक्षक सुरसेन तिर्की, सन्तोष सिंह, विनय तिवारी, प्रदीप पाण्डेय सहित थाना स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

ढिमरापुर चौक में पलटा ट्रैक्टर, 7 लोग दबे

मजदूरों का चीख पुकार सुन दौड़े लोग

रायगढ़ 13 दिसंबर (देशबन्धु)। जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ढिमरापुर पुल के समीप शुक्रवार को दोपहर लगभग 12:30 बजे एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। रेत से भरा एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पुल से नीचे गिरकर पलट गया। इस दुर्घटना में ट्रैक्टर पर सवार कुल सात श्रमिक घायल हुए हैं। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, दो श्रमिकों को गंभीर चोटें आई हैं, जबकि शेष पाँच को मामूली आघात पहुँचा है।

मिली जानकारी के मुताबिक, दुर्घटनाग्रस्त ट्रैक्टर रेत परिवहन करते हुए ढिमरापुर से उर्दना की ओर जा रहा था। पुल के पास सामने से आ रहे एक मोटरसाइकिल सवार को बचाने के प्रयास में चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया, जिसके परिणामस्वरूप ट्रैक्टर पुल की रेलिंग तोड़कर नीचे पलट गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ट्रैक्टर के पलटते ही पाँच श्रमिक वाहन से दूर जा गिरे, जबकि दो श्रमिक पलटे हुए ट्रैक्टर और रेत के नीचे दब गए थे। स्थानीय नागरिकों ने तत्काल सक्रियता दिखाते हुए बचाव कार्य शुरू किया और दबे हुए श्रमिकों को बाहर निकाला। घटना की सूचना मिलने पर कोतवाली थाना पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुँचा। सभी घायल श्रमिकों को त्वरित उपचार के लिए रायगढ़ स्थित मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, गंभीर रूप से घायल दोनों श्रमिकों के पैरों में चोटें आई हैं और उनका सघन उपचार जारी है। इस संबंध में कोतवाली थाना प्रभारी, सुखनंदन पटेल ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया, हमें ढिमरापुर रोड पर ट्रैक्टर पलटने की जानकारी मिली थी।

नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्ण हुई

खरसिया ब्लाक के 1137 अभ्यर्थियों में 922 रहे उपस्थित

खरसिया, 13 दिसंबर (देशबन्धु)। खरसिया सहित रायगढ़ जिले में जवाहर नवोदय विद्यालय में हेतु प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्ण रूप से संपन्न हुई खरसिया ब्लाक के 1137 विद्यार्थियों ने आवेदन किया था जिसमें 922 अभ्यर्थियों ने उपस्थिति दर्ज कराते हुए परीक्षा दी। जवाहर नवोदय विद्यालय की पर्यवेक्षक श्रीमती निशा यादव और फातिमा फरीद ने सभी परीक्षा केंद्रों का भ्रमण कर स्थिति का जायजा लेते हुए निरीक्षण किया। परीक्षा दिला रहे बच्चों को प्रोत्साहित

करते हुए परीक्षा के संबंध में विस्तृत जानकारी दी और शांत चित्त से सभी प्रश्नों का हल करने और एक भी प्रश्न खाली नहीं छोड़ने की बात कही। शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल खरसिया में निरीक्षण करते हुए उन्होंने शांतिपूर्ण परीक्षा पर उन्होंने अपनी संतुष्टि व्यक्त की और उपस्थित शिक्षकों के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें आवश्यक निर्देश भी दिए। बच्चों के साथ पालक भी छात्रों के साथ पहुंचे थे। चयन परीक्षा को लेकर बच्चों के साथ पालकों में भी काफी उत्साह था। परीक्षा देने के बाद सभी बच्चों ने सरल प्रश्न पत्र होने की बात कहते हुए परीक्षा में अपनी सफलता की बात कही सरल प्रश्न पत्र को लेकर बच्चे काफी उत्साहित भी नजर आए। शासकीय हायर सेकंडरी स्कूल के प्राचार्य हेमंत यादव, शिक्षक रामगोपाल पटेल, मायाराम राठिया, श्रीमती अर्चना तिवारी, श्रीमती

खीर कुंवर ने परीक्षा संपन्न कराने में अपना विशेष योगदान दिया और परीक्षा दे रहे नन्हे परीक्षार्थियों को परीक्षा के संबंध में बहुत ही अच्छी तरह से समझाइश देते हुए प्रोत्साहित किया। बताते चलें कि जिले में कम से कम 75 प्रतिशत स्थान जिले के ग्रामीण क्षेत्रों से अस्थाई रूप से चयनित अभ्यर्थियों द्वारा भरे जाएगें और शेष स्थानों को जिले के आरक्षण मानदण्ड के अनुसार खुले तौर पर शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के उम्मीदवारों की योग्यता के आधार पर भरे जाएंगे। ग्रामीण क्षेत्र के कोटे के अन्तर्गत प्रवेश लेने के इच्छुक अभ्यर्थी को ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित किसी सरकारी/सरकारी सहायता प्राप्त/सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त विद्यालय से तीसरी, चौथी तथा पांचवी कक्षा में पूर्ण शैक्षणिक सत्र में अध्ययन किया हो हालांकि अभ्यर्थी ने कक्षा-5 में पूर्ण शैक्षणिक सत्र में उसी जिले के ग्रामीण क्षेत्र में अध्ययन किया हो, जहां वह प्रवेश चाहता है।

ओडिशा से लापता नाबालिग बरामद

रायगढ़ 13 दिसंबर (देशबन्धु)। चक्रधरनगर पुलिस ने थानाक्षेत्र से लापता हुई किशोर बालिका को ओडिशा से सकुशल दस्तयाब करते हुए उसे बहला-फुसलाकर भगाने वाले आरोपी युवक को गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया में रिमांड पर भेज दिया है। बीते 25 नवंबर को बालिका की मां ने थाना चक्रधरनगर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी बेटी 24 नवंबर की शाम से लापता है और किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसे अपने साथ ले जाया गया है। रिपोर्ट पर थाना चक्रधरनगर में धारा 137(2) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई।

जांच में सामने आया कि बालिका आदित्य दुबे नामक युवक के संपर्क में थी, जो घटना के बाद अपने कार्यस्थल से गायब हो गया था और उसका मोबाइल फोन भी बंद मिला। पुलिस ने तकनीकी और मानव स्त्रोतों की मदद से आरोपी की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी। इसी दौरान उसके देवगढ़, ओडिशा में छिपे होने की जानकारी मिली, जिस पर पुलिस टीम तत्काल एएसआई नंद कुमार सारथी के नेतृत्व पुलिस टीम देवगढ़ रवाना हुई और आरोपी को पकड़ लिया। उसके कब्जे से नाबालिग बालिका को भी सकुशल बरामद किया गया। पूछताछ में बालिका ने बताया कि आरोपी ने उसे शादी का प्रलोभन देकर मोटरसाइकिल से अपने साथ भगा ले गया था।

बालिका का महिला उप निरीक्षक वीना साहू से कथन दर्ज कराया गया और उसका मेडिकल परीक्षण भी कराया गया। आरोपी आदित्य दुबे के विरुद्ध प्रकरण में धारा 87, 64(2)(एम) बीएनएस, 6 पॉक्सो एक्ट जोड़ी गई है। आज आरोपी को गिरफ्तार कर रिमांड पर भेजा गया। पूरी कार्रवाई में प्रभारी थाना चक्रधरनगर उप निरीक्षक गेंदलाल साहू, सहायक उप निरीक्षक नंद कुमार सारथी, आरक्षक शैलेन्द्र पैंकरा और महिला आरक्षक दरोथिया किण्डो की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

कैबिनेट मंत्री श्राजेश अग्रवाल ने गुमगरा खुर्द पीएचसी के नए भवन का किया लोकार्पण

ग्रामीणों को बेहतर रात्रिकालीन सेवाओं का दिया भरोसा

अम्बिकापुर, 13 दिसंबर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने सरगुजा जिले के लखनपुर ब्लाक के ग्राम पंचायत गुमगरा खुर्द में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) के आधुनिक नए भवन का फीता काटकर औपचारिक लोकार्पण किया। इस नवीन सुविधा का उद्घाटन ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो क्षेत्रीय विकास की राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। लोकार्पण समारोह के दौरान मंत्री श्री अग्रवाल ने स्वास्थ्य केंद्र के स्टाफ को स्पष्ट निर्देश दिए कि ग्रामीणजन को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने विशेष रूप से रात्रिकालीन सेवाओं पर जोर देते हुए कहा कि इसमें किसी भी प्रकार की कमी या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

स्टाफ को कर्तव्यनिष्ठा, सतर्कता और समर्पण के साथ सेवा प्रदान करने का आग्रह किया गया, ताकि दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ और विश्वसनीय बनी रहें।

इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों, ग्रामवासियों और स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति रही। नए भवन से अब जांच, उपचार और दवा वितरण जैसी सेवाएं अधिक प्रभावी ढंग से उपलब्ध होंगी, जो विशेषकर आपातकालीन स्थितियों में ग्रामीणों के लिए वरदान साबित होगी। मंत्री ने कहा कि सरकार ग्रामीण स्वास्थ्य को प्राथमिकता दे रही है और ऐसी योजनाओं को निरंतर आगे बढ़ाया जाएगा।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश, कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा उप जेल का निरीक्षण

एमसीबी, 13 दिसंबर (देशबन्धु)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निर्देशानुसार तथा माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा रिट याचिका (सी) क्रमांक 1404/2023 सुकन्या संस्था बनाम यूनियन ऑफ इंडिया एवं अन्य में पारित निर्णय के अनुपालन में आज उप जेल मनेन्द्रगढ़ का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण दल में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री शैलेश कुमार तिवारी, कलेक्टर श्री डी. राहुल वेंकट, पुलिस अधीक्षक श्रीमती रत्ना सिंह, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री लोकेश कुमार बंजारा, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती अमृता दिनेश मिश्रा तथा जिला विजिटर बोर्ड के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान बंदियों को निरुद्ध अवधि में प्राप्त होने वाले अधिकारों एवं मूलभूत सुविधाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। अधिकारियों द्वारा यह सुनिश्चित किया गया कि सभी बंदियों को समय पर विधिक सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं तथा उनके साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जा रहा है। निरीक्षण बोर्ड ने बंदियों से प्रत्यक्ष संवाद कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों को सुना। दल द्वारा उप जेल के अधोसंरचना, बैरकों की स्थिति, बंदियों के उपयोग हेतु उपलब्ध शौचालयों की स्वच्छता एवं रख-रखाव की समीक्षा की गई। साथ ही बंदियों को प्रदत्त भोजन की गुणवत्ता की भी जांच की गई। निरीक्षण के

दौरान जेल परिसर में किसी भी प्रकार का जातिगत अथवा अन्य भेदभाव नहीं पाया गया।

इसके अतिरिक्त जेल परिसर में स्थापित लीगल एड क्लीनिक का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध सुविधाओं तथा बंदियों को प्रदान की जा रही विधिक सहायता की स्थिति का अवलोकन किया गया। उल्लेखनीय है कि माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय दिनांक 03 अक्टूबर 2024 के निर्देशों के अनुपालन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला विजिटर बोर्ड, एमसीबी द्वारा प्रत्येक तिमाही उप जेल मनेन्द्रगढ़ का निरीक्षण किया जाता है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि जेल में निरुद्ध बंदियों को सभी विधिक एवं मूलभूत सुविधाएं समय पर उपलब्ध हों तथा उनके साथ किसी प्रकार का भेदभाव न हो।

लंबे मकान में अरसे से चल रहा देह व्यापार तेलिकोट और मदनपुर के बीच है मकान

आसपास के निवासियों ने कहा बिगड़ रहा क्षेत्र का वातावरण युवा और छात्र प्रभावित हो रहे

खरसिया, 13 दिसंबर (देशबन्धु)। खरसिया के तेलिकोट और मदनपुर के बीच स्थित एक लंबे मकान को लेकर स्थानीय आसपास के ग्रामीणों मोहल्लेवासीयों में भारी रोष है। उनका आरोप है कि इस मकान में लंबे समय से देह व्यापार चल रहा है, जिसकी वजह से आसपास के क्षेत्र का माहौल बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। इसी मकान के ठीक बगल में मात्र 100 मीटर की दूरी पर तहसीलदार, जज साहब और कई सरकारी कर्मचारी रहते हैं, लेकिन इसके बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार, हाल ही में जब लोगों ने संदिग्ध गतिविधियों को देखकर चार व्यक्तियों को मकान से निकलते हुए पकड़ा, तो दो लोग भाग गए जबकि दो को मोहल्लेवासियों ने पकड़ लिया। पकड़े गए लोगों से प्राथमिक पूछताछ की गई और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। लेकिन आस-पास के निवासियों का कहना है कि पुलिस ने मौके पर आने के बजाय यह कहते हुए टाल दिया कि पहले सरपंच से हस्ताक्षर सहित लिखित शिकायत लेकर आएं, तभी कार्रवाई होगी। इस रवैये से आक्रोशित ग्रामीणों का कहना है कि जब

प्रशासन और पुलिस को पहले से इस अवैध गतिविधि की जानकारी है, तब भी कोई सख्त कदम न उठाना गंभीर लापरवाही है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र का वातावरण लगातार बिगड़ रहा है, युवा और छात्र प्रभावित हो रहे हैं, और कानून व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो वे सामूहिक रूप से प्रदर्शन करने पर मजबूर होंगे। स्थानीय लोग प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि अवैध गतिविधियों में लिप्त इस मकान पर त्वरित छापा मारा जाए, आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए, और क्षेत्र की सुरक्षा के लिए स्थाई कदम उठाए जाएं। ग्रामीणों ने साफ कहा है कि वे अब इस स्थिति को सहन नहीं करेंगे और न्याय मिलना ही चाहिए।

जिला पंचायत सदस्य अनिता सिंह श्याम ने प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम से की मुलाकात

क्षेत्रीय समस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर रखीं प्रमुख मांगें

एमसीबी, 13 दिसंबर (देशबन्धु)। जिला पंचायत पंचायत सदस्य अनिता सिंह श्याम ने जिले के प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम से उनके निज निवास में सौजन्य भेंट कर क्षेत्र की जनता द्वारा लंबे समय से उठाई जा रही समस्याओं को विस्तार से रखा। उन्होंने मंत्री से आग्रह किया कि जनसुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर जल्द कदम उठाते हुए आमजन को राहत प्रदान की जाये। मुलाकात के दौरान अनिता सिंह ने ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट, जर्जर सड़कों की मरम्मत, बिजली व्यवस्था में सुधार, हैंडपंपों की नियमित जांच, स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार, तथा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र परिवार तक पहुंचाने जैसी महत्वपूर्ण मांगें रखीं। उन्होंने बताया कि कई गांवों में सड़क मार्ग खराब होने से आवाजाही में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है वहीं कुछ क्षेत्रों में पेयजल उपलब्धता बाधित होने से लोगों को काफी दिक्कतें झेलनी पड़ रही हैं।

प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम ने जिला पंचायत सदस्य अनिता सिंह की बातों को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि क्षेत्रवासियों की समस्याओं के

निराकरण के लिये विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किये जायेंगे। उन्होंने कहा कि जनहित के मुद्दों पर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी और जरूरत पड़ने पर वे स्वयं मौके पर निरीक्षण कर समाधान सुनिश्चित करेंगे।

अनिता सिंह श्याम ने प्रभारी मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मंत्री की सक्रियता और संवेदनशीलता से क्षेत्र में विकास कार्यों को नई गति मिलेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि उठाए गये मुद्दों के समाधान से ग्रामीणों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा और जिले की विकास प्रक्रिया मजबूत होगी।

सार-संक्षेप

आयरन युक्त, एनीमिया से मुक्त अभियान के तहत प्रशिक्षण

सारंगढ़, 13 दिसंबर (देशबन्धु)। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे के निर्देशानुसार जिले एनीमिया मुक्त के लिए अभियान चलाई जा रही है स्वामी आत्मानंद स्कूल सरसीवां में आयोजित 5 दिवसीय एफएलएन आधारित नवीन पाठ्य पुस्तक प्रशिक्षण में जहां 65 शिक्षकों का प्रशिक्षण चल रहा है वहां जिले मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एफ आर निराला ने शिक्षकों को आयरन युक्त, एनीमिया मुक्त के बारे में विस्तार से बताया बच्चों को एनीमिया याने रक्त अल्पता (खून की कमी) होने से बच्चों पर क्या प्रभाव पड़ता है इससे स्कूल की उपस्थिति से साथ वार्षिक रिजल्ट पर भी प्रभाव पड़ता है ।

बच्चों में एनीमिया मुक्त अभियान के लिए संतुलित आहार भी जरूरी है बच्चों की एक्टिविटी के हिसाब से एक निश्चित मात्रा में ऊर्जा की जरूरत होती है जिसे उनके खानपान से पूर्ति की जाती है इसलिए उनके खाने में निम्न अवयव जरूर शामिल हो जैसे प्रोटीन ,कार्बोहाइड्रेट ,वसा , सूक्ष्म लवण ,विटामिन और पानी की पर्याप्त मात्रा बच्चों के भोजन में होना चाहिए। इस प्रशिक्षण में मुख्य रूप से अमित कुमार केशरवानी प्रभारी ,प्रशिक्षण प्रभारी चैतन्य कुमार साहू , श्रीमती छाया साहू ,मनीष कुमार साहू , घनश्याम साहू पुरंदर सेठ , हरि विजय चंद्रा ,प्रशांत केशरवानी , कार्तिकेश्वर साहू ,शोभाराम साहू ,भागवत साहू रामाधीन जायसवाल ,दिनेशकुमार खूंटे , ममता राय, आशा बघेल , सुनीता साहू ,इंदु दीवान ,सीमा साहू ,अनुसुइया चौधरी , मीणा नेताम , नंदा साहू , दिव्या साहू , विनय भूषण ,हेमंत साहू ,अनीता भास्कर ,निर्मला मानिकपुरी ,वृंदा मानिकपुरी , ओमप्रकाश साहू आदि उपस्थित रहे।

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने दिव्यांग बच्चों के विद्यालय उम्मीद बरमकेला का किया निरीक्षण

मंदबुद्धि बच्चों से किया बातचीत, जाना हालचाल

सारंगढ़, 13 दिसंबर (देशबन्धु)। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने बरमकेला में उन्नायक सेवा समिति रायगढ़ द्वारा संचालित संस्था उम्मीद बरमकेला (आशा की एक किरण) का आकस्मिक निरीक्षण किया, जहां उन्होंने दिव्यांग बच्चों के स्वास्थ्य संबंधी, रहन-सहन और खान-पान, शिक्षा के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने दिव्यांग बच्चों के विद्यालय और कक्षाओं का निरीक्षण करते हुए साफ-सफाई और बुनियादी सुविधाओं का जायजा लिया।

उन्होंने शिक्षकों और कर्मचारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए बच्चों को सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने छात्राओं से संवाद करते हुए उनकी समस्याओं और जरूरतों को समझा और उन्हें बेहतर पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित किया। कलेक्टर ने बच्चों से नाम, पहाड़ा, गिनती, गांव के नाम पूछा। एक बच्चे ने 2 का पहाड़ा पूरा सुनाया। कलेक्टर से मुलाक़ात और बातचीत से बच्चों के चेहरे में बहुत ख़ुशी दिखाई दी। दिव्यांग विद्यालय में श्रवण बाधित, अस्थिबाधित, अल्प दृष्टिबाधित, मानसिक मंद, बहु-दिव्यांग, अधिगम अक्षमता बच्चे अध्यनरत हैं। इस संस्था में केयर टेकर सहित अन्य सहकार्मियों के साथ मिलकर लगभग 27 बच्चों की शिक्षा की जिम्मेदारी एवं उनके बौद्धिक विकास के लिए सतत प्रयत्नशील है। निरीक्षण के दौरान डिप्टी कलेक्टर शिक्षा शर्मा,पुष्पेंद्र राज तहसीलदार बरमकेला, कोमल प्रसाद साहू नायब तहसीलदार, उपस्थित थे।

राजेन्द्र सिदार का मनरेगा कार्य करते हुई मौत

कलेक्टर डॉ कन्नौजे की स्वीकृति से दिवंगत पत्नी ललिता सिदार को दिया गया 25 हजार का चेक

सारंगढ़, 13 दिसंबर (देशबन्धु)। डॉ संजय कन्नौजे के दिशा निर्देश पर बरमकेला विकासखंड के ग्राम पंचायत जामपाली निवासी ललिता सिदार के पति राजेन्द्र सिदार का मनरेगा कार्य स्थल में मौत हो जाने पर उनके पत्नी ललिता सिदार को जनपद पंचायत बरमकेला में सीईओ अजय पटेल, सुधा कश्यप एवं मनरगा पीओ के द्वारा आर्थिक सहायता राशि 25 हजार का चेक प्रदान किया। इस दौरान सरपंच दामिनी नरेश साहू और रोजगार सहायक उपस्थित थे।

धान खरीदी को आसान बनाने अब दिन-रात कभी भी मिलेगा तूहर टोकन

जांजगीर, 13 दिसंबर (देशबन्धु)। प्रदेश के किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए तूहर टोकन ऐप को अब 24.7 खोल दिया गया है। अब मोबाइल एप से टोकन काटने के लिए किसी निर्धारित समय की बाध्यता नहीं रहेगी। किसान दिन-रात किसी भी समय अपनी सुविधा के अनुसार टोकन बुक कर सकेंगे।

अब किसान 13 जनवरी तक अगले 20 दिनों तक के लिए टोकन ले सकते हैं।इससे किसानों को धान विक्रय की योजना बनाने और टोकन प्राप्त करने में पर्याप्त समय मिलेगा तथा भीड़ और तकनीकी दबाव की समस्या से राहत मिलेगी। इसके साथ ही राज्य सरकार द्वारा 2 एकड़ एवं 2 एकड़ से कम रकबा वाले किसान अब 31 जनवरी तक तूहर टोकन ऐप से टोकन ले सकेंगे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर लघु किसनों के लिए यह सुविधा मुहैया कराई गई है । उल्लेखनीय है कि टोकन प्रत्येक सहकारी समिति को आबंटित सीमा के भीतर ही जारी किए जाएंगे। किसानों से आग्रह है कि वे समय रहते तूहर टोकन ऐप के माध्यम से टोकन प्राप्त करें और किसी भी असुविधा से बचें। किसानों की सुविधा और पारदर्शी व्यवस्था हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मध्यान्ह भोजन खाकर दर्जन भर बच्चे हुए फूड पॉइजनिंग के शिकार

जांजगीर, 13 दिसंबर (देशबन्धु)। जिले से एक बड़ी खबर सामने आई है। नवागढ़ विकासखंड के मिडिल स्कूल चौराभांठा में आज मध्यान्ह भोजन करने के बाद दर्जन भर से अधिक बच्चे फूड पॉइजनिंग का शिकार हो गए। बताया जा रहा है कि बच्चों ने मध्यान्ह भोजन के अंतर्गत खीर-पूड़ी का सेवन किया था, जिसके कुछ ही देर बाद कई बच्चों की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी।

भोजन करने के बाद बच्चों को तेज पेट दर्द, उल्टी और घबराहट की शिकायत हुई, जिससे स्कूल परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए स्कूल प्रबंधन द्वारा तत्काल 108 एंबुलेंस को सूचना दी गई। इसके बाद सभी प्रभावित बच्चों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नवागढ़ में भर्ती कराया गया। स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों की टीम द्वारा बच्चों का उपचार किया जा रहा है। चिकित्सकों के अनुसार फिलहाल सभी बच्चों की स्थिति सामान्य और नियंत्रण में बताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही शिक्षा विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। भोजन के नमूनों को जांच के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। प्रशासन ने पूरे मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रकरण में जिला प्रशासन की त्वरित कार्रवाई

विकासखण्ड नवागढ़ अंतर्गत शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय चौराभांठा में मध्यान्ह भोजन ग्रहण करने के पश्चात कुछ विद्यार्थियों द्वारा पेट दर्द और गले में खराश की शिकायत किए जाने के मामले में कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन में जिला प्रशासन द्वारा तत्परता के साथ आवश्यक कदम उठाए गए। कलेक्टर के निर्देश पर जिला शिक्षा अधिकारी एके सिन्हा, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) जांजगीर सुब्रत प्रधान ,थाना प्रभारी एवं खाद्य निरीक्षक द्वारा विद्यालय एवं मध्यान्ह भोजन स्थल का निरीक्षण कर बच्चों के स्वास्थ्य की समीक्षा की गई। साथ ही खाद्य सामग्री के नमूनों की जांच की प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी गई है।

एसडीएम जांजगीर द्वारा आदेश जारी कर राहुल महिला स्व-सहायता समूह चौराभांठा को मध्यान्ह भोजन संचालन कार्य से पृथक कर दिया गया है। वहीं संबंधित प्रधान पाठक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

4 बच्चों को बुखार की शिकायत पर निगरानी में रखा गया

चिकित्सकों द्वारा सभी विद्यार्थियों का परीक्षण कर आवश्यक उपचार प्रदान किया गया। जांच उपरांत ओआरएस घोल एवं पेट दर्द की दवाइयां दी गईं। एहतियातन 4 बच्चों को बुखार की शिकायत पर चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है। वर्तमान में सभी बच्चों की स्थिति सामान्य है।

बच्चों को उपचार के पश्चात सुरक्षित रूप से घर पहुंचाया गया है।

डॉ.चरण दास महंत के जन्मदिवस पर जरुरतमंदों को कंबल वितरण

चांपा , 13 दिसंबर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. चरण दास महंत के 13 दिसंबर को जन्मदिवस के अवसर पर उनकी भावनाओं के अनुरूप सेवा कार्य किया गया। डॉ. महंत ने अपील की थी कि व्यक्तिगत शुभकामनाएं देने के बजाय जरूरतमंदों की सहायता की जाए या पर्यावरण संरक्षण हेतु पौधरोपण किया जाए।

इसी क्रम में शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा बिसाहू दास महंत शासकीय चिकित्सालय, चांपा में मरीजों एवं उनके परिजनों को ठंड के मौसम को ध्यान में रखते हुए कंबल का वितरण किया गया। यह वितरण जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता एवं पूर्व पार्षद नागेंद्र गुप्ता के सौजन्य से संपन्न हुआ। कार्यक्रम के माध्यम से डॉ. चरण दास महंत को जन्मदिवस की शुभकामनाएं भी प्रेषित की गईं।

इस अवसर पर कार्यकारी ब्लॉक अध्यक्ष सुनील साधवानी, जिला प्रवक्ता नागेंद्र गुप्ता, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष जय थवाईत, पूर्व आयोग सदस्य विष्णु विश्वकर्मा, चांपा ब्लॉक मंडल अध्यक्ष अनिल मोदी, राज सरोज, जिला उपाध्यक्ष उमेश तिवारी, किशन सोनी, नेता प्रतिपक्ष हरीश पांडेय, पार्षद ललित देवांगन, तमिन्द्र देवांगन, पवन साहू, पुरुषोत्तम देवांगन, पवन आर्य, गिरधर देवांगन, राजेश्वर मिश्रा, श्रीमती रामबाई स्वर्णकार, पूर्व पार्षद डुग्गु प्रधान, गोविन्द देवांगन, अनिता प्रकाश, गोविंदा वैष्णव, इकबाल अंसारी, जफर अंसारी, राकेश जोशी, परदेशी केंवट, विष्णु गाड़ा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा 22 को जांजगीर में

करेंगे विशाल जनसभा को संबोधित

जांजगीर, 13 दिसंबर (देशबन्धु)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जगतप्रकाश नड्डा का जांजगीर आगमन आगामी 22 दिसंबर को प्रस्तावित है। छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर पुलिस ग्राउंड, हेलीपेड खोखरा जांजगीर में एक विशाल जनसभा का आयोजन किया जाएगा,जिसमें उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं आमजन को वे संबोधित करेंगे।

इस कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, मंत्रीगण, सांसद, विधायक सहित प्रदेश, संभाग एवं जिला संगठन के सभी प्रभारी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष के आगमन की तैयारियों को लेकर आज जिला प्रशासन एवं भाजपा संगठन की संयुक्त टीम ने हेलीपेड स्थल का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान खनिज विकास निगम के अध्यक्ष सौरभ सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता नारायण चंदेल, जिलाध्यक्ष अंबेश जांगड़े, जिला उपाध्यक्ष पंकज अग्रवाल, समीर शुक्ला, कोषाध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह, आईटी सेल के जिला संयोजक अनिल शर्मा एवं सोशल मीडिया के जिला संयोजक गौरव तिवारी उपस्थित रहे।

जिला प्रशासन की ओर से जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायत सीईओ सहित प्रशासन की पूरी टीम मौजूद रही।

भाजपा संगठन द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष के स्वागत एवं कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर जिलाध्यक्ष अंबेश जांगड़े ने रविवार को शाम 4 बजे भाजपा कार्यालय जांजगीर में कार्यकर्ताओं की एक आवश्यक बैठक भी बुलाई है।

पुलिस का वार्षिक फायरिंग अभ्यास प्रारंभ

जांजगीर, 13 दिसंबर (देशबन्धु)। जिले के पुलिस जवानों की निशानेबाजी क्षमता, आत्मविश्वास एवं हथियार संचालन कौशल को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से वार्षिक फायरिंग अभ्यास का आयोजन किया जा रहा है। यह अभ्यास बलौदा क्षेत्रांतर्गत स्थित जर्वे फायरिंग रेंज में दिनांक 12 दिसंबर 2025 से प्रारंभ हुआ है।

पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में आयोजित इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य पुलिस बल की कार्यकुशलता बढ़ाने के साथ-साथ आपात परिस्थितियों से निपटने की तैयारी को और मजबूत करना है। फायरिंग अभ्यास के दौरान पुलिस अधिकारियों एवं जवानों को विभिन्न आधुनिक हथियारों के सुरक्षित एवं प्रभावी उपयोग का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान सभी सुरक्षा मानकों का पूर्णत: पालन किया जा रहा है तथा वरिष्ठ अधिकारियों की सतत निगरानी में अभ्यास संपन्न कराया जा रहा है। इस अवसर पर रक्षित निरीक्षक प्रदीप कुमार जोशी ने पुलिस कर्मियों को संबोधित करते हुए अनुशासन, सतर्कता एवं निरंतर अभ्यास के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम पुलिस बल को किसी भी चुनौतीपूर्ण एवं आपात स्थिति से निपटने में सक्षम बनाते हैं।

भारतीय कला और संस्कृति पर रंगोली से सजा केशरी परिसर

जांजगीर, 13 दिसंबर (देशबन्धु)। केशरी शिक्षण समिति, खोखरा जांजगीर बीएड महाविद्यालय में भारतीय कला और संस्कृति थीम पर रंगोली प्रतियोगिता का भव्य आयोजन केशरी शिक्षण समिति के संचालन डॉक्टर सुरेश यादव के मार्गदर्शन में हुआ। उन्होंने संदेश दिया कि भारत की पहचान उसकी विविध कला, परंपराएँ और संस्कृति में बसती है। विद्यार्थी जब अपने हाथों से इन्हें रंगों में ढालते हैं, तो वे अपनी जड़ों से और गहरा संबंध महसूस करते हैं। उनके संदेश ने छात्रों में ऊर्जा, उत्साह और देशप्रेम की भावना को प्रबल किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या डॉ. रेखा तिवारी ने की। उन्होंने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि शिक्षा तभी सार्थक है जब वह संस्कारों और संस्कृति को संरक्षित रखने की जिम्मेदारी भी सिखाए। उन्होंने विद्यार्थियों को भारतीय कला-विरासत को सहेजकर आगे बढ़ाने का संदेश दिया। प्रतियोगिता में बी.एड प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष के प्रशिक्षार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी प्रतिभागियों की रंगोलियाँ अत्यंत सराहनीय रहीं। किसी ने वारली, मधुबनी और गोंड कला के माध्यम से लोककला को जीवंत किया, तो किसी ने भारत की नृत्य-परंपराएँ, त्योहार, धार्मिक स्थलों और ऐतिहासिक धरोहरों को रंगों की बुनावट में सजाया। तिरंगे की शोभा व लोककथाओं के भाव भी अनेक डिजाइनों में दिखाई दिए, जिससे पूरा परिसर भारतीयता के रंग में रंग उठा। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्रीमती स्वाति कश्यप (प्रभारी), जितेंद्र तिवारी, श्रीमती आशा तिवारी तथा सुश्री राखी पांडेय का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। प्रभारी के रूप में श्रीमती स्वाति कश्यप ने संपूर्ण आयोजन का कुशलतापूर्वक संचालन किया। वहीं अन्य शिक्षकों ने भी कला-संस्कृति के महत्व पर विद्यार्थियों को निरंतर प्रोत्साहित करते हुए उनके उत्साह को बढ़ाया। विद्यालय सदैव भारतीय संस्कृति के संरक्षण, सम्मान और प्रसार के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित करता रहा है—और यह आयोजन उसी दिशा में सार्थक प्रयास रहा। निर्णायक मंडल ने उपस्थित रंगोलियों का मौलिकता, रंग-संतुलन और विषय-प्रस्तुति के आधार पर मूल्यांकन किया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति के प्रति गर्व, सृजनशीलता और सामाजिक सहभागिता के भाव को विकसित करना था। समापन अवसर पर प्राचार्या डॉ. रेखा तिवारी ने विश्वास व्यक्त किया कि युवा पीढ़ी भविष्य में हमारी सांस्कृतिक विरासत को और अधिक चमकदार स्वरूप में विश्व पटल पर स्थापित करेगी।

डभरा से छपोरा मुख्य सड़क मार्ग धूल से सराबोर

धूल से राहगीर परेशान

डभरा, 13 दिसंबर (देशबन्धु)। डभरा से छपोरा मुख्य सड़क मार्ग में मरम्मत के नाम डस्ट मिले गिट्टी को सड़क मार्ग में बिछाया जा रहा है। खाना पूर्ति के लिए सड़क मरम्मत कार्य कराया जा रहा है गुणवत्ताविहीन गिट्टी डस्ट को मिलाकर सड़क मार्ग में बिछाया जा रहा है जिस कारण सड़क पर धूल के गुब्बारे उड़ रहे है। इस मार्ग पर आने जाने वाले राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही सड़क किनारे बसे ग्राम सुखापाली कुसुमझर बासीन घोघरी खोंधरआवास पारा एस डी एम कार्यालय विकास खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय सड़क की धूल से गुलजार हो रहे है सड़क किनारे घर एवं दुकानों में धूल की परत जम गई है दुकानों के सामान खराब हो रहे है ग्रामीणों का जीना मुश्किल हो गया है। वही सड़क की धूल से लोगों को श्वास खांसी चर्मरोग से प्रभावित हो रहे है।

उल्लेखनीय है कि डभरा से छपोरा मुख्य सड़क मार्ग की हालत बहुत खराब है जिसे लेकर शासन द्वारा सड़क मरम्मत कार्य के लिए लगभग 9 करोड़ रूपये राशि स्वीकृत की गई है। वही सड़क ठेकेदार मरम्मत कार्य धीमी गति से कर रहा है। घटिया स्तर का मेटेरियल डस्ट मिले गिट्टी को सड़क में बिछाया जा रहा है।मरम्मत कार्य के नाम पर सड़क मार्ग में लगे डामरीकरण को उखाड़ रहा है। कई जगहों के पुराने डामरीकरण सड़क को नहीं उखाड़ा गया है।जिससे सड़क मार्ग पर भारी वाहनों की आवाजाही हो रही है लगातार रातदिन बड़े बड़े वाहन दौड़ रही है जिस कारण सड़क पर धूल के गुब्बारे उड़ रही है। जबकि विभाग एवं ठेकेदार को प्रतिदिन डभरा से छपोरा मार्ग तक प्रति दिन पानी छिड़काव करना चाहिए परंतु ऐसा नहीं किया जा रहा है ठेकेदार द्वारा कभी कभार कुछ जगहों पर दिखावा के पानी छिड़काव किया जा रहा है। नियमित सड़क पर पानी का छिड़काव नहीं होने से लोगों एवं आस पास दुकानदार ग्रामीणों का जीना मुश्किल हो गया है। सड़क मार्ग का धूल घरों में घुस रहा है। जबकि ग्रामीणों द्वारा कई बार ठेकेदार को प्रतिदिन सड़क पर पानी छिड़काव करने के लिए कह चुके है इसके बाद भी लोकनिर्माण विभाग के अधिकारी एवं स्थानीय प्रशासन ध्यान नहीं दे रही है।

धान खरीदी केंद्र कांसा में भारी लापरवाही की जा रही

डभरा, 13 दिसंबर (देशबन्धु)। तहसील डभरा क्षेत्र के अंतर्गत धान खरीदी केंद्र कांसा में गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक धान खरीदी प्रभारी द्वारा एक किसान का बिना टोकन कटवाए ही 120 कट्टी धान मंडी परिसर में रखवा दिया गया।

इतना ही नहीं, किसान को धान पलटी कराने के लिए बरदाना भी उपलब्ध करा दिया गया, जिससे अन्य किसानों में नाराजगी फैल गई। मामले की जानकारी मिलते ही वहां मौजूद किसानों ने तत्काल डभरा तहसीलदार को शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के बाद 12 दिसंबर को सुबह तहसीलदार और नोडल अधिकारी मौके पर पहुंचे और पूरी व्यवस्था का निरीक्षण किया। जांच में किसान द्वारा की गई शिकायत सही पाई गई। तहसीलदार डभरा ने मौके पर पंचनामा तैयार कराया तथा धान खरीदी केंद्र प्रभारी को तुरंत आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। इधर, नोडल अधिकारी द्वारा खरीदे गए धान की लाट से बोरियों का तौल कराया गया, जिसमें भारी अनियमितता सामने आई। कई बोरी का वजन 37 से 38 किलो पाया गया जो नियम अनुसार निर्धारित वजन से कम है। इस पर सीईओ ने उपस्थित कर्मचारी को कड़ी फटकार लगाते हुए सख्त निर्देश जारी किए। एक ओर जहां कई किसान टोकन न कटने की वजह से परेशान होकर खरीदी केंद्रों के चक्कर काट रहे हैं वही दूसरी ओर धान खरीदी प्रभारी द्वारा नियमों को ताक में रख कर कार्य कर रहा है इस लापरवाही से किसानों में भारी आक्रोश व्याप्त है। किसानों ने मांग की है कि ऐसे मामलों में कड़ाई से कार्रवाई की जाए, ताकि धान खरीदी व्यवस्था पारदर्शी और सुचारू रूप से संचालित हो सके। धान खरीदी प्रभारी कई सालों से कांसा में जमा हुआ है जिस कारण किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

देश विदेश

यूक्रेन में शांति की संभावना पहले से ज्यादा : अलेक्जेंडर स्टब

हेलसिंकी, 13 दिसम्बर (एजेंसियां)। फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब ने कहा है कि यूरोप, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूक्रेन क्रिसमस से पहले रूस और यूक्रेन के बीच चले आ रहे संघर्ष का कोई न कोई समाधान निकालने का प्रयास कर रहे हैं और वहां शांति की संभावना पहले से कहीं ज्यादा है। श्री स्टब ने कहा कि हम पिछले चार वर्षों में किसी भी समय की तुलना में शांति या अंतिम परिणाम के अधिक नज़दीक हैं।' उन्होंने कहा कि यूरोप, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूक्रेन क्रिसमस से पहले 'किसी प्रकार का समाधान' निकालने का प्रयास कर रहे हैं, हालांकि उन्होंने विशिष्ट चर्चाओं पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

भारत पर टैरिफ लगाने के खिलाफ अमेरिका में कांग्रेस प्रतिनिधि सभा के तीन सदस्यों ने पेश किया प्रस्ताव, कहा

अमेरिकी श्रमिकों व उपभोक्ताओं को नुकसान

■ **प्रस्ताव से भारत पर लगाए गए अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क को रद्द कराना उद्देश्य**

वाशिंगटन, 13 दिसम्बर (एजेंसियां)। अमेरिका में कांग्रेस (संसद) के निचले सदन प्रतिनिधि सभा के तीन सदस्यों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारत से सामानों के आयात पर लगाए गए 50 प्रतिशत तक शुल्क को समाप्त करने के लिए प्रस्ताव पेश किया है।

अमेरिकी सांसदों ने पेश किए गए इस प्रस्ताव में इन शुल्क को 'अवैध' बताया और कहा है कि इससे अमेरिकी श्रमिकों और उपभोक्ताओं को नुकसान पहुंचेगा। साथ ही अमेरिका-भारत संबंधों में भी तनाव पैदा होगा। यह प्रस्ताव रिप्रेजेंटेटिव डेबोरा रॉस, मार्क वेसी और राजा कृष्णमूर्ति ने पेश किया। इससे पहले सीनेट में ब्राजील पर लगाए गए इसी तरह के टैरिफ को वापस लेने और आपातकालीन शक्तियों के तहत व्यापार शुल्क लगाने के राष्ट्रपति के अधिकार को सीमित करने के लिए दोनों पार्टियों ने मिलकर प्रयास किया था। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस कदम का मकसद 27 अगस्त को भारतीय सामानों पर लगाए गए अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क को रद्द कराना है।

गौरतलब है कि अमेरिका ने अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम (आईईईपीए) के तहत कई भारतीय उत्पादों पर टैरिफ बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया है। सुश्री रॉस ने कहा, 'उत्तर कैरोलिना की अर्थव्यवस्था व्यापार, निवेश और एक जीवंत भारतीय अमेरिकी समुदाय के ज़रिए भारत से गहराई से जुड़ी हुई है।' उन्होंने बताया कि भारतीय कंपनियों ने राज्य में 100 करोड़ अमेरिकी डॉलर से ज़्यादा का निवेश किया है, जिससे जीवन विज्ञान और प्रौद्योगिकी जैसे सेक्टर्स में हज़ारों नौकरियां पैदा हुई हैं, जबकि उत्तर कैरोलिना के कारोबारी हर साल भारत को हजारों डॉलर का सामान मुहैया कराते हैं।

श्री वेसी ने कहा, 'भारत एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक, आर्थिक और रणनीतिक साझेदार है और ये अवैध टैरिफ उत्तरी टेक्सास के लोगों पर एक रोज़मर्रा का कर हैं जो पहले से ही बढ़ती कीमतों से जूझ रहे हैं। भारतीय-अमेरिकी कांग्रेसी राजा कृष्णमूर्ति ने टैरिफ को 'नुकसानदायक' बताते हुए कहा कि वे आपूर्ति श्रृंखला को बाधित करते हैं, अमेरिकी श्रमिकों को नुकसान पहुंचाते हैं।

टैरिफ से अमेरिका की जीडीपी को मिला बूस्ट

■ **व्यापार घाटा 5 साल के निचले स्तर पर पहुंचा**

वॉशिंगटन। अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कई देशों पर लगाए टैरिफ के बाद वैश्विक बाजार में ये कयास लगाए जा रहे थे कि ट्रंप की इस नीति से अमेरिकी अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचेगा, लेकिन इससे उलट अमेरिकी व्यापार घाटा 2020 के मध्य के बाद से सबसे निचले स्तर पर आ गया है। पिछले साल की तुलना में व्यापार घाटे में 35 प्रतिशत से ज्यादा की कमी आई। व्हाइट हाउस की एक प्रेस रिलीज के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ आधारित ट्रेड रणनीति की वजह से अमेरिकी अर्थव्यवस्था में मजबूती आई है।

ट्रंप प्रशासन ने कहा कि निर्यात बढ़ाने, आयात में कमी और चीन के साथ व्यापार घाटे में उल्लेखनीय कमी की वजह से व्यापार प्रदर्शन में तीव्र सुधार दिखाई दे रहा है।

ब्राजील ने की ट्रंप से अतिरिक्त 40 प्रतिशत आयात शुल्क निलंबित करने की मांग

साओ पाउलो। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लुला दा सिल्वा ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से ब्राजीलियाई उत्पादों पर लगाए गए अतिरिक्त 40 प्रतिशत आयात शुल्क को तब तक के लिए निलंबित करने का आग्रह किया है, जब तक दोनों देशों के बीच विवाद सुलझाने के लिए उच्चस्तरीय व्यापार वार्ता जारी है। उपराष्ट्रपति और विकास, उद्योग, व्यापार एवं सेवा मंत्री जेराल्डो अल्कमिन ने कहा कि राष्ट्रपति ने कहा है कि बातचीत जारी रहने तक आयात शुल्क पर फैसला रोक दिया जाए। हमें इंतजार करना होगा। श्री अल्कमिन ने बताया कि ट्रंप प्रशासन के मूल आयात शुल्क दायरे को कम करने के फैसले के बाद ब्राजील और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय बातचीत 'लगातार आगे बढ़ रही है'। कार्यकारी आदेश के जरिए शुरुआती कदम में करीब 4,000 ब्राजीलियाई उत्पादों पर कुल 50 प्रतिशत आयात शुल्क लगाया गया था, जिससे बड़े स्तर पर निर्यात प्रभावित हुए थे। उन्होंने बताया कि ट्रंप ने इस प्रारंभिक कार्यकारी आदेश के बाद ब्राजील के 37 प्रतिशत निर्यात पर कुल 10 प्रतिशत और 40 प्रतिशत आयात शुल्क लगाया गया था। श्री अल्कमिन ने कहा कि इसके बाद आंकड़ा घटकर 22 प्रतिशत रह गया है, जो आयात शुल्क की पहली सीमा में शामिल उत्पादों में लगभग एक-तिहाई कमी दर्शाता है।

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारूवाला

ग्रह स्थिति : रविवार 14 दिसम्बर, 2025 पौष कृष्ण पक्ष 10

राशिफल

मेष - आप का दिन आर्थिक एवं व्यावसायिक दृष्टिकोण से लाभदायी है। धन लाभ के लिए आप लंबी अवधि का निवेश करने की योजना बनाएंगे। यदि आप व्यापार के साथ जुड़े हुए हों, तो उसके विस्तार की योजना बना पाएंगे।

वृषभ - आप अपनी वाणी से किसी को मंत्रमुग्ध कर पाएंगे। लोगों से आपके मेल-जोल बढ़ेंगे। आपकी वैचारिक समृद्धि में बढ़ोतरी होगी। आप का मन प्रफुल्लित रहेगा। आप किसी शुभ काम करने के लिए प्रेरित होंगे।

मिथुन - आज आप ज्यादा इमोशनल ना हो और ना ही कोई नया रिश्ता बनाने की ओर अग्रसर हों। किसी बीमारी के कारण मन में चिंता रहेगी। ज्यादा सोचने के कारण मानसिक थकान का अनुभव हो सकता है।

कर्क - आज का दिन खुशी से भरा रहेगा। नए काम की शुरुआत आज कर सकते हैं। मित्रों और स्नेहीजनों से मुलाकात हो सकती है। काम में मिली सफलता आप के उत्साह में वृद्धि करेगी। विरोधियों पर विजय प्राप्त कर सकेंगे।

सिंह - विभिन्न योजनाओं से संबंधित विचारों की अधिकता से आप दुविधा में रहेंगे। हालांकि परिजनों के साथ से आपकी प्रसन्नता में वृद्धि होगी। दूर स्थित व्यक्ति या संस्था के साथ संबंधों में दृढ़ता आएगी, जो आगे चलकर लाभदायी रहेगी।

कन्या - आज आपके कोई नए संबंध बनेंगे, जो आपके लिए भविष्य में आपके लिए लाभदायी सिद्ध होंगे। वैचारिक रूप से आप समृद्धि बने रहेंगे। शरीर, स्वास्थ और मन प्रसन्न रहेगा। पारिवारिक जीवन में उल्लासमय वातावरण रहेगा।

तुला - क्रोध पर संयम रखें। संभव हो, तो वाद-विवाद से दूर रहें। परिजनों के साथ किसी बात पर विवाद होने की संभावना है। स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। विशेषकर आंखों का ध्यान रखें। दुर्घटना की भी आशंका है।

वृश्चिक - आज का दिन आपके लिए लाभकारी और शुभफलदायी है। सांसारिक सुख प्राप्त होगा। विवाहोत्सुकों के लिए विवाह के योग हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में भी विशेष लाभ होगा। अधिकारी आपके काम से खुश रहेंगे।

धनु - आज का आपका दिन शुभ है। आप में परोपकार की भावना रहने से अन्य लोगों की सहायता करने के लिए आप उत्सुक रहेंगे। व्यापार में आज कोई बड़ा काम कर पाएंगे।

मकर - आज का दिन आपके लिए मिश्रित फलदायी है। बौद्धिक काम और व्यावसायिक क्षेत्र में आप नए विचारों से प्रभावित होंगे। आप अपनी सृजनशक्ति का भी परिचय देंगे।

कुंभ - आज आपको नकारात्मक विचारों से दूर रहना चाहिए। ज्यादा सोचने-विचारने से आप परेशान रहेंगे। परिणाम आपको मानसिक थकान का अनुभव होगा। ज्यादा गुस्से से नुकसान हो सकता है। नियम विरुद्ध कामों से दूरी बनाए रखें।

मीन - आज मनोरंजन और आनंद-प्रमोद में आप डूबे रहेंगे। कलाकार, लेखक आदि को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। पार्टनरशिप के काम में आपको लाभ होगा। स्वजनों, मित्रों के साथ पर्यटन का आनंद ले सकेंगे।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

छापेमारी के नाम पर कई बलूचों को हिरासत में रखा, आठ लापता

■ **मानवाधिकार संगठन ने बलूचिस्तान में चल रहे मानवाधिकार उल्लंघनों का पूरा दस्तावेज बनाने व जागरूकता बढ़ाने' का लिया संकल्प**

क्वेटा, 13 दिसम्बर (एजेंसियां)। एक प्रमुख मानवाधिकार संगठन ने शनिवार को दावा किया कि बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना की दमनकारी कार्रवाई जारी है। हाल ही में सेना ने रेड डाली और कई बलूचों को उठाकर ले गई। इनमें से 8 अब लापता बताए जा रहे हैं। इन सबके नाम भी जाहिर किए गए हैं।

स्थानीय सूत्रों का हवाला देते हुए, बलूच नेशनल मूवमेंट के मानवाधिकार विभाग, पांक ने बताया कि 10 दिसंबर को प्रांत के खुजदार में पाकिस्तानी सेना की छापेमारी के दौरान कई नागरिकों (मुख्य रूप से युवाओं) को हिरासत में लिया गया था और तब से वे लापता हैं।

पीड़ितों की पहचान आरिफ हम्बल, जमीर अहमद, जाहिद अहमद, बशीर अहमद, जहूर अहमद, अब्दुल मलिक, शाह नवाज और इरफान हुसैन के रूप में हुई है।

खुजदार के ग्रिशा इलाके में हालिया सैन्य अभियान पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए, मानवाधिकार संगठन ने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना जारी करते हुए 'बलूचिस्तान में चल रहे मानवाधिकार उल्लंघनों का पूरा दस्तावेज बनाने और जागरूकता बढ़ाने' का संकल्प लिया।

बलूचिस्तान में अत्याचारों को उजागर करते हुए, एक अन्य मानवाधिकार संगठन, बलूच वॉयस फॉर जस्टिस (बीवीजे) ने खुलासा किया कि पाकिस्तानी सेना ने अवारान जिले में रिहायशी इलाकों में कई गोले दागे, जिसमें बच्चों सहित करीब सात लोग घायल हो गए थे।

नीदरलैंड में बीएनएम ने निकाली विरोध रैली

■ **बलूचिस्तान में पाकिस्तान के लगातार दमन के खिलाफ जताया आक्रोश**

हेग। बलूच नेशनल मूवमेंट (बीएनएम) ने नीदरलैंड के हेग में डच पार्लियामेंट के बाहर एक रैली निकाली। विरोध प्रदर्शन के दौरान पाकिस्तानी अधिकारियों द्वारा बलूचिस्तान में जारी मानवाधिकार के उल्लंघन की गंभीर स्थिति पर प्रकाश डाला गया।

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के मौके पर लोगों ने यह रैली निकाली और इसमें तख्तियां-बैनर शामिल थे। इन तख्तियों और बैनर पर बलूचिस्तान में चल रहे पाकिस्तानी सरकारी और सेना के दमन के बारे में बताया गया। बीएनएम ने बैनर के जरिए बताया कि बलूचिस्तान में लोगों को जबरन गायब करना, बिना कानूनी कार्यवाही के हत्याएं, और मूल अधिकारों का बड़े पैमाने पर उल्लंघन किया जा रहा है। प्रदर्शनकारियों ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से बलूचिस्तान में बिगड़ते मानवाधिकार की स्थिति पर गंभीरता से ध्यान देने की अपील की। बीएनएम नीदरलैंड्स चैप्टर के अध्यक्ष मोहिम अब्दुल रहीम, जहरा बलूच, सैफ बलूच, महरा और जेय सिंध फ्रीडम मूवमेंट के सत्तार ने कहा कि बलूचिस्तान में दशकों से मानवाधिकार का गंभीर उल्लंघन जारी है। हालात पर चिंता जताते हुए, रैली में शामिल लोगों ने कहा कि हजारों बलूच राजनीतिक कार्यकर्ताओं, छात्रों, शिक्षकों और आम नागरिकों को जबरन गायब कर दिया गया है। इसकी वजह से परिवार सालों से अपने प्रियजनों को ढूंढ रहे हैं और न्याय का इंतजार कर रहे हैं।

फ्रांस में 'लम्पी रोग' से पशुओं के मारे जाने के विरोध में उतरे किसान

पेरिस, 13 दिसम्बर (एजेंसियां)। दक्षिण-पश्चिम फ्रांस में किसानों ने 'लम्पी स्किन रोग' के कारण बड़े पैमाने पर पशुओं के मारे जाने के सरकार के आदेश के विरोध में शुक्रवार रात से शनिवार सुबह तक प्रमुख सड़कों को जाम कर दिया।

नाराज किसानों ने न केवल ट्रैक्टरों से सड़कों की नाकेबंदी कर दी, बल्कि भूसे के गट्ठरों में भी आग लगा दी। पुलिस ने नाराज भीड़ को नियंत्रित करने की कोशिश की, तो दोनों पक्षों के बीच छड़प हो गयी।

यह विरोध प्रदर्शन फ्रांस के कृषि क्षेत्र में बढ़ती नाराजगी को दर्शाता है, जो पहले से ही पशु स्वास्थ्य संकटों और लगातार बढ़ते आर्थिक तनाव से गुजर रहा है।

रेडियो फ्रांस ने बताया कि इस सप्ताह की शुरुआत में, इस बीमारी का पता चलने के बाद पुलिस के साथ पशु चिकित्सा दल ने 207 गायों को मार डाला था।

ईयू ने संघ में स्थित रूस की अचल संपत्तियों के हस्तांतरण पर लगाई रोक

■ **यूरोपिय संघ के इस कदम से लगभग 247 अरब डॉलर की परिसंपत्तियां हो जाएंगी स्थिर**

ब्रुसेल्स, 13 दिसम्बर (एजेंसियां)। यूरोपीय संघ (ईयू) परिषद ने शुक्रवार को यूक्रेन में चल रहे संघर्ष का हवाला देते हुए रूस के केंद्रीय बैंक से संबंधित अचल संपत्तियों के किसी भी हस्तांतरण को प्रतिबंधित करने का फैसला किया है। परिषद ने एक बयान में कहा, 'यह फैसला ईयू की अर्थव्यवस्था को होने वाले नुकसान को सीमित करने के लिए तत्काल आधार पर लिया गया।'

बयान में कहा गया है कि यह उपाय रूस के केंद्रीय बैंक की परिसंपत्तियों या भंडार के किसी भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष हस्तांतरण के साथ-साथ 'रूस के केंद्रीय बैंक की ओर से या उसके निर्देश पर कार्य करने वाले किसी भी कानूनी व्यक्ति, संस्था या निकाय' से जुड़े लेनदेन पर प्रतिबंध लगाता है।

यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि यूरोपीय संघ के नेता अक्टूबर की यूरोपीय परिषद की बैठक में रूसी परिसंपत्तियों को स्थिर रखने के लिए प्रतिबद्ध थे। उन्होंने कहा कि आज हमने उस प्रतिबद्धता को पूरा किया। बयान में इस कदम को 'अस्थायी' कहा गया है, हालांकि यह भी कहा गया है कि यह तब तक लागू रहना चाहिए जब तक यूक्रेन में रूस के युद्ध के लिए वित्तीय या अन्य संसाधन देना यूरोपीय संघ और इसके सदस्य देशों के लिए गंभीर आर्थिक समस्याएं पैदा करता है या कर सकता है।

इस कदम से अनुमानित लगभग 210 अरब यूरो (247 अरब अमेरिकी डॉलर) की परिसंपत्तियां स्थिर हो जाएंगी। परिसंपत्तियों का बड़ा हिस्सा, लगभग 190 अरब यूरो, बेल्जियम स्थित वित्तीय सेवा कंपनी यूरोक्लियर के पास रखा गया है।

मामला *वेज बर्गर बनाम मीट बर्गर विवाद*

यूरोपीय संघ में 'नाम' को लेकर छिड़ा महासंग्राम

ब्रसेल्स, 13 दिसम्बर (एजेंसियां)। यूरोपीय संघ के देशों में इन दिनों एक अजीबोगरीब जंग छिड़ी हुई है कि क्या शाकाहारी 'बर्गर' को 'वेज बर्गर' कहा जाना चाहिए या नहीं? यह सवाल जितना सीधा लगता है, हकीकत में इसने पूरे महाद्वीप में कंपनियों, उपभोक्ताओं और किसान लॉबी के बीच तकरार पैदा कर दी है। कुछ हितधारकों का कहना है कि 'बर्गर' शब्द का इस्तेमाल केवल उस व्यंजन के लिए होना चाहिए जिसमें गोश्त हो। उनका तर्क है कि 'वेज बर्गर' जैसे नाम ग्राहकों को भ्रमित करते हैं और वे धोखे से मांस रहित उत्पाद खरीद लेते हैं। इसी विरोध के चलते, यूरोपीय संघ (ईयू) सांसद सेलीन इमार्ट वेज बर्गर, सॉसेज और स्टेक जैसे नामों पर प्रतिबंध लगाने के लिए सदन में एक विधेयक लाई थीं।

इस खींचतान के बीच, प्रसिद्ध ब्रिटिश बैंड बीटल्स के संगीतकार पॉल मैकार्टनी ने भी इस विधेयक का ज़ोरदार विरोध किया है। मैकार्टनी ने विरोध जताते हुए कहा है कि इस तरह से शाकाहारी विकल्पों को खत्म करना पर्यावरण के लिए हानिकारक है। उन्होंने ईयू को लिखे पत्र में साफ कहा, 'सबूत साफ़ हैं। मौजूदा कानून पहले से ही उपभोक्ताओं की रक्षा करते हैं और उपभोक्ता खुद भी मौजूदा नामकरण के तरीकों को समझते हैं। विधेयक का विरोध करने वाले सांसदों का स्पष्ट मत है कि ग्राहक बेवकूफ़ नहीं हैं और वे वेज और नॉन-वेज में आसानी से फर्क कर सकते हैं, इसलिए नाम बदलने की ज़रूरत नहीं है। इसी खींचतान में यूरोपीय संसद और ईयू देशों के बीच बीते बुधवार को हुई महत्वपूर्ण बातचीत किसी समझौते के बिना ही समाप्त हो गई। अब जनवरी में बातचीत फिर से शुरू होगी ताकि यह तय किया जा सके कि शाकाहारी खाद्य पदार्थ अपने पारंपरिक 'बर्गर' नाम से जाने जाएंगे या उन्हें अपना नाम बदलना होगा।

■ **बर्गर विवाद ने पूरे महाद्वीप में कंपनियों, उपभोक्ताओं व किसान के बीच पैदा कर दी तकरार**

■ **2011 के बाद से ईयू में शाकाहारी खाद्य पदार्थों का उपभोग पांच गुना से अधिक बढ़ गया**

यह विवाद इसलिए भी बड़ा है क्योंकि 2011 के बाद से ईयू में शाकाहारी खाद्य पदार्थों का उपभोग पांच गुना से अधिक बढ़ गया है। इसी वृद्धि को देखते हुए, अक्टूबर 2025 में यूरोपीय सांसदों ने पहले 'बर्गर' और 'सॉसेज' जैसे नामों को केवल मांसाहारी खाद्य पदार्थों के लिए आरक्षित करने का फैसला लिया था। इस संभावित प्रतिबंध का सबसे बड़े शाकाहारी बाज़ार जर्मनी ने विरोध किया है, जहां लिडल और आल्डी जैसी बड़ी खुदरा कंपनियों का व्यवसाय सीधे तौर पर प्रभावित हो सकता है। यूरोपीय संघ में 'नामकरण' की यह लड़ाई दिखाती है कि बढ़ती शाकाहारी क्रांति ने पारंपरिक खाद्य उद्योग के एकाधिकार को किस कदर चुनौती दी है।

आज का इतिहास

1911 – रोआल्ड एमंडसन ने दक्षिणी ध्रुव पर कदम रखा। इस उपलब्धि को हासिल करने वाले वह पहले व्यक्ति बने।

1918 – बी के एस आयंगर का जन्म। कर्नाटक के बेल्लूर में जन्मे आयंगर को देश का पहला योग गुरू होने का गौरव हासिल है।

1921 – एनी बेसेंट को बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय ने %डॉक्टर ऑफ लेटर्स% की उपाधि दी।

1924 – हिंदी सिनेमा के पहले शोमैन राजकपूर का जन्म हुआ। 1930 के दशक में बॉम्बे टॉकीज में क्लैप ब्वॉय बने राजकपूर ने पृथ्वी थियेटर से अपने अभिनय जीवन की शुरूआत की और अभिनय के अलावा फिल्म निर्माण और निर्देशन में भी खूब नाम कमाया।

1946– प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ संजय गांधी का जन्म हुआ।

1946 – डॉ. राजेन्द्र प्रसाद भारत की संविधान सभा के अध्यक्ष निर्वाचित हुए।

1972 – अमेरिका द्वारा चंद्रमा पर भेजा गया मानवयुक्त अंतरिक्ष यान अपोलो 17, वापस लौटा और इसी के साथ चंद्रमा के अन्वेषण का अमेरिका का अभियान समाप्त हो गया।

1982 – ब्रिटिश उपनिवेश जिब्राल्टर एवं स्पेन के बीच स्थित विशाल ग्रीन गेट 13 वर्षों के बाद पुन- खोला गया।

1983 – जनरल हुसैन मोहम्मद इरशाद ने खुद को बंगलादेश का राष्ट्रपति घोषित किया।

1995 – बोस्निया, सर्बिया और क्रोएशिया ने पेरिस में डेटन समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिससे तीन वर्ष से उनके बीच चल रहे संघर्ष का अंत हो गया।

1997 – ग्रीनहाउस गैस के उत्सर्जन में कटौती के लिए विश्व के सभी देश सहमत।

सुडोकू 7122

			3			9	8	
					9			
			5	2		4		
6	2							3
7			9	5	6			2
8							4	6
		5		4	3			
			2					
	1	4			5			

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 7122

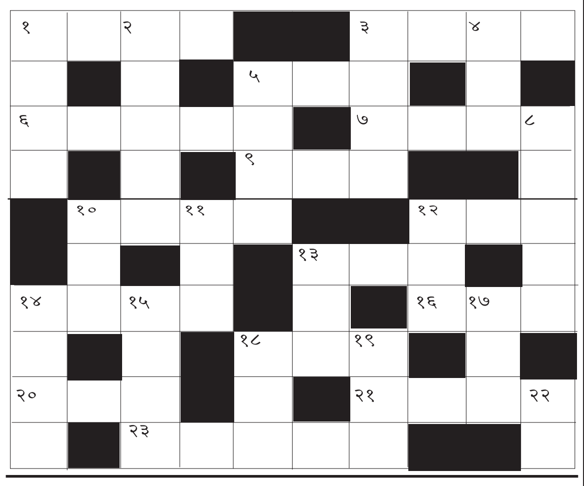

बायें से दायें:-

१. राज्याभिषेक, राजतिलक(उर्दू)
३. एक वाद्य यंत्र
५. पाप, धर्मविरुद्ध
६. नौ सैनिक, जल सेना का सिपाही
७. संबंधी, परिजन (उर्दू)
९. किसी की स्मृति में बना भवन आदि
१०. शायद
१२. चटनी, अवलेह (उर्दू)
१३. चौकीदार,प्रहरी
१४. प्रशंसित
१६. धक्का, दबाव, रगड़ा, संकट की चपत, तमाचा
१८. दुख, कष्ट, उदासी, चिड़चिड़ापन
२०. तीव्र इच्छा
२१. रसीला
२३. सृजनात्मक

ऊपर से नीचे:-

१. दो वस्तुओं के परस्पर घट-बढ़ होने का भाव
२. तालाब
३. लज्जाजनक (उर्दू)
४. प्राचीनकालीन एक विश्वविद्यालय
५. अचानक, सहसा
८. होंठ
१०. भैंस का नर बच्चा
११. जिस पर निशान लगा हो
१२. रामायण में उल्लेखित एक मायावी
१३. पूरा किया हुआ, समृद्ध, धनी
१४. मिलना, सभा, जलसा
१५. उपयोगी, लाभप्रद
१७. जटिल, घुमावदार(उर्दू)
१८. कली का विकसित होना, फूलना
१९. नक्षत्र, आंख की पुतली
२२. किरण

वर्ग पहेली-7121

१ वृ	था	२ क	था	■	■	३ वि	ष	४ पा	न
द्धा	■	न	■	५ स	र्व	दा	■	व	■
६ व	र्द्ध	क	■	मा	■	७ र	हा	स	८ हा
स्था	■	म	■	९ धा	त्वि	क	■	■	मी
■	१० नि	य	११ म	न	■	■	१२ दु	र्ल	भ
■	र्बा	■	ला	■	१३ का	फि	ला	■	र
१४ व	ध	१५ स्थ	ल	■	नू	■	१६ र	१७ च	ना
श	■	गि	■	१८ अ	नी	१९ ति	■	क	■
२० व	र्जि	त	■	न्य	■	२१ मि	थ्या	वा	२२ दी
र्ती	■	■	२३ क	था	सा	र	■	■	प

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

सुडोकू 7122 का हल

5	7	2	3	6	4	9	8	1
4	3	8	7	1	9	2	6	5
1	9	6	5	2	8	4	3	7
6	2	1	4	8	7	5	9	3
7	4	3	9	5	6	8	1	2
8	5	9	1	3	2	7	4	6
2	6	5	8	4	3	1	7	9
3	8	7	2	9	1	6	5	4
9	1	4	6	7	5	3	2	8

दुनिया को जानें

रहस्य : आग जलाने के लिए इस्तेमाल किए गए उपकरणों का विशिष्ट 'टूलकिट' मिला

लंदन, 13 दिसम्बर (एजेंसियां)। एक नए रोमांचक शोध से पता चला है कि हमारे पूर्वजों ने लगभग चार लाख साल पहले ही नियंत्रित तरीके से आग जलाना सीख लिया था। यह निष्कर्ष, जो 'नेचर' पत्रिका में प्रकाशित हुआ है, इंग्लैंड के सफ़ोल्क स्थित बार्नहैम पुरापाषाणकालीन स्थल पर दशकों से चल रही खुदाई का नतीजा है। इसने मनुष्य के आग पर काबू पाने को सीखने के समय को लाखों साल पीछे धकेल दिया है। ब्रिटिश संग्रहालय की एक टीम को बार्नहैम में हुई खुदाई के दौरान सिर्फ़ जला हुआ मलबा नहीं, बल्कि आग जलाने के लिए इस्तेमाल किए गए उपकरणों का एक विशिष्ट 'टूलकिट' मिला।

इस टूलकिट में शामिल हैं : पकी हुई मिट्टी का एक विशिष्ट हिस्सा, एक चकमक (फ्लिंट) की हाथ-कुल्हाड़ी, जो अत्यधिक गर्मी से टूट गई थी और आयरन पाइराइट खनिज के दो टुकड़े। (यह खनिज चकमक पत्थर से टकराने पर चिंगारी पैदा करता है)।

शोधकर्ताओं का मानना है कि ये सभी साक्ष्य मिलकर किसी आकस्मिक जंगल की आग के बजाय, जानबूझकर और नियंत्रित ढंग से आग जलाने की ओर स्पष्ट इशारा करते हैं।

खेल जगत

साओ पाउलो ने फुटबॉल से लिया संन्यास

रियो डी जनेरियो। साओ पाउलो के मिडफील्डर ऑस्कर ने हृदय संबंधी बीमारी का पता चलने के बाद पेशेवर फुटबॉल से संन्यास ले लिया है। ब्राजील के ग्लोबो एस्पोर्टे की रिपोर्ट के अनुसार, 34 वर्षीय ऑस्कर ने अपने करीबी लोगों को अपने फैसले के बारे में बताया और पिछले महीने हुई एक घटना के बाद आगे की जटिलताओं का जोखिम न उठाने का फैसला किया, जिसके कारण उन्हें गहन चिकित्सा इकाई में रहना पड़ा था। ऑस्कर पिछले दिसंबर में चेल्सी और शंघाई पोर्ट के साथ सफल कार्यकाल के बाद तीन साल के अनुबंध पर अपने बचपन के क्लब साओ पाउलो में लौटे थे। जुलाई में चोटों के कारण वह इस साल केवल 21 मैच खेल पाए, जिसमें उन्होंने दो गोल किए। पूर्व ब्राज़ील इंटरनेशनल खिलाड़ी आने वाले दिनों में साओ पाउलो के अधिकारियों से मिलने की उम्मीद है ताकि 2027 तक चलने वाले अनुबंध को खत्म किया जा सके। समझा जाता है कि साओ पाउलो उन्हें मैदान से बाहर की भूमिका देने पर विचार कर रहा है।

तीसरे टी-20 में 2-1 से बढ़त बनाने के इरादे से उतरेंगे भारत और दक्षिण अफ्रीका

कप्तान सूर्य व उपकप्तान शुभमन का रंग में न होना भारत की बड़ी चिंता

- गिल ने पिछली दस पारियों में 46 रन के सर्वोच्च स्कोर के साथ कुल 181 रन बनाए हैं
- खासे ठंडे मौसम में पिच से तेज गेंदबाजों का मदद मिल सकती है

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर (देशबन्धु)। अपने धुरंधर बल्लेबाज कप्तान सूर्य कुमार यादव और उपकप्तान शुभमन गिल रंग में न होना भारत के लिए मेहमान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ धर्मशाला में रविवार को खेले जाने वाले पांच टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की क्रिकेट सीरीज के तीसरे मैच से पहले सबसे बड़ी चिंता है। भारत के लिए कप्तान सूर्य कुमार यादव ने पिछले 23 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 47 रन के सर्वोच्च स्कोर के साथ कुल 227रन और उपकप्तान शुभमन गिल ने पिछली दस पारियों में 46 रन के सर्वोच्च स्कोर के साथ कुल 181 रन बनाए हैं और ये दोनों अर्द्धशतक तक जड़ने को तरस गए हैं। भारत अगले साल श्रीलंका के साथ संयुक्त रूप से आईसीसी टी-20 क्रिकेट विश्व कप की मेजबानी करेगा। भारत को धर्मशाला में रविवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले जाने सीरीज के तीसरे मैच सहित अगले साल 7 फरवरी को आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2026 में अमेरिका के खिलाफ मैच सहित अब कुल मात्र आठ टी 20 अंतरराष्ट्रीय मैच की खेलने हैं। भारत ने कटक में सीरीज का पहला मैच 101 रन से जीत 1.0 की बढ़त ली, लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने शुक्रवार को न्यू चंडीगढ़ में दूसरा मैच 51 रन से जीत पांच टी 20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज में एक एक की बराबरी पा ली। सूर्य कुमार यादव की अगुआई में भारत अब रविवार को पलटवार कर तीसरा मैच जीत सीरीज में बढ़त लेने के इरादे से उतरेगा। भारत के तेज गेंदबाज बुमराह के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका के डोनोवॉन फरेरा ने उनके एक ओवर में दो छक्कों सहित 16 रन बटोरे थे। ऐसे में निचले क्रम में बल्लेबाजी करनेवाले फरेरा के खिलाफ बुमराह को अपनी रणनीति बदलनी होगी। धर्मशाला में लक्ष्य का बचाव करना मुश्किल होता है। धर्मशाला में रात में खेले गए पांच टी 20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में चार टीमों ने लक्ष्य का पीछा करते हुए जीते हैं।

बल्लेबाजी क्रम में बहुत ज्यादा बदलाव से सहमत नहीं: रॉबिन उथप्पा

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम को गुरुवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुल्लांपुर में खेले गए दूसरे टी20 में 51 रन से हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय टीम ने मैच में जिस तरीके से लक्ष्य का पीछा करने की रणनीति बनाई उसकी आलोचना हो रही है। पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने कहा है कि टीम इंडिया की बल्लेबाजी में शीर्ष क्रम में जो लचीलापन है, कहीं न कहीं उस वजह से हमें लक्ष्य हासिल करने में परेशानी हुई और हमें मैच गंवाना पड़ा। जियोहॉटस्टार पर उथप्पा ने कहा, 'आप शुरुआती विकेट खो सकते हैं, लेकिन मेरे लिए असली दिक्कत शुभमन गिल के आउट होने के बाद की रणनीति थी। अक्षर पटेल को उस स्टेज पर इतनी मजबूत बल्लेबाजी क्रम के बावजूद तीसरे नंबर पर भेजने का फैसला कहीं न कहीं टीम पर भारी पड़ा। उन्हें पिच-हिटर के तौर पर खेलना होगा। अक्षर ने 21 गेंदों पर 21 रन बनाए और उस मकसद को पूरा नहीं कर पाए। विकेट गिरते रहने से उन्हें अपना तरीका बदलना पड़ा और धीमी बल्लेबाजी के लिए मजबूर होना पड़ा।

भारत ने एशियाई युवा पैरा गेम्स में जीते 18 पदक

एशियाई युवा पैरा गेम्स दुबई 2025

दुबई, 13 दिसम्बर (एजेंसियां)। भारतीय पैरा एथलीटक दल ने एशियाई युवा पैरा गेम्स दुबई 2025 अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में 18 पदक जीतकर शनिवार को अपने अभियान का समापन किया।

दुबई में 10 से 13 दिसंबर तक चले इस टूर्नामेंट के पांचवें संस्करण में भारत ने आठ स्वर्ण, चार रजत और छह कांस्य पदक जीते। 2025 एशियाई युवा पैरा गेम्स में तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, तैराकी, ताइक्वांडो, बोकिया, गोलबॉल, टेबल टेनिस, पावरलिफ्टिंग, व्हीलचेयर बास्केटबॉल और आर्मरेसलिंग सहित 11 खेल शामिल थे। इनमें से आठ खेलों में भारतीय एथलीटों ने भाग लिया। जतिन आजाद और शिवम यादव एमडी- एसयू 5, जतिन आजाद एमएस एसयू- 5, शिवम यादव और तुलिका जाधव एक्सडी - एसयू5 और एसएल 3, हर्षित चौधरी और कार्तिक सुहाग एमस - एसएल 4 - एसएल 3, शांतिया विश्वनाथन डब्लयूएस - एसयू-5 में, प्रेमचंद पोटनुरु एमएस - एसएच 6,. नित्या श्री सुमति सिवन, कार्तिक सुहाग एमएस -एसएल 3 में स्वर्ण पदक जीते। वहीं अभिजीत सखूजा और विजेंद्र एमडी एसएल 4 - एसएल 3में, विजेंद्र एमएस- एसएल 3 में और अभिजीत सखूजा एमएस - एसएल 4 में, तुलिका जाधव डब्ल्यू एस एसएल 3 में रजत पदक जीते। हर्षित चौधरी एमएस एसएल-4, शिवम यादव एमएस एसयू-5, शिवांगी पांडे डब्ल्यूएस एसएल-4, जतिन आजाद और समायरा कंवर एक्सडी एसयू 5- एसएल 3, मनीषा पटेल डब्ल्यूएस एसच 6, नित्या श्री सुमति सिवन और मनीषा पटेल डब्ल्यू डी - एसएच 6 में कांस्य पदक जीते।

फीफा विश्वकप 2026 की टिकट के लिए 24 घंटे में 50 लाख आवेदन

ज्यूरिख, 13 दिसम्बर (एजेंसियां)। अगले साल होने वाले फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए टिकट बिक्री के तीसरे चरण शुरू होने के 24 घंटे अंदर दुनिया भर से 50 लाख टिकटों के लिए आवेदन प्राप्त हुए है। फीफा ने शनिवार को बताया कि 200 से अधिक देशों और क्षेत्रों के फुटबॉल प्रशंसकों ने फीफाडॉटकॉम/टिकटस के माध्यम से 50 लाख टिकटों की मांग के आवेदन प्राप्त हुए है। कनाडा, अमेरिका और मैक्सिको में 11 जून से 19 जुलाई तक होने वाले इस 48-टीमों के इस टूर्नामेंट को देखने के प्रति प्रशंसकों के उत्साह को दिखाता है। शुरुआती आंकड़े ग्रुप-स्टेज के शानदार मुकाबलों के लिए जबरदस्त दिलचस्पी दिखाते हैं, जिसमें कोलंबिया बनाम पुर्तगाल (मियामी, 27 जून) अब तक रैंडम सिलेक्शन ड्रॉ अवधि के दौरान सबसे अधिक डिमांड वाला मैच बनकर उभरा है।

टीपीएल टेनिस को लोकप्रिय बनाने के प्रयासों का एक हिस्सा : लिएंडर पेस

लिएंडर पेस जीएस दिल्ली एसेस के ब्रांड एंबेसडर के तौर पर शामिल हुए

अहमदाबाद, 13 दिसम्बर (एजेंसियां)। भारतीय टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी लिएंडर पेस ने टेनिस प्रीमियर लीग की सफलता पर खुशी जताई है और इसे टेनिस की लोकप्रियता को बढ़ाने की प्रकिया का एक अहम हिस्सा माना है।

लिएंडर पेस ने कहा कि अहमदाबाद में होना बहुत अच्छा है। मौसम शुरू से ही शानदार है, और यहां टेनिस प्रीमियर लीग का शानदार खेल देखना पूरे देश में टेनिस को बढ़ाने और पॉपुलर बनाने के सपने का हिस्सा है।' उन्होंने कहा, 'मैं सानिया, रोहन, महेश और लीग को समर्थन देने वाले सभी शुक्रगुजार हूं। जब आप खिलाड़ियों को देखते हैं, तो हम जूनियर्स, पेशेवर, लड़के और लड़कियों को एक साथ लाने और एक अंतरराष्ट्रीय फ्लेवर देने में कामयाब रहे हैं। यह बेहद खास है। लिएंडर पेस जीएस दिल्ली एसेस के ब्रांड एंबेसडर के तौर पर शामिल हुए। उन्होंने कहा, 'सीजन बहुत अच्छा चल रहा है। मैं अपनी टीम को लेकर थोड़ा पक्षपाती हूं। दिल्ली एसेस अभी शीर्ष पर है लेकिन अभी भी बहुत टेनिस बाकी है। यहां का फॉर्मेट बहुत मजेदार है।' जीएस दिल्ली एसेस में अपने रोल के बारे में बात करते हुए पेस ने कहा कि 40 साल तक अपने लोगों के लिए खेलना, 20 ग्रैंड स्लैम जीतना और 7 ओलंपिक खेलना एक आशीर्वाद है। अब, बच्चों को मेंटर करना और इस तरह की लीग बनाना ताकि वे दुनिया के बेस्ट खिलाड़ियों के खिलाफ कमा सकें, मुकाबला कर सकें और आगे बढ़ सकें, मुझे प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि हम टेनिस प्रीमियर लीग के लगातार 7वें सीजन में हैं। इस पर हमें गर्व है।

एमएमए के एशियाड में शामिल होने से खेल को सरकारी पहचान और समर्थन मिलेगा:पूजा तोमर

मैं गारंटी दे सकती हूं कि अगर हमें सही समर्थन मिलना शुरू हो गया तो एमएमए भारतीय स्पोर्ट्स सेक्टर का एक बड़ा हिस्सा होगा और हम अगले 10 सालों में दुनिया भर के शीर्ष पांच देशों में शामिल होंगे : पूजा तोमर

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर (एजेंसियां)। अल्टीमेट फाइटिंग चैंपियनशिप (यूएफसी) में एक मुकाबला जीतने वाली प्रथम भारतीय मिश्रित मार्शल आर्टिस्ट (एमएमए) पूजा तोमर ने 2026 के ऐची-नागोया एशियन गेम्स में इस खेल को शामिल किए जाने पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि इससे इस खेल को सरकारी समर्थन और पहचान मिलेगी। यूनीवार्ता के साथ एक खास बातचीत में स्ट्रॉ-वेट डिवीजन की फाइटर ने पूजा कहा, 'जब मैंने यह सुना, एमएमए को एशियन गेम्स 2026 में शामिल किया गया है इसे लेकर मैं बहुत खुश और उत्साहित थी क्योंकि मुझे पता है कि एमएम को अब भारत में पहचान मिलनी शुरू हो जाएगी।'

पूजा तोमर ने कहा, 'मैं गारंटी दे सकती हूं कि अगर हमें सही समर्थन मिलना शुरू हो गया तो एमएमए भारतीय स्पोर्ट्स सेक्टर का एक बड़ा हिस्सा होगा और हम अगले 10 सालों में दुनिया भर के शीर्ष पांच देशों में शामिल होंगे।'

अगली यूएफसी फाइट और प्रतिद्वंद्वी की घोषणा को लेकर पूजा ने अपनी तैयारियों के बारे में बताया, 'मेरी अगली फाइट और प्रतिद्वंद्वी की घोषणा जल्द ही होने की उम्मीद है। मेरा अगला प्रतिद्वंद्वी शायद किसी पूर्वी एशियाई देश से होगी। मेरी तैयारियां अच्छी चल रही हैं। मैं कोच माइक के दिशानिर्देश में बाली के सम फाइट क्लब में अभ्यास कर रही हूं, जो बेहतरीन कोचों में से एक हैं।'

यूएफसी में पूजा का 'एक जीत एक हार' का रिकॉर्ड है। वह अपना दूसरा मैच आयरिश फाइटर शौना बैनन से हार गईं, जिन्होंने उन्हें दूसरे राउंड में आर्म बार से टैप आउट कर दिया। इस बेहतरीन स्ट्राइकर ने कहा कि वह अपनी कुश्ती कौशल को निखाने का काम कर रही हैं। उन्होंने कहा, 'हां, यह एक बुरा दिन था, और मैं आने वाली फाइट के लिए अपने कौशल को बेहतर बनाने के लिए अपनी ग्रैपलिंग पर काम कर रही हूं।' पूजा, जो यूएफसी हॉल ऑफ फेमर रोंडा राउजी को अपना आदर्श मानती हैं, उम्मीद करती हैं कि भारत जल्द ही प्रो एमएमए एथलीटों को अभ्यास देने के लिए अच्छा व्यवस्था बनाएगा ताकि अधिक भारतीय यूएफसी में हिस्सा ले सकें।

मेरा शरीर अब भी पहले जैसा ही मजबूत है: जोश हेजलवुड

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के धाकड़ तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड इंजरी की वजह से एशेज के पहले दो टेस्ट मैचों से बाहर रहने के बाद पूरी सीरीज से बाहर हो गए हैं। हेजलवुड को पिछले महीने शेफील्ड शील्ड में गेंदबाजी करते समय हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आया था। रिकवरी की प्रक्रिया से गुजर रहे हेजलवुड ने जल्द अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की उम्मीद जताई है और तीनों ही फॉर्मेट में खेलने का दावा किया है। सिडनी में डेली टेलीग्राफ से बात करते हुए हेजलवुड ने कहा, 'मेरा शरीर अब भी पहले जैसा ही मजबूत है। बस छोटी-छोटी समस्याएं आ जाती हैं। मैं अब भी तीनों फार्मेट में जितना हो सके उतना अच्छा खेलने का पक्का इरादा रखता हूं। कभी-कभी हम कुछ मैच मिस कर सकते हैं। अगर आप बल्लेबाज नहीं हैं, तो हर मैच खेलना सब के लिए संभव नहीं है। मुझे अब भी तीनों फार्मेट की अलग-अलग जरूरतें पसंद हैं।' हेजलवुड ने कहा, 'एक बार जब आप सीरीज के बीच में या सीरीज शुरू होने से ठीक पहले चोटिल हो जाते हैं, तो आप वैसे भी ज्यादातर समय खुद को फिट रखने का प्रयास करते रहते हैं। मैं शायद हैमस्ट्रिंग के साथ एक या दो टेस्ट के लिए वापस आ सकता था, लेकिन फिर आप ज्यादा कुछ न होने पर टेस्ट मैच में जाने से पहले खुद को काफी कमजोर बना लेते हैं।

सार संक्षेप

दीपक हुड्डा संदिग्ध गेंदबाजी सूची में

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को 16 दिसंबर को होने वाले नीलामी से पहले आईपीएल फ्रेंचाइजी को हुड्डा के संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन के बारे में यह जानकारी दी। घरेलू क्रिकेट में राजस्थान के लिए खेलने वाले 30 साल के ऑलराउंडर हुड्डा पिछले आईपीएल सीजन की तरह ही अभी भी संदिग्ध सूची में बने हुए हैं। पार्ट-टाइम ऑफ-स्पिन गेंदबाज हुड्डा ने पिछले सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए सात आईपीएल मैच खेले थे, लेकिन उनमें से किसी में भी गेंदबाजी नहीं की थी। हालांकि, उन्होंने तब से बीसीसीआई के घरेलू टूर्नामेंट में छह ओवर फेंके हैं। रणजी ट्रॉफी में एक ओवर और चल रही सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में पांच ओवर। आखिरी मैच उन्हें आठ दिसंबर को झारखंड के खिलाफ गेंदबाजी करते देखा गया था। अगर उन्हें फिर से संदिग्ध एक्शन के लिए बुलाया जाता है, तो उन पर आईपीएल में गेंदबाजी करने पर प्रतिबंध लग सकता है। उन्होंने अहमदाबाद में उस मैच में तीन ओवर फेंके थे और 24 रन देकर तीन विकेट लिए थे।

हरिकेंस महिला ने जीता डब्ल्यूबीबीएल का पहला खिताब

होबार्ट। लिजेल ली (नाबाद 77) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर होबार्ट हरिकेंस महिला टीम ने शनिवार को खेले गये फाइनल मुकाबले में पर्थ स्कॉर्चर्स महिला को 30 गेंदे शेष रहते आठ विकेट से हराकर वूमेंस बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) 2025 का पहला खिताब अपने नाम किया। बैलेरीव ओवल में खेले गए फाइनल मुकाबले में टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी पर्थ स्कॉर्चर्स ने निर्धारित ओवरों में पांच विकेट खोकर 137 रन बनाए। केटी मैक ने बेथ मूनी के साथ 5.4 ओवरों में 36 रन जुटाए। कैटी 21 गेंदों में 17 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। इसके बाद बेथ मूनी ने मैडी डार्क के साथ दूसरे विकेट के लिए 12 रन जोड़े। कप्तान सोफी डिवाइन ने 29 गेंदों में (34), बेथ मूनी ने 26 गेंदों में (33) तथा फ्रेया केम्प ने 10 रन बनाये। पी स्कोफील्ड ने 22 गेंदों में नाबाद 27 रनों की पारी खेली। होबार्ट हरिकेंस महिला टीम के लिए लिंसी स्मिथ और हीदर ग्राह्म ने 2-2 विकेट लिये जबकि लॉरेन स्मिथ ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

असम के चार खिलाड़ी भ्रष्टाचार के आरोप में निलंबित

गुवाहाटी। असम क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (एसएमएटी) 2025 के दौरान कथित तौर पर भ्रष्टाचार में शामिल होने के आरोप के कारण चार खिलाड़ियों अमित सिन्हा, इशान अहमद, अमन त्रिपाठी और अभिषेक ठाकुर को निलंबित कर दिया है। एसीए ने शुक्रवार को इन चारों खिलाड़ियों निलंबित कर दिया। उन्होंने इनके खिलाफ राज्य पुलिस की अपराध शाखा में प्रथमिकी (एफआईआर) भी दर्ज करा दी है। ये सभी खिलाड़ी अलग-अलग स्तर पर असम का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। उन पर सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भाग लेने वाले कुछ असम के खिलाड़ियों को प्रभावित और उकसाने का प्रयास करने का आरोप है।

एसीए के सचिव सनातन दास ने कहा, `आरोप सामने आने के बाद बीसीसीआई की भ्रष्टाचार विरोधी और सुरक्षा यूनिट (एएससीयू) ने जांच की थी।

बांग्लादेश अंडर-19 ने अफगानिस्तान को हराया

जवाद अबरार 112 गेंदों में 96 रन बनाकर पवेलियन लौटे

दुबई, 13 दिसम्बर (एजेंसियां)। सलामी बल्लेबाज जवाद अबरार (96) और रिफत बेग (62) की शतकीय साझेदारी की बदौलत बंगलादेश ने शनिवार को अंडर-19 एशिया कप ग्रुप बी मुकाबले में अफगानिस्तान को सात गेंदे शेष रहते तीन विकेट से हरा दिया।284 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बंगलादेश के लिए सलामी बल्लेबाज जवाद अबरार और रिफत बेग ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए पहले विकेट के लिए 151 रन जोड़े। पहले विकेट के रूप में रिफत बेग 68 गेंदों में 62 रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद शतक की ओर बढ़ रहे जवाद अबरार को 112 गेंदों में नौ चौके और छह छक्के उड़ाते हुए 96 रन बनाकर पवेलियन लौट गये। दोनों सलामी बल्लेबाजों को रूहल्लाह अरब ने आउट किया। कप्तान अजीजुल हकीम (44) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद अफगानिस्तानी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक बार बंगलादेश को संकट में डाल दिया था। कलाम सिद्दीकी (29) बनाकर आउट हुये तथा एमडी अब्दुल्ला (दो), समीउन बसीर (एक) को रनआउट हुये। शेख परवेज जीबोन (13) के रूप में सातवां विकेट गिरा। रिजान होसैन 17 रन बनाकर नाबाद रहे। 49वें ओवर की पांचवीं गेंद पर शहरयार अहमद ने विजयी रन बनाया। अफगानिस्तान के लिए खातिर स्तानिकजई, रूहुल्लाह अरब को दो-दो विकेट मिले। सलाम खान ने एक बल्लेबाज को आउट किया। आज यहां अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवरों में सात विकेट पर 283 रनों का स्कोर बनाया। अफगानिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने चौथे ही ओवर में खालिद अहमदजई (तीन) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद उस्मान सादात, फैसल शिनोजादा की जोड़ी ने पारी को संभाला और दूसरे विकेट के लिए 66 रन जोड़े। दूसरे विकेट के रूप में उस्मान सादात (34) रन बना कर आउट हुए।

श्रीलंका की अंडर-19 टीम ने नेपाल को आठ विकेट से हराया

दुबई, 13 दिसम्बर (एजेंसियां) सेतमिका सेनेविरत्ने (पांच विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद दिमांता महाविताना (नाबाद 39) और कविजा गमागे (24) के दमदार प्रदर्शन की बदौलत श्रीलंका ने अंडर-19 एशिया कप ग्रुप बी मुकाबले में नेपाल को 211 गेंदे शेष रहते आठ विकेट से हरा दिया। श्रीलंकाई बल्लेबाजों ने 14.5 ओवर में दो विकेट पर 84 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। श्रीलंका के सलामी बल्लेबाज दिमांता महाविताना ने 49 गेंदों में तीन चौकों और एक छक्के की मदद से (नाबाद 39) रनों की पारी खेली। कविजा गमागे ने 29 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुए (नाबाद 24) रन बनाये। विरन चामुदिता (10) और के वितानापतिराना (दा) रन बनाकर आउट हुये। नेपाल के दयानंद मंडल ने एक बल्लेबाज को आउट किया। श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करते हुए नेपाल की टीम को 28.5 ओवर में 82 रन के स्कोर पर ढेर कर दिया। सिबरिन श्रेष्ठ ने नेपाल के लिए सर्वाधिक 18 रनों की पारी खेली।

बीबीएल: डेविड वॉर्नर मध्यक्रम में बल्लेबाजी कर सकते हैं

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर (एजेंसियां)। डेविड वॉर्नर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है, लेकिन लीग क्रिकेट में अब भी सक्रिय हैं। वॉर्नर आगामी बीबीएल में सिडनी थंडर के लिए खेलते हुए नजर आएंगे। वॉर्नर ने कहा है कि वह टीम के बल्लेबाजी क्रम को अलग विकल्प देने के लिए निचले क्रम में बल्लेबाजी कर सकते हैं। वॉर्नर ने कहा, 'यह एक रणनीतिक फैसला है। हमारे पास मध्यक्रम में कोई बाएं हाथ का बल्लेबाज नहीं है। इसलिए मैं मध्यक्रम में बल्लेबाजी कर सकता हूं। मैट गिलक्स भी एक विकल्प हो सकते हैं, जबकि निक मैडिनसन और ब्लेक निकिटरस बाएं हाथ के अन्य बल्लेबाज हैं।' सिडनी थंडर के कप्तान डेविड वॉर्नर ने अपने करियर के 423 मैचों की 382 पारियों में बतौर ओपनर बल्लेबाजी की है। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय करियर में भी सभी फॉर्मेट में वॉर्नर ने बतौर ओपनर ही खेला है। ऐसे में मध्यक्रम के बल्लेबाज के रूप में वह कैसी बल्लेबाजी करेंगे, इस पर फैंस की नजर होगी। सिडनी थंडर में युवा सलामी बल्लेबाज सैम कोंस्टास शामिल हैं। सैम कोंस्टास ने भारत के साथ साल की शुरुआत में खेली गई टेस्ट सीरीज में बतौर ओपनर जगह बनाई थी, लेकिन खराब फॉर्म की वजह से टीम से उन्हें बाहर होना पड़ा और वह अपना पहला एशेज खेलने का मौका भी चूक गए।

भारत पहुंचे मेसी, प्रशंसकों ने किया जोरदार स्वागत

मेसी की एक झलक पाने के लिए फैंस ने मेसी-मेसी के नारे लगाए

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर (एजेंसियां)। अर्जेंटिना फुटबॉल टीम के दिग्गज खिलाड़ी लियोनेल मेसी भारत दौरे पर हैं। शनिवार तड़के मेसी कोलकाता एयरपोर्ट पहुंचे, जहां पर उनके प्रशंसकों ने उनका जोरदार स्वागत किया। फुटबॉल के दिग्गज खिलाड़ी मेसी के भारत आने से उनके प्रशंसक बहुत उत्साहित नजर आए। मेसी तड़के 3.23 बजे नेताजी सुभाष चंद्र बोस इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचे और टर्मिनल से बाहर निकलते ही होटल के लिए रवाना हो गए। इस दौरान एयरपोर्ट और रास्ते में तैनात उनके प्रशंसकों ने फुटबॉलर की एक झलक पाने के लिए बेताब दिखे और मेसी-मेसी के नारे लगाए। एक फैन ने आईएएनएस को बताया, 'मैं उन्हें साफ-साफ नहीं देख पाया, लेकिन हां, मुझे पता है कि वह हम सभी को देख रहे थे। हमारे दिलों में जो एक्साइटमेंट है, उसे हम शब्दों में बयां नहीं कर सकते।'

सड़क के दोनों तरफ फैंस मेसी की एक झलक पाने को बेताब दिखे

कोलकाता। अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनल मेसी ने अपनी 70 फुट की प्रतिमा का वर्चुअली अनावरण किया। यह प्रतिमा कोलकाता के बिग बेन और डिएगो माराडोना की प्रतिमा के पास स्थित है। प्रतिमा स्थल पर फैंस की भारी भीड़ थी। इस दौरान प्रतिमा के नजदीक उपस्थित फैंस के बीच भारी उत्साह दिखा। फैंस मेसी नाम के नारे लगा रहे थे। लियोनल मेसी ने बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान से भी मुलाकात की है। इससे पहले लियोनल मेसी करीब 3 बजे सुबह कोलकाता एयरपोर्ट पहुंचे। उस समय फैंस की भारी भीड़ एयरपोर्ट पर जमा थी। एयरपोर्ट से लेकर होटल तक सड़क के दोनों तरफ फैंस मेसी की एक झलक पाने को बेताब दिखे। भारी सुरक्षा के बीच उन्हें हयात रीजेंसी होटल में पहुंचाया गया। मेसी के लिए कमरा नंबर 730 आरक्षित है। लियोनल मेसी अपने कार्यक्रम के अंतिम पड़ाव में 15 दिसंबर को दिल्ली पहुंचेंगे।

मैं फिट हूं, प्लेइंग इलेवन में जगह बनाना मेरे नियंत्रण में नहीं: उस्मान ख्वाजा

मुझे एडिलेड में खेलने की उम्मीद है, लेकिन चयन मेरे हाथ में नहीं है : उस्मान ख्वाजा

एडिलेड, 13 दिसम्बर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज सीरीज के तीसरे टेस्ट की शुरुआत 17 दिसंबर से एडिलेड में हो रही है। ब्रिसबेन में खेले गए दूसरे टेस्ट में इंजरी की वजह से बाहर रहे अनुभवी सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने खुद को इस टेस्ट के लिए फिट घोषित किया है।

एडिलेड में मीडिया से बात करते हुए ख्वाजा ने कहा कि एडिलेड टेस्ट के लिए मैं 100 प्रतिशत फिट हूं। प्लेइंग इलेवन में मुझे जगह दी जाती है या नहीं, यह उनके हाथ में नहीं है।

उस्मान ख्वाजा ने कहा, 'मुझे एडिलेड में खेलने की उम्मीद है, लेकिन चयन मेरे हाथ में नहीं है। अनुभव के साथ मैं उन चीजों को लेकर सहज होता जा रहा हूं जिन्हें मैं नियंत्रित कर सकता हूं। बाकी सब मेरे नियम नियंत्रण में नहीं है। देखते हैं क्या होता है।' ख्वाजा को इंजरी की वजह से ब्रिसबेन टेस्ट में मौका नहीं मिला था। एडिलेड टेस्ट में उनके चयन को लेकर सवाल है। अगर उन्हें तीसरे टेस्ट की प्लेइंग इलेवन में मौका मिल भी जाता है, तो संभवत: उन्हें मध्यक्रम में बल्लेबाजी करनी पड़ सकती है। पर्थ और ब्रिसबेन में खेले गए दूसरे टेस्ट में ट्रेविस हेड ने बतौर ओपनर प्रभावित किया था।

पालतू श्वान ने मेरी और मेरे पिता की जान बचाई

■ एल.एस. हरदेनिया

इस समय कुत्तों की चर्चा पूरे देश में हो रही है। सुप्रीम कोर्ट ने भी इस मुद्दे को अपने हाथों में लिया है। हमने और हमारे परिवार ने एक प्रतिज्ञा की थी कि अब हम कुत्तों को नहीं पालेंगे। इसका कारण था कि हमारे परिवार ने दो कुत्तों की मौत देखी थी। मौत अत्यधिक भयावह और डरावनी थी। इसके बाद हम लोगों ने तय किया था कि अब कुत्तों को नहीं पालेंगे। परंतु एक दिन हमारी दोनों पोतियां पास के एक मंदिर में गई हुई थीं। वहां उन्होंने दो अत्यधिक सुंदर नवजात कुत्तों को देखा। उन्होंने हमारी प्रतिज्ञा को तोड़ दिया और उन दोनों पिल्लों को घर पर ले आए। हम लोग बहुत नाराज हुए कि तुमने यह काम बिना पूछे कैसे किया। दोनों बच्चियों की आंखों में आंसू आ गए और उन्होंने कहा कि इन दोनों नवजात शिशुओं को पालने की जिम्मेदारी हम लेते हैं। हमें उनके सामने झुकना पड़ा। पर यह तय हुआ कि इन दोनों कुत्ते के बच्चों को हम अपने घर में नहीं रखेंगे। घर के बाहर एक छोटी सी झोपड़ी बना दी गई, जिसमें ये दोनों पिल्ले रहने लगे।

कुछ दिनों के बाद दोनों पिल्लों में से एक को दुर्लभ बीमारी हो गई और वह खून की उल्टी करने लगा। हमको दया आई और हमने उसको अपने बरामदे में रख लिया। इस तरह हमारी प्रतिज्ञा का पहला चरण टूट गया। कुछ दिन के बाद वह बीमार पिल्ला चल बसा। उसके बाद परिवार ने फैसला लिया कि देखो शायद इसको ठंड के कारण यह बीमारी हुई। इसलिए हमने दूसरे पिल्ले को भी बरामदे में रख लिया और यह तय किया कि इसको बरामदे में ही रखना और घर के भीतर नहीं आने देना है।

> कुत्तों के प्रेम की हमारे घर में अद्भुत कहानी है। जब पहला कुत्ता हमने पाला था उसको ब्लैकी कहा जाता था। ब्लैकी को गाजर पसंद थी, मूली पसंद थी। वह चालाकी से इतना भरपूर था कि वह रेफ्रिजरेटर में से मूली निकाल कर उसे खाने के बाद रेफ्रिजरेटर को बंद कर देता था। उसकी हमारे परिवार के साथ वफादारी अद्भुत थी। एक दिन मैं वॉशबेसिन के पास खड़ा होकर ब्रश कर रहा था। मैं थोड़ी दूर था। वह लगातार भौंक रहा था। मैंने सोचा कि जरूर कुछ बात होगी।

फिर धीरे-धीरे वह पिल्ला अच्छी हरकतें करने लगा और उसकी अदाओं की वजह से वह धीरे-धीरे घर के अंदर प्रवेश करने लगा। इस समय वह सुखी है और सुंदर है। हमारी प्रतिज्ञाओं को पूरी तरह से तोड़ने में उसने सफलता पाई। वह अद्भुत है। जब भी कोई मेहमान हमारे घर आते हैं तो उसकी आदत की चर्चा उनसे की जाती है। एक और उसकी आदत है कि जब कोई मेहमान आता है तो वह उसे आने देता है और जब वह मेहमान जाने लगता है तो वह कभी उसके कपड़े पकड़कर रोकता है कभी पैर पकड़कर रोकता है। इसके अलावा हमारे घर दो लोग ऐसे हैं जो प्रतिदिन आते हैं। उनके आने पर वह इतना भौंकता है कि हमें समझ में नहीं आता कि इनसे इसकी क्या दुश्मनी है। परंतु उसकी दुश्मनी डेढ़-दो साल होने के बाद भी कायम है।

कुत्तों के प्रेम की हमारे घर में अद्भुत कहानी है। जब पहला कुत्ता हमने पाला था उसको ब्लैकी कहा जाता था। ब्लैकी को गाजर पसंद थी, मूली पसंद थी। वह चालाकी से इतना भरपूर था कि वह रेफ्रिजरेटर में से मूली निकाल कर उसे खाने के बाद रेफ्रिजरेटर को बंद कर देता था। उसकी हमारे परिवार के साथ वफादारी अद्भुत थी। एक दिन मैं वॉशबेसिन के पास खड़ा होकर ब्रश कर रहा था। मैं थोड़ी दूर था। वह लगातार भौंक रहा था। मैंने सोचा कि जरूर कुछ बात होगी। मैंने देखा कि वॉशबेसिन की नीचे एक काला नाग लिपटा हुआ था। मतलब यह है कि उसने मुझे संभवत: बचा लिया। हो सकता था कि वह साँप मुझे काट लेता। मेरे बंग्ले के बाहर वाला हिस्सा जिसे सर्वेंट क्वार्टर कहा जाता है उसमें एक नेपाली परिवार रहता था। एक दिन रात को बहुत बारिश हो रही थी और ब्लैकी लगातार भौंक रहा था। हमने जब उसके भौंकने को इग्नोर किया तब वह बिस्तर के उपर चढ़ गया। मैंने अपनी पत्नी से कहा कि कुछ

बात जरूर है। मेरी पत्नी किचन में गईं और सर्वेंट क्वार्टर में रहने वाला जो नेपाली परिवार था वह भी रसोई घर में समय देता था। मेरी पत्नी ने कहा कि नेपाली महिला बहुत चीख रही है और सहायता की गुहार कर रही है। हम दोनों उसके कमरे में गए और देखा कि उसका पति (नेपालियों का एक विशेष हथियार से) उसको मार रहा था। मैंने उसको छुड़ाने की कोशिश की पर वह इतना मजबूत था कि मैं उस महिला को छुड़ा नहीं सका। मैंने और मेरे पुत्र ने डिसाइड किया कि पुलिस स्टेशन जाकर पुलिस को लाना चाहिए। पुलिस वाला इतना समझदार था कि हमारे साथ आ गया और उस नेपाली को उसके हथियार समेत थाने ले गया। अगर ब्लैकी उस समय लगातार भौंकता नहीं तो उस रात शायद मेरे घर में एक महिला की मृत्यु हो जाती।

वह समय गैस त्रासदी का था। लोगों को सलाह दी गई थी कि बची हुई गैस लीक की जानी है और लोगों से अपील की गई थी कि वह अगर चाहें तो भोपाल को छोड़ कर कहीं जा सकते हैं। उस समय प्रसिद्ध पूर्व आईएस अधिकारी बुच साहब चुनाव लड़ रहे थे और चुनाव क्षेत्र था बेतूल। हम 45 बंग्ले में रहते हैं। सारे 45 बंग्ले के लोग घरों को छोड़कर चले गए थे या अपने बच्चों को बाहर भेज दिया था। मैंने भी अपने बच्चों को मेरे गांव भेज दिया था और मेरी पत्नी को अकेले रहना पड़ा था। मेरी पत्नी ने मुझसे कहा था कि आप जाओ और बुच साहब की सहायता करो मैं अकेले रह लूंगी और जब मैं लौट कर आया तो मेरी पत्नी ने बताया कि ब्लैकी मेरी ऐसी रखवाली कर रहा था जैसे कोई प्रधानमंत्री की रखवाली कर रहा हो। उसे शायद यह महसूस हुआ कि मैडम की रक्षा करना मेरा कर्तव्य है। इस तरह की उसकी अनेक घटनाएं थीं जो हमें प्रभावित करती थीं।

इसके पूर्व कुत्तों से प्यार करने की आदत मेरे पिताजी की भी थी। वे पुलिस में थे और एक हत्याकांड के केस में उन्हें हत्यारों का पता लगाना था। उस समय उन्होंने एक कुत्ते को पाल रखा था। एक दिन रात को वह लगातार भौंक रहा था। तब मेरी मां ने उनसे कहा कि जरूर कुछ बात है। तब वे उठे और देखा कि बंगले की छत से कुछ व्यक्ति भीतर घुसने की कोशिश कर रहे थे और भीतर कूदने ही वाले थे। परंतु उनके कुत्ते ने उन्हें बचा लिया। उन्होंने उन लोगों का पीछा किया और अपनी जान बचाली। इस घटना के बाद मेरे परिवार के लोगों ने इस कुत्ते का नाम शंकर रखा। शंकर जो हर किस्म का जहर पीने की क्षमता रखते हैं, शंकर भगवान। उसके बाद हमारे पिताजी ने उनके पुत्रों का नाम में शंकर जोड़ा। सबसे बड़े पुत्र का नाम उमाशंकर, बीच के पुत्र का नाम हरिशंकर और मेरा नाम जो सबसे छोटा था लज्जाशंकर रखा। जब कोई उनसे पूछता था कि आपके तीनों पुत्रों के नाम में शंकर जुड़ा हुआ है तब वह यह पूरी कहानी उनको सुनाते थे।

अब कुत्तों के खिलाफ एक मुहिम चल रही है कि पागल कुत्तों को इंजेक्शन देकर मार दिया जाए। पता नहीं यह सही उपाय है कि नहीं। परंतु मेरा सुझाव यह है कि इन कुत्तों की अच्छी आदतों को मद्देनजर रखते हुए पूरी दुनिया में एक परिवार को एक कुत्ता पालने का आदेश दिया जाए। इस तरह इन पर जो खर्च हो रहा है वह भी बचेगा और सारी दुनिया में जैसे लोग गायों को पालने की जिद करते हैं वैसे ही कुत्तों को भी पालेंगे। यह काम संयुक्त राष्ट्र संघ को दिया जा सकता है।

ग़ज़ल

■ अहमद फ़राज़

सुना है लोग उसे आँख भर के देखते हैं
सो उस के शहर में कुछ दिन ठहर के देखते हैं

सुना है रब्त है उस को ख़राब-हालों से
सो अपने आप को बरबाद कर के देखते हैं

सुना है दर्द की गाहक है चश्म-ए-नाज़ उस की
सो हम भी उस की गली से गुज़र के देखते हैं

सुना है उस को भी है शेर ओ शाइरी से शग़फ़
सो हम भी मो'जिज़े अपने हुनर के देखते हैं

सुना है बोले तो बातों से फूल झड़ते हैं
ये बात है तो चलो बात कर के देखते हैं

सुना है रात उसे चाँद तकता रहता है
सितारे बाम-ए-फ़लक से उतर के देखते हैं

सुना है दिन को उसे तितलियाँ सताती हैं
सुना है रात को जुगनू ठहर के देखते हैं

सुना है हश्र हैं उस की ग़ज़ाल सी आँखें
सुना है उस को हिरन दश्त भर के देखते हैं

सुना है रात से बढ़ कर हैं काकुलें उस की
सुना है शाम को साए गुज़र के देखते हैं

सुना है उस की सियह-चश्मगी क़यामत है
सो उस को सुरमा-फ़रोश आह भर के देखते हैं

सुना है उस के लबों से गुलाब जलते हैं
सो हम बहार पे इल्ज़ाम धर के देखते हैं

सुना है आइना तिमसाल है जबीं उस की
जो सादा दिल हैं उसे बन-सँवर के देखते हैं

सुना है जब से हमाइल हैं उस की गर्दन में
मिज़ाज और ही लाल ओ गुहर के देखते हैं

सुना है चश्म-ए-तसव्वुर से दश्त-ए-इम्काँ में
पलंग ज़ाविए उस की कमर के देखते हैं

सुना है उस के बदन की तराश ऐसी है
कि फूल अपनी क़बाएँ कतर के देखते हैं

वो सर्व-क़द है मगर बे-गुल-ए-मुराद नहीं
कि उस शजर पे शगूफ़े समर के देखते हैं

बस इक निगाह से लुटता है क़ाफ़िला दिल का
सो रह-रवान-ए-तमन्ना भी डर के देखते हैं

सुना है उस के शबिस्ताँ से मुत्तसिल है बहिश्त
मकीं उधर के भी जल्वे इधर के देखते हैं

रुके तो गर्दिशें उस का तवाफ़ करती हैं
चले तो उस को ज़माने ठहर के देखते हैं

किसे नसीब कि बे-पैरहन उसे देखे
कभी कभी दर ओ दीवार घर के देखते हैं

कहानियाँ ही सही सब मुबालग़े ही सही
अगर वो ख़्वाब है ताबीर कर के देखते हैं

अब उस के शहर में ठहरें कि कूच कर जाएँ
'फ़राज़' आओ सितारे सफ़र के देखते हैं

'शेर के मूंछ के बाल' : बाल मन की कल्पनाओं और जीवन मूल्यों का अद्भुत संगम

बचपन जीवन का वह निर्मल और कोमल पड़ाव है, जहाँ हर अनुभूति गहरी छाप छोड़ती है। यही वह समय होता है जब कहानियाँ न केवल बच्चों का मनोरंजन करती हैं, बल्कि उनके व्यक्तित्व, स्वभाव, संवेदनाओं और नैतिक मूल्यों को गढ़ने में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। प्रतिष्ठित बाल साहित्यकार रेखा शाह आरबी इस बात को भली-भाँति समझती हैं। वर्षों से वे अपने सहज, प्रभावशाली और बाल-मन को छू लेने वाले लेखन के माध्यम से युवा पाठकों के हृदय में स्थान बनाती आई हैं। उनकी नवीन कथा-संग्रह पुस्तक 'शेर के मूंछ के बाल' इसी परंपरा को आगे बढ़ाती एक उत्कृष्ट कृति है, जिसमें 14 विविध, रोचक और सारगर्भित कहानियाँ समाहित हैं।

सबसे पहले इसके शीर्षक की बात करें तो 'शेर के मूंछ के बाल' अपने आप में अत्यंत कौतूहलभरा और खिलंदड़ आभा से युक्त नाम है। शेर जैसा बलशाली और बच्चों का प्रिय पात्र जब 'मूंछ के बाल' जैसी चुलबुली बात से जुड़ता है, तो पाठक अपने-आप मुस्कुराने लगते हैं। यह शीर्षक केवल आकर्षण का माध्यम नहीं, बल्कि प्रतीकात्मक भी है, यह दर्शाता है कि बड़े से बड़ा विषय भी सरलता और हास्य के माध्यम से बच्चों तक पहुँचाया जा सकता है। पुस्तक की मुख्य कहानी भी इसी नाम पर आधारित है, जिसमें हास्यरस और नैतिक संदेश का सुरम्य मिश्रण है। कहानी में शेर और जंगल के अन्य पात्रों की रोचक बातचीत के माध्यम से यह बताया गया है कि अपनी गलतियों को स्वीकारना और उन्हें सुधारने का प्रयास करना कितना महत्त्वपूर्ण है। यह कहानी बच्चों को मनोरंजन के साथ-साथ विनम्रता का मूल्य सिखाती है।

संग्रह की शुरुआत 'बच्चों की नेकी वाली दीवाली' से होती है, जो दिवाली जैसे हर्षोल्लासपूर्ण पर्व की पृष्ठभूमि पर आधारित है। किंतु यह सिर्फ उत्सव का वर्णन नहीं करती, बल्कि इस त्योहार के माध्यम से सामाजिक संवेदनशीलता, पर्यावरण प्रेम और दूसरों के प्रति सद्भाव का संदेश देती है। कहानी बच्चों को बताती है कि सच्ची खुशी पटाखों के शोर में नहीं, बल्कि दूसरों को मुस्कान देने के भाव में छिपी होती है। 'सुंदर वन का वीर बालक डंकी' पुस्तक की उन कहानियों में से है जो बच्चों में साहस, आत्मविश्वास और नैतिक दृढ़ता का संचार करती हैं। डंकी अपने साधारण से रूप-रंग के बावजूद असाधारण साहस प्रदर्शित करता है, और यह साबित करता है कि किसी भी बच्चे की वास्तविक पहचान उसके रूप में नहीं, बल्कि उसके साहस, नीयत और कर्म में होती है।

'लाल गमछा' और 'तोताराम को मिली सीख' जैसी कहानियाँ बच्चों को सूझबूझ, परिश्रम और समय की महत्ता का संदेश देती हैं। लाल गमछा जहाँ कठिन परिस्थितियों में सही निर्णय लेने की प्रेरणा

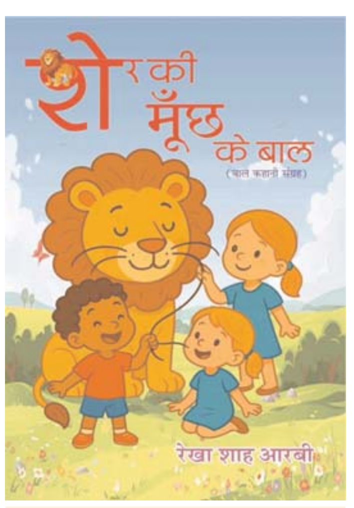

समीक्षक : नृपेन्द्र अभिषेक नृप
पुस्तक : शेर के मूंछ के बाल
लेखिका : रेखा शाह आरबी
प्रकाशन : साहित्यांजलि प्रकाशन, प्रयागराज
मूल्य : 250 रुपये

देता है, वहीं तोताराम की कथा आलस्य के दुष्परिणाम और मेहनत के महत्त्व को सरल किन्तु प्रभावशाली ढंग से समझाती है। 'दरिया दिल लड्डू का छाता' एक अत्यंत हृदयस्पर्शी कहानी है, जो निस्वार्थता और उदारता जैसे मूल्यों को बड़े सहज ढंग से बच्चों तक पहुँचाती है। यह पढ़ते हुए मन अनायास ही पवित्रता और करुणा की भावनाओं से भर उठता है। इसी तरह 'गुल्लू का बर्थडे' बाँटकर खुशियाँ मनाने का सन्देश देती है। यह कहानी बच्चों को समझाती है कि उत्सव का अर्थ सिर्फ अपनी खुशी नहीं, बल्कि दूसरों को भी उस खुशी में शामिल करना है। 'साबू और शहद' मेहनत, ईमानदारी और सच्चाई के मूल्य को सीधे-सरल ढंग से प्रस्तुत करती है।

दोस्ती और सहयोग पर आधारित 'पक्की वाली दोस्ती' बच्चों के हृदय में मित्रता की पवित्रता का अहसास जगाती है। वहीं 'तोलू-मोलू और करेला' स्वास्थ्य, उचित आहार और शरीर के प्रति जिम्मेदारी की एक प्यारी सीख देती है। 'टूटी गुल्लक' ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और सच्ची मित्रता के सार को बड़े मनोहर ढंग से उजागर करती है। यह कहानी इस बात का आभास कराती है कि सच्ची दोस्ती वही है, जिसमें कठिन समय में भी एक-दूसरे का हाथ थामा जाए।

'लोमड़ी की चांद ट्रिप टूरिस्ट एजेंसी' छल-कपट, लालच और धूर्तता के परिणामों को हास्य और रोमांच के साथ प्रस्तुत करती है। कहानी बच्चों को यह सिखाती है कि गलत रास्ते अपनाने वाले को अंततः अपने कर्मों का फल अवश्य मिलता है। इसके ठीक विपरीत 'कौवे को गीत मीठे लगने लगे' में आत्मसम्मान, आत्मविश्वास और अपनी विशिष्टता को पहचानने का प्यारा संदेश मिलता है।संग्रह की अंतिम कहानी 'पिंकी का सपना' पुस्तक का उज्ज्वल और प्रेरणादायी समापन करती है। यह कहानी बच्चों को बड़े सपने देखने, मेहनत करने और धैर्य रखने की प्रेरणा देती है कि यदि नीयत पवित्र हो और प्रयत्न निरंतर हो, तो कोई भी सपना असंभव नहीं।

पूरे संग्रह की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि रेखा शाह आरबी ने अपनी सरल, स्वाभाविक, किन्तु अत्यंत प्रभावशाली भाषा के माध्यम से हर कहानी को बच्चों के मनोविज्ञान के अनुरूप ढाला है। उनकी शब्दावली सहज है, कथानक आकर्षक हैं, और संदेश इतने सरल कि बच्चे अनायास उनसे सीख ग्रहण कर लेते हैं। लेखिका की कल्पनाशीलता, पात्रों की चंचलता, और घटनाओं की सहज गति इस पुस्तक को न केवल मनोरंजक बनाती है, बल्कि इसे जीवन-मूल्यों का एक उज्ज्वल स्रोत भी बना देती है।

'शेर के मूंछ के बाल' केवल कहानी-संग्रह नहीं, एक भावनात्मक धरोहर है- एक ऐसा उपहार, जो बच्चों के हृदय में सद्गुणों के बीज बोने का कार्य करता है। यह पुस्तक बच्चों को हँसी, रोमांच, भावनाओं और नैतिकताओं से भरी एक ऐसी यात्रा पर ले जाती है, जो उनके व्यक्तित्व को सकारात्मक दिशा देने की क्षमता रखती है। नि:संदेह, यह कृति अभिभावकों, शिक्षकों और बाल-पाठकों, सभी के लिए समान रूप से उपयोगी और प्रेरणादायी है।

व्यंग्य

नाम परिवर्तन की क्रांति

■ विनोद कुमार विक्की

शेक्यपियर ने तो सहज भाव से कह दिया— 'नाम में क्या रखा है?' पर आधुनिक लोकतंत्र में नाम को ही विकास की जननी माना जा रहा है. शहर बदले, स्थान बदले, पथ बदले, भवन बदले. सच पूछिए तो नागरिकों की तकदीर छोड़कर सब बदल गया. जब राजपथ, कर्तव्य पथ बन सकता है, पीएमओ सेवा तीर्थ, और राजभवन लोकभवन, तो ऐसे स्वर्णिम परिवर्तन काल में जंगल भला कैसे पीछे रहता?

इसी ऐतिहासिक सोच से प्रेरित होकर वनराज ने लॉ एंड ऑर्डर की आपात बैठक बुलाई. सिंहासन पर गंभीरता की विजय तिलक लगाए बोले—

'सुना है, त्रेता युग में राम राज्य था। आज भी नाम बदलने को ही विकास का सूत्र माना जा रहा है, इसलिए हम भी आदर्श वन बनाएंगे. आज से हमारे जंगल में कोई हिंसक या मांसभक्षी जीव नहीं रहेगा. '

पूरा जंगल सनसना उठा. सेनापति भालू ने डरते-डरते पूछा— 'महाराज, तो क्या हम सबको दूसरे जंगल पलायन करना पड़ेगा? '

वनराज की मुस्कान दार्शनिक हो उठी—

'पलायन नहीं, परिवर्तन. आज से सभी हिंसक जीवों के नाम बदल दिए जाएंगे. बाघ, शेर, चीता—अब हिरण कहलाएँगे। भेड़िये, गीदड़, लोमड़ी—बकरी होंगे. हाथी—खरगोश, भालू—गाय, और सर्प—केंचुआ कहलाएगा। बाकी शाकाहारी जीव अपने मूल नाम से ही जानें जाएंगे.

'गजराज ने संशय में पूछा— 'इससे क्या लाभ होगा प्रभु? '

वनराज विजयी भाव से बोले—

'सरल! जब नाम शाकाहारी होंगे, तो वातावरण स्वत: अहिंसक माना जाएगा. रिपोर्टें स्वच्छ, छवि उज्वल, और आलोचक निष्प्रभावी. '

नाम परिवर्तन के पश्चात कुछ दिनों तक जंगल आत्ममुग्ध होकर 'आदर्श वन' कहलाता रहा. फिर एक-एक कर खबरें आने लगीं—

'एक हिरण ने दूसरे हिरण को मार डाला. बकरी ने भेड़ को घायल कर दिया। केंचुए ने मेढ़क को निगल लिया. '

चिंतित गृह मंत्री खरगोश (जो मूलत: हाथी था), सूचनाओं के साथ हांफते हुए वनराज के पास पहुँचा.

वनराज ने सहजता से कहा—

'चिंता कैसी? जहाँ बर्तन, वहाँ घन-घन. भाई-भाई में झगड़े तो सभ्य समाज में भी होते हैं.और सबसे बड़ी बात—अब कोई यह नहीं कह सकता कि 'बाघ ने हिरण को मारा', क्योंकि हमारे जंगल में बाघ है ही कहाँ? यहाँ तो सब हिरण हैं! '

गृह मंत्री ने संतोष की गहरी साँस ली.आखिरकार, आँकड़ों के देश में सत्य का क्या काम? नाम बदलते ही जंगल विकसित, अहिंसक और आदर्श घोषित कर दिया गया.

■ साग़र सिद्दीक़ी

भूली हुई सदा हूँ मुझे याद कीजिए
तुम से कहीं मिला हूँ मुझे याद कीजिए

मंज़िल नहीं हूँ ख़िज़्र नहीं राहज़न नहीं
मंज़िल का रास्ता हूँ मुझे याद कीजिए

मेरी निगाह-ए-शौक़ से हर गुल है देवता
मैं इश्क़ का ख़ुदा हूँ मुझे याद कीजिए

नग़मों की इब्तिदा थी कभी मेरे नाम से
अश्कों की इंतिहा हूँ मुझे याद कीजिए

गुम-सुम खड़ी हैं दोनों जहाँ की हक़ीक़तें
मैं उन से कह रहा हूँ मुझे याद कीजिए

'साग़र' किसी के हुस्न-ए-तग़ाफ़ुल-शिआर की
बहकी हुई अदा हूँ मुझे याद कीजिए

7 साल की लड़ाई के बाद हाईकोर्ट से निगम के 22 कर्मियों को मिली राहत

नियुक्ति निरस्त करने निगम आयुक्त का आदेश रद्द

बिलासपुर, 13 दिसम्बर (देशबन्धु)। नगर निगम में अनुकंपा नियुक्ति को लेकर वर्षों से जारी विवाद पर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने बड़ा और राहत भरा फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने नगर निगम कमिश्नर द्वारा 22 कर्मचारियों की नियुक्ति निरस्त करने के आदेश को रद्द करते हुए उनकी नियुक्ति बहाल करने के निर्देश दिये है।

नगर निगम बिलासपुर के 22 कर्मचारियों को 10 जनवरी को स्वयं उपमुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव ने अनुकंपा नियुक्ति आदेश सौंपे थे। इसके बावजूद ये कर्मचारी वर्ष 2018 से नगर निगम में काम तो कर रहे थे, लेकिन उन्हें अब तक प्लेसमेंट कर्मचारी के रूप में ही वेतन दिया जा रहा था, न कि उनके पद के अनुरूप।

नगर निगम सूत्रों के मुताबिक नियुक्ति आदेश शासन की स्वीकृति के इंतजार में जारी किए गए थे। स्वीकृति समय पर नहीं मिलने के कारण कर्मचारियों की सैलरी रोक दी गई, बाद में उनकी अनुकंपा नियुक्ति निरस्त कर उन्हें प्लेसमेंट कर्मचारी मानते हुए भुगतान किया गया। इसी निर्णय को पीड़ित कर्मचारियों ने हाईकोर्ट में चुनौती दीथी।

जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास की एकलपीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि अनुकंपा नियुक्ति राज्य सरकार की नीति के अनुसार ही की जानी चाहिए। न्यायालय न तो नीति में कोई शब्द जोड़ सकता है और न ही घटा सकता है।

कोर्ट ने यह भी टिप्पणी की कि निदेशक द्वारा अनुमोदन अस्वीकार करने का कोई ठोस कारण आदेश में दर्ज नहीं किया गया, जो प्रशासनिक मनमानी और निरंकुशता को दर्शाता है। इसी आधार पर कर्मचारियों की नियुक्ति निरस्त करना न्यायसंगत नहीं है।

वरिष्ठता मिलेगी, लेकिन पिछला वेतन नहीं

हाईकोर्ट ने स्पष्ट निर्देश दिए कि इंक 22 कर्मचारियों को नगर निगम में चपरासी के पद पर बहाल किया जाए। हालांकि, कोर्ट ने यह भी कहा कि कर्मचारी पिछले वेतन के हकदार नहीं होंगे, लेकिन उनकी वरिष्ठता उनकी मूल नियुक्ति तिथि से बिना किसी सेवा अंतराल के मानी जाएगी।

निगम ने शासन से मांगा मार्गदर्शन

हाईकोर्ट का आदेश मिलने के बाद नगर निगम प्रशासन ने इस मामले में राज्य सरकार से मार्गदर्शन मांगा है। अपर आयुक्त खजांची कुमार के अनुसार, शासन के निर्देशों के अनुरूप ही कोर्ट के आदेश का पालन किया जाएगा। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि निगम इस फैसले के खिलाफ अपील करेगा या नहीं।

निगम में अनुकंपा नियुक्ति पर कार्यरत ये 22 कर्मचारी बीते सात वर्षों से नियमित रूप से काम कर रहे थे, लेकिन उन्हें अब तक उनके पद के अनुसार वेतन नहीं मिला। अनुकंपा नियुक्ति सामान्यत: कर्मचारी की आकस्मिक मृत्यु या विशेष परिस्थितियों में परिवार के एक सदस्य को दी जाती है, लेकिन इन कर्मचारियों के मामले में नीति के बावजूद उन्हें पूरा लाभ नहीं दिया गया।

ये है 22 कर्मचारी जिन्हें कोर्ट से राहत मिली

नीता ठाकुर, ऋतु उर्फ क्षमता, अनुपर्णा सोनी, प्रवेश परिहार, लक्ष्मी जानोकर, गीता श्रीवास, हसीना बानो, निरेश श्रीवास, अजीत कुमार, मोहम्मद युनुस खान, मीना पाल, बीना समुद्रे, शेख अमीन, विनोद डांगरे, मीना तिवारी, रजनी गुप्ता, प्रदीप बघेल, शेखर मार्को, मोहम्मद युनुस, संजय कुमार, रेशमा मलिक सहित अन्य।

दिल्ली में एयरपोर्ट और हवाई सुविधा विस्तार की सफल मुहिम चलाया

समिति का ऐलान लक्ष्य प्राप्ति तक जारी रहेगा जन संघर्ष

महा धरना आज भी जारी रहा

हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति का प्रतिनिधिमंडल वापस लौटा

बिलासपुर, 13 दिसम्बर (देशबन्धु)। हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति का प्रतिनिधिमंडल दिल्ली में एयरपोर्ट और हवाई सुविधा विस्तार की सफल मुहिम चला कर आज अपरान्ह बिलासपुर वापस पहुंचा। समिति का एक जत्था कल सुबह हमसफर एक्सप्रेस से बिलासपुर पहुंचेगा। समिति ने अपने दिल्ली प्रवास के लिए जो लक्ष्य तय किए थे उन्हें पूरा करने पर संतोष जाहिर किया गौरतलब है कि केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री और केंद्रीय रक्षा मंत्री से मुलाकात के अलावा दिल्ली में एक सफल सांकेतिक धरना प्रदर्शन करने का लक्ष्य लेकर हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति का प्रतिनिधिमंडल दिल्ली रवाना हुआ था। समिति को दिल्ली में स्थानीय सांसद और केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने पूरा सहयोग दिया, वही सांसद गण डॉ ज्योत्सना महंत बृजमोहन अग्रवाल और मध्यप्रदेश के सांसद विवेक तनखा से भी पूरा सहयोग मिला। हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति ने कहा कि महानगरों तक सीधी उड़ान और 4सी एयरपोर्ट निर्माण के लिए केंद्र सरकार से अनुदान जैसी मांगों पर नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू से सार्थक चर्चा हुई है। वही रक्षा मंत्रालय के राज्य मंत्री संजय सेठ ने धनराशि या ब्याज के मसले पर एयरपोर्ट विस्तार हेतु आवश्यक 290 एकड़ भूमि का हस्तांतरण विलंबित नहीं किया जाएगा।

समिति ने यह भी कहा कि छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत के जंतर मंतर धरना में शामिल होने से आंदोलन को बड़ी शक्ति मिली है।

हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति ने कहा कि एयरपोर्ट के 4 सी निर्माण और महानगरों तक सीधी उड़ान के लक्ष्य को हासिल करने तक बिलासपुर का जन संघर्ष जारी रहेगा। वही बिलासपुर में आज महा धरना जारी रहा और जो साथी दिल्ली प्रवास पर नहीं गए थे वे धरने पर बैठे। आज के धरने में आगमन के क्रम से रवि बनर्जी अनिल गुलहरे नारद श्रीवास भैय्यू सिंह गौतम नितिन पात्र प्रतीक तिवारी महेश दुबे टाटा संतोष पीपलवा मोहसिन अली साबर अली शामिल थे।

अमरकंटक में 56वीं अखिल भारतीय रेलवे क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता का सफल आयोजन

पुरुष वर्ग में दपूम की टीम एवं महिला वर्ग में उत्तर पूर्व रेलवे की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया

बिलासपुर, 13 दिसम्बर (देशबन्धु)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे खेल संघ (सेक्रसा) के तत्वावधान में नर्मदा के उद्गम स्थल, अमरकंटक (पहाड़ी क्षेत्र) में आयोजित 56वीं अखिल भारतीय रेलवे क्रॉस कंट्री (पुरुष एवं महिला) प्रतियोगिता 2025 आज सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भारतीय रेल के विभिन्न जोनों की 14 टीमों के कुल 122 खिलाड़ियों (71 पुरुष एवं 51 महिला) ने भाग लेकर उत्कृष्ट खेल भावना, अनुशासन एवं सहनशक्ति का परिचय दिया।

प्रतियोगिता के समापन समारोह में मुख्य अतिथि श्री तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे एवं दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन (सेक्रो) की अध्यक्षा श्रीमती मीनाक्षी शर्मा जी के कर-कमलों द्वारा विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया। प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि महिला वर्ग में उत्तर पूर्व रेलवे की टीम ने प्रथम स्थान हासिल कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

समारोह को संबोधित करते हुए महाप्रबंधक ने कहा कि क्रॉस कंट्री जैसे कठिन खेल में खिलाड़ियों द्वारा प्रदर्शित सहनशक्ति, गति, टीमवर्क और खेल भावना भारतीय रेल की समृद्ध खेल संस्कृति को सशक्त रूप से दर्शाती है। उन्होंने कहा कि यह खेल शरीर के साथ-साथ मन और धैर्य की भी परीक्षा लेता है, जिसमें सभी खिलाड़ियों ने स्वयं को उत्कृष्ट सिद्ध किया है।

उन्होंने विजेता टीमों को बधाई देते हुए कहा कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाला प्रत्येक खिलाड़ी विजेता है, क्योंकि सभी ने अपने परिश्रम, अनुशासन और सकारात्मक ऊर्जा से भारतीय रेल परिवार की प्रतिष्ठा को और ऊँचाई प्रदान की है। खेलों से मिलने वाले अनुशासन, धैर्य, पारस्परिक सम्मान एवं लक्ष्य के प्रति समर्पण जैसे गुण संगठन को भी मजबूत बनाते हैं।

महाप्रबंधक ने विश्वास व्यक्त किया कि यहाँ प्रदर्शित प्रतिभा आने वाले समय में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चमकेगी और भारतीय रेल का नाम और अधिक गौरवान्वित करेगी। इन्हीं शुभेच्छाओं के साथ उन्होंने प्रतियोगिता के समापन की औपचारिक घोषणा की। इस अवसर पर अध्यक्षा, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन (सेक्रो), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे खेल संघ के अध्यक्ष एवं प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर, मंडल रेल प्रबंधक/बिलासपुर, वरिष्ठ अधिकारीगण, प्रशिक्षकगण, खिलाड़ी एवं बड़ी संख्या में रेलवे अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा इससे पूर्व वर्ष 2022 में भी इस प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया था। वर्ष 2025 का यह आयोजन भी रेलवे की उत्कृष्ट खेल परंपरा को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि सिद्ध हुआ है।

छग के लोगो को त्वरित,सुलभ और किफायती न्याय देने में हमेशा प्राथमिकता दी गई

लोक अदालत में 5527165 मामलों का निपटारा और 6,49,35,93768 रु का मुआवजा दिया गया

बिलासपुर, 13 दिसम्बर (देशबन्धु)। विवादों का सौहार्दपूर्ण और शीघ्रता से समाधान करने के लिए, सभी न्यायिक अधिकारियों से लंबित मामलों के अधिकतम संभव समाधान के लिए प्रयास करने का आग्रह किया जाता है।

मुख्य न्यायाधीश ने छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए गठित दो पीठों का व्यक्तिगत रूप से दौरा किया और उनसे बातचीत की, जिनकी अध्यक्षता न्यायमूर्ति अरविंद कुमार वर्मा और न्यायमूर्ति बिभु दत्ता गुरु कर रहे थे। उन्होंने लोक अदालत के प्रभावी संचालन को सुगम बनाने और लोक अदालत विवाद समाधान की भावना को बढ़ावा देने में उनके प्रयासों की सराहना की।

मुख्य न्यायाधीश के नेतृत्व में, सौहार्दपूर्ण समझौतों को सुगम बनाने के लिए व्यापक पूर्व-बैठकों और परामर्श सत्रों सहित सावधानीपूर्वक योजना बनाकर राज्यव्यापी स्तर पर कार्यवाही की गई। सामूहिक प्रयासों के फलस्वरूप एक उल्लेखनीय उपलब्धि प्राप्त हुई।

छत्तीसगढ़ के उच्च न्यायालय, जिला एवं सत्र न्यायालय, तालुका स्तरीय न्यायालय और राजस्व न्यायालयों को शामिल करते हुए

13 दिसंबर, 2025 को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, कुल 55,27,165 मामलों (आपराधिक मामले, कंपंडा मामले, दीवानी मामले, राजस्व मामले, मुकदमे से पहले के मामले और यातायात चालान मामले सहित) का निपटारा किया गया और 6,49,35,93,768 रुपये की राशि का मुआवजा दिया गया।

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा ने पदभार ग्रहण करने के बाद से लोक अदालत प्रणाली के माध्यम से छत्तीसगढ़ के लोगों को त्वरित, सुलभ और किफायती न्याय प्रदान करने को लगातार प्राथमिकता दी है, जिसके लिए वे प्रधान जिला न्यायाधीशों के साथ निरंतर मार्गदर्शन और नियमित समीक्षा बैठकें करते रहे हैं।

मुख्य न्यायाधीश ने न्यायमूर्ति संजय के. अग्रवाल, कार्यकारी अध्यक्ष, सीजीएलएसए, न्यायमूर्ति पार्थ प्रतीम साहू, अध्यक्ष, एचसीएलएससी, सभी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीशों, परिवार न्यायालय के न्यायाधीशों, लोक अदालत परिवार न्यायालय की पीठों के सभी पीठासीन अधिकारियों, अधिवक्ताओं, पक्षकारों और उन सभी हितधारकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया, जिन्होंने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इस राष्ट्रीय लोक अदालत को ऐतिहासिक सफलता दिलाने में योगदान दिया।

एड्स जागरूकता पखवाड़ा के तहत निकाली गई रैली

एचआईवी एड्स से बचाव जांच एवं उपचार के प्रति किया गया जागरूक

बिलासपुर, 13 दिसम्बर (देशबन्धु)। बिलासपुर विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में जिला एड्स नियंत्रण समिति बिलासपुर द्वारा 1 दिसंबर से 15 दिसंबर तक एड्स जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आज सीएमएचओ कार्यालय से एड्स जागरूकता रैली निकाली गई। रैली सीएमएचओ कार्यालय से महामाया चौक होते हुए प्रमुख मार्गों से गुजरी। रैली के माध्यम से आमजन को एचआईवी/एड्स से बचाव, जांच एवं उपचार के प्रति जागरूक किया गया।

रैली के दौरान पोस्टर, नारे और पेंटिंग के माध्यम से सुरक्षित व्यवहार अपनाने का संदेश दिया गया। साथ ही मितानिनों द्वारा समुदाय स्तर पर घर-घर संपर्क कर, ट्रक ड्राइवरों एवं अन्य जोखिम समूहों को भी जागरूक किया जा रहा है।

सीएमएचओ डॉ.शुभा गरेवाल ने बताया कि अभियान के तहत पेंटिंग प्रतियोगिता, जागरूकता रैली, सामुदायिक संवाद और परामर्श जैसे विविध आयोजन किए जा रहे हैं। वर्तमान समय में नशे विशेषकर इंजेक्शन ड्रग्स के कारण संक्रमण का जोखिम बढ़ रहा है, इसलिए साझा सुइयों के उपयोग से बचने और जांच कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। अभियान के तहत विभिन्न माध्यमों रैली, पेंटिंग, सामुदायिक संपर्क से लोगों को जागरूक किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि ड्रग्स के इंजेक्शन का साझा उपयोग संक्रमण का बड़ा कारण है, इससे बचाव और समय पर जांच बेहद जरूरी है।

जिला एड्स नियंत्रण समिति की नोडल अधिकारी डॉ. गायत्री बांधी ने कहा कि एड्स से बचाव के लिए सुरक्षित व्यवहार, नियमित जांच और सही जानकारी आवश्यक है। समय पर पहचान होने पर उपचार प्रभावी होता है और सामान्य जीवन संभव है।

उल्लेखनीय है कि 1 दिसंबर से 15 दिसंबर तक एड्स के प्रति जागरूकता के लिए जागरूकता पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है,जिसके तहत जिले में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। रैली में बड़ी संख्या में मितानिन, डॉक्टर, हेल्थ केयर और टीआई एनजीओ एलडब्ल्यूएस से जुड़े कर्मी, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए।

दो वर्षों की उपलब्धियाँ, जनता के नाम प्रतिबद्धता जनदर्शन में बोले राज्य मंत्री तोखन साहू

जनदर्शन कार्यक्रम के दौरान राज्य मंत्री ने नागरिकों से किया संवाद

बिलासपुर, 13 दिसम्बर (देशबन्धु)। आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने अपने संसदीय क्षेत्र बिलासपुर स्थित निजी कार्यालय में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम में आम नागरिकों से सीधा संवाद किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे और उन्होंने अपनी विभिन्न समस्याएँ एवं मांगें मंत्री के समक्ष रखीं।

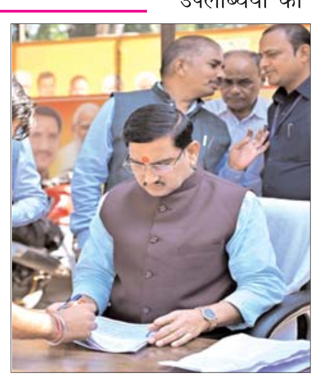

श्री साहू ने नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों को त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लोगों की समस्याएँ सुनकर उनका समयबद्ध समाधान करना ही सुशासन की सच्ची पहचान है। जनदर्शन जनता और शासन के बीच विश्वास को मजबूत करता है। इस अवसर पर श्री साहू ने राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने पर सरकार की उपलब्धियों की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बीते दो वर्षों में आवासन, शहरी विकास, बुनियादी ढाँचे, गरीब कल्याण और जनहित से जुड़ी योजनाओं में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। प्रधानमंत्री आवास योजना, शहरी अधोसंरचना विकास, स्वच्छता एवं नागरिक सुविधाओं के विस्तार जैसे क्षेत्रों में सरकार ने ठोस और जन-उपयोगी परिणाम दिए हैं। जनदर्शन कार्यक्रम के उपरांत श्री साहू ने क्षेत्र में आयोजित धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों में भी सहभागिता की। राज्य मंत्री तोखन साहू ने नागरिकों को आश्वस्त किया कि जनकल्याण, पारदर्शिता और विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी तथा योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाते रहेंगे।

बिलासपुर-रीवा एक्सप्रेस में एलएचबी कोच का प्रावधान

यात्रियों को मिलेगी अतिरिक्त बर्थ के साथ बेहतर आरामदायक एवं संरक्षित यात्रा सुविधा

बिलासपुर, 13 दिसम्बर (देशबन्धु)। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों को सुरक्षित, आरामदायक एवं आधुनिक यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में रेलवे द्वारा गाड़ियों में पुराने पारंपरिक कोचों के स्थान पर नई तकनीक से निर्मित लिंक हॉफमैन बुश (एलएचबी) कोच लगाए जा रहे हैं, जो अधिक सुरक्षित, आरामदायक तथा उच्च गति के अनुरूप हैं।

इसी क्रम में गाड़ी संख्या 18247/18248 बिलासपुर-रीवा-बिलासपुर एक्सप्रेस में बिलासपुर से 15 जनवरी 2026 से तथा रीवा से 16 जनवरी 2026 से एलएचबी कोचों के साथ संचालित किया जा रहा है। इससे यात्रियों को बेहतर आरामदायक एवं सुरक्षित यात्रा की सुविधा मिलेगी।

एलएचबी कोचों के समावेश से यात्रियों को जहाँ यात्रा के दौरान बेहतर सुरक्षा एवं आराम का अनुभव होगा, वहीं सीटों की संख्या में भी वृद्धि हुई है। इस बदलाव से गाड़ी में कुल 109 अतिरिक्त बर्थ की सुविधा उपलब्ध होगी —

एसी 3 टियर में 16 बर्थ की वृद्धि,जनरल(सामान्य) में 45 सीटों की वृद्धि,स्लीपर श्रेणी में 48 बर्थ की वृद्धि।

इस प्रकार अब इस गाड़ी में अधिकाधिक संख्या में यात्रियों को कंफर्म बर्थ के साथ सुरक्षित व आरामदायक यात्रा का अवसर मिलेगा। एलएचबी कोचों के उपयोग से बेहतर सुरक्षा, कम झटके, आधुनिक ब्रेकिंग प्रणाली तथा बेहतर सवारी गुणवत्ता सुनिश्चित होगी । रेलवे प्रशासन का यह प्रयास यात्रियों को सुरक्षित, सुगम एवं विश्वस्तरीय यात्रा अनुभव प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

बाराद्वार स्टेशन को चौथी लाइन से जोड़ने का कार्य सफलपूर्वक हुआ पूरा, रेल संरक्षा व क्षमता में होगी महत्वपूर्ण वृद्धि

बिलासपुर, 13 दिसम्बर (देशबन्धु)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, यात्रियों को सुरक्षित, सुगम एवं समयबद्ध रेल सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए अधोसंरचना विकास में निरंतर नए आयाम स्थापित कर रहा है। क्षमता आवर्धन के कार्यों को तीव्र गति से क्रियान्वित किया जा रहा है, जिससे परिचालन की दक्षता बढ़ने के साथ-साथ यात्री सुविधाओं में भी उल्लेखनीय सुधार हो रहा है।

इसी क्रम में,बिलासपुर-झारसुगुड़ा चौथी रेल लाइन परियोजना दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की एक महत्वपूर्ण परियोजना के रूप में प्रगति पर है। इस कार्य के अंतर्गत बाराद्वार स्टेशन पर आज दिनांक 13 दिसम्बर 2025 (शनिवार) को चौथी लाइन से जोड़ने का कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया गया। यह कार्य सीमित 3+3 घंटे के नियोजित ट्रैफिक ब्लॉक के दौरान पूर्ण किया गया।

इस परियोजना के अंतर्गत अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली को 197 रूट्स के साथ स्थापित

किया गया है, जिसमें डुअल व्हीडीयू युक्त एचआरएसटीएस एचएसबीवाय प्रणाली सम्मिलित है। स्टेशन पर कुल 40 पॉइंट्स, 44 सिग्नल्स, 7 लाइन्स तथा 74 ट्रैक सर्किट्स का समावेशन किया गया है। साथ ही कवच-रेडी इंटरफेस एवं पॉइंट हैज़र्ड सर्किट को भी लागू किया गया है, जिससे ट्रेन संचालन की संरक्षा और विश्वसनीयता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

सुरक्षा मानकों को और सुदृढ़ करने हेतु फायर अलार्म एवं एस्पिरेशन सिस्टम, फ्यूज़ अलार्म तथा डेटा लॉगर जैसी आधुनिक प्रणालियाँ स्थापित की गई हैं। इस कार्य में विभिन्न विभागों की तकनीकी भागीदारी रही, जिससे उच्च गुणवत्ता और समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित हुआ।

इस कार्य में 400 से अधिक समर्पित कर्मी, इंजीनियर, स्टेशन मास्टर तथा मुख्य यातायात निरीक्षक ठंड भरे मौसम में भी दिन-रात जुटे रहे । चौथी लाइन का कार्य पूरा होने से लाइन क्षमता में वृद्धि, ट्रेनों की सुगम आवाजाही, पंक्चुअलिटी में सुधार तथा यात्रियों को बेहतर सेवा प्राप्त होगी। यह उपलब्धि एसईसीआर बिलासपुर की कुशल योजना, समन्वय और समर्पण का परिणाम है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे यात्रियों की सुविधा, संरक्षा और आधुनिक तकनीक के माध्यम से रेल सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए सतत प्रयास कर रहा है।

NECC

14.12.2025	अंडा	मुर्गी	काकरेल
फार्म	680	100	140
चिल्हर	8.00	125	170
डिलीवरी	695 सैकड़ा		

मुर्गी खाद प्रति ट्राली 1000 रु.

CSPFA

प्रकाशक मुद्रक एवं सम्पादक- राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन, प्रा.लि. के लिए पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. प्रेस में मुद्रित एवं गर्ल्स कॉलेज के पास, जरहाभाटा, बिलासपुर से प्रकाशित। प्रेस पंजीयन- 52158/91 फोन- 07752 422771